डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹ 80600 10 ग्राम
₹ 102000 01 किलो
सेंसेक्स 74,340.09 +609.87
डॉलर 87.104 +0.224

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

फाल्गुन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार, 07 मार्च 2025, वर्ष-31, अंक-142, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-12 दोस्त की हल्दी समारोह में कैटरीना...

एक नजर

अफीम तस्करी का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

पत्थलगड़ा/सिमरिया (चतरा)। पुलिस अधीक्षक विकास पांडेय को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में एसडीपीओ प्रदीप प्रणव ने जानकारी देते हुए बताया कि एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम ने पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र के बेहरा गांव के पास जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान एक बाइक (जेएच 02बीजी 0834) पर सवार दो लोगों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनकी डिक्की से पारदर्शी प्लास्टिक की थैली में रखा काले रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जिसे अफीम बताया गया। पूछताछ में **शेष पेज 11 पर**

रेहला पुलिस ने 11.29 किलोग्राम गांजा के साथ महिला को गिरफ्तार किया

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि रेहला थाना क्षेत्र के शुकबाजार स्टेशन रोड पर नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री हो रही है। सूचना के आधार पर विश्रामपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान सब्जी मार्केट के पास एक महिला ट्रॉली बैग लेकर भागने की कोशिश कर रही थी, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम गुड़ी कुंवर (35), पति स्व. अजय साव, निवासी वार्ड नं. 2, रेहला कला, थाना रेहला, **शेष पेज 11 पर**

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

आज | कल

इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों का हंगामा

मेस की खराब गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन

खराब भोजन को लेकर नाराज छात्र-छात्राओं ने किया प्राचार्य का घेराव

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर-पीतांबरपुर। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, लेस्लीगंज के छात्रावास में रहने वाले छात्र-छात्राओं ने सोमवार को मेस में भोजन की खराब गुणवत्ता को लेकर जोरदार हंगामा किया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लगभग दो घंटे तक प्राचार्य का घेराव किया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है, जिससे उनकी सेहत पर असर पड़ रहा है।

प्रशासन पर कार्रवाई न करने का आरोप : छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने पहले भी कई बार इस मुद्दे को कॉलेज प्रशासन के सामने उठाया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। छात्रों का कहना था कि मेस ठेकेदार के खिलाफ लगातार शिकायतें की गईं, लेकिन समस्या जस की तस बनी रही। भोजन की गुणवत्ता में सुधार नहीं होने से मजबूर होकर उन्हें प्रदर्शन करना पड़ा।

प्राचार्य ने छात्रों को दिया आश्वासन : प्रदर्शन के दौरान कॉलेज के प्राचार्य एस.के. सिंह लगातार छात्रों को समझाने का प्रयास करते रहे। उन्होंने आश्वासन दिया कि मेस के ठेकेदार को जल्द ही बदला जाएगा और खाने की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा। हालांकि, छात्र उनकी बातों से संतुष्ट नहीं हुए और देर रात तक प्रदर्शन जारी रखा।

कॉलेज प्रशासन की सफाई : कॉलेज प्राचार्य एस.के. सिंह ने कहा कि जब कॉलेज की शुरूआत हुई थी, तब बीआईटी मेस मॉडल के आधार पर ठेकेदार की नियुक्ति की गई थी। ठेकेदार की नियुक्ति प्रशासन ने सीधे नहीं की थी, बल्कि इसकी देखरेख छात्रों की एक समिति द्वारा की जाती है, जो मेस में उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी करती है।

उन्होंने स्वीकार किया कि छात्रों की शिकायतें पहले भी आई थीं, लेकिन ठेकेदार को अचानक हटाना संभव नहीं था, इसलिए इसमें विलंब हुआ। उन्होंने आज प्रदर्शन के बाद स्पष्ट रूप से आश्वासन दिया कि ठेकेदार को बदलने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

नए मेस संचालक को लेकर छात्रों से सुझाव मांगे : प्राचार्य ने कहा कि यदि छात्रों के पास कोई अच्छा मेस संचालक है, जो बेहतर गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध करवा सकता है, तो वे प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में खाने की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जाएगा।

कॉलेज में 800 छात्र-छात्राएं हैं अध्यनरत : फलहाल गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, लेस्लीगंज में लगभग 800 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जिनमें से कई छात्रावास में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। छात्रावास में रहने वाले छात्रों को खराब भोजन की समस्या लंबे समय से झेलनी पड़ रही थी, जिसके कारण यह विरोध प्रदर्शन हुआ।

छात्रों का कहना है कि यदि जल्द ही उचित समाधान नहीं निकाला गया, तो वे और बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। वहीं, कॉलेज प्रशासन ने भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

मंईयां के बराबर वृद्ध, दिव्यांग और विधवा को पेंशन की मांग के मुद्दे पर गरमाया सदन

यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ का अध्यन करने के बाद सरकार लेगी अंतिम निर्णय : संसदीय कार्य मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बजट सत्र के आठवें दिन प्रश्नकाल के दौरान मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों की तरह वृद्ध, दिव्यांग और विधवा को 1000 रुपए की जगह 2,500 रुपए देने की भाजपा की मांग पर काफी खींचतान हुई। भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य सहिया को तो सिर्फ 2000 रुपए प्रति माह मानदेय मिलता है। यह सरासर गलत है। काम करने के बावजूद इतना कम मानदेय क्यों। उन्होंने कहा कि अगर मंईयां योजना की लाभुक दिव्यांग या विधवा हो जाए तो क्या उसे 1,000 रुपये दिए जाने लगेंगे। मामला तब गरमा गया जब इसी से जुड़ा भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो का तारांकित प्रश्न आ गया। सवाल और जवाब के दौरान हंगामा बढ़ता चला गया और जवाब पर असंतोष जताते हुए भाजपा के विधायक वेल में आ गए। पूछने लगे कि दूसरे जरुरतमंदों को मंईयां के समतुल्य राशि मिलेगी या नहीं। यह कहते हुए भाजपा के विधायक सदन से वॉक आउट कर गए।

किस बात पर गरमाया मामला : भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो जानना था कि दिव्यांगजनों को सिर्फ 1,000 रुपये क्यों। ऊपर से चार माह से राशि क्यों नहीं मिली। इसपर मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि दिव्यांग पेंशन मद में 18 साल से 79 साल तक के दिव्यांगों को 300 रु केंद्र और 700 रु राज्य सरकार देती है। जबकि 80 साल से ज्यादा उम्र के **शेष पेज 11 पर**

रसोईया की बकाया राशि होली से पहले मिल जाएगी : सुदिव्य सोनू

उन्होंने पूछा कि क्या ये महिलाएं नहीं हैं क्या। इसपर बीच बचाव करते हुए मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि पूर्व में रसोईया को बहुत कम मानदेय मिलता था। उनकी सरकार ने ही मानदेय बढ़ाकर 3000 रु. किया था। पूर्व में उन्हें सिर्फ दस माह के मानदेय मिलता था जिसे 12 माह किया गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि **शेष पेज 11 पर**

मंईयां से दूसरे पेंशन की तुलना नहीं : चमरा लिंडा

इसपर मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि अक्सर यह सवाल उठाया जाता है कि मंईयां सम्मान की लाभुकों की तरह वृद्धों, दिव्यांगों और विधवा को भी राशि क्यों नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मसले पर काफी मंथन हुआ है। मंईयां योजना से उन योजनाओं की तुलना नहीं की जा सकती। क्योंकि मंईयां की राशि से एक परिवार के जीवन में बदलाव आ रहा है जबकि वृद्धा, दिव्यांग पेंशन से व्यक्ति विशेष को लाभ मिल रहा है। आमतौर पर मंईयां की शादी 20-22 साल की उम्र में हो जाती है। वह मां बनती है तो उस पैसे से अपने बच्चे के पोषण का ख्याल रख सकती है। उसे पढ़ा-लिखा सकती है। इससे पलायन रुकेगा। शिक्षा का स्तर सुधरेगा। कुपोषण कम होगा। इसी दौरान उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन जब जेल में थे, उसी दौरान यह कान्सेप्ट तैयार हुआ था। इसमें कल्पना सोरेन की बड़ी भूमिका थी। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन एकल है। मतलब, खैनी-चूना, तंबाकू, चाय, पानी । क्योंकि वृद्ध लाभार्थी अपने पेंशन की राशि से नाती-पोता को भी मदद नहीं करते। जबकि मंईयां अपने बच्चों और परिवार को संभालती है। उन्होंने कहा कि वृद्ध, दिव्यांगजनों के पेंशन के मामले में केंद्र और राज्य दोनों की भागीदारी जुड़ी होती है। जहां तक स्वास्थ्य सहिया को 2000 रु प्रति माह मानदेय देने की बात है तो यह मामला स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा है।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में हंगामा: जिम्मेदार पदाधिकारियों के बीच हुई तीखी नोकझोंक

भाजपा से मिलीभगत के आरोपों ने बढ़ाया तनाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी की नीति और अनुशासन की पोल तब खुल गई, जब दो वरिष्ठ पदाधिकारी प्रदेश प्रभारी के समक्ष ही आपस में भिड़ गए। इस घटनाक्रम से सम्मेलन में भारी हंगामा मच गया और अनुशासनहीनता खुलकर सामने आ गई।

प्रदेश प्रभारी के सामने गहमागहमी : घटनाक्रम के दौरान प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री भी बैठक में मौजूद थे, लेकिन पार्टी के अनुशासन को बनाए रखने में असफल रहे। कार्यकर्ताओं ने इस विवाद को शांत करने की कोशिश की, लेकिन मामला शांत होने की बजाय और गरमाता चला गया।

कार्यकर्ता सम्मेलन का मकसद संगठन को मजबूत करना था, लेकिन अंदरूनी कलह और आरोप-प्रत्यारोप के चलते यह बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। पार्टी कार्यकताओं में इस घटना को लेकर नाराजगी भी देखी गई।

अब देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस आलाकमान इस विवाद पर क्या रुख अपनाता है और क्या अनुशासनहीनता पर कोई कार्रवाई की जाती है या नहीं।

इस बैठक में कांग्रेस के प्रखंड और जिला स्तर के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए थे। लेकिन जैसे ही चर्चा आगे बढ़ी, जिला अध्यक्ष और कांग्रेस नेता जीशान खान के बीच विवाद हो गया।

भाजपा से मिलीभगत का आरोप : जीशान खान ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर कांग्रेस को चुनाव हरवाने का काम किया। इस बयान के बाद माहौल गरमा गया और दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए बाबूलाल मरांडी

● नेता प्रतिपक्ष का सस्पेंस खत्म

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बाबूलाल मरांडी को झारखंड विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। गुरुवार को रांची के हरमू रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में केंद्रीय पर्यवेक्षकों भूपेंद्र यादव और के. लक्ष्मण की मौजूदगी में हुई विधायकों की बैठक में उनके नाम पर सर्वसम्मति बनी।

इसके साथ ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को लेकर पिछले साढ़े तीन महीनों से चला आ रहा सस्पेंस खत्म हो गया है। पार्टी आज ही स्पीकर को विधायक दल के नेता के निर्वाचन की सूचना देगी। नेता चुने जाने के बाद मरांडी ने कहा कि उन्हें पार्टी के नेतृत्व और विधायकों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वह आभारी हैं। उन्होंने कहा, अपनी पूरी क्षमता और ताकत के साथ सदन के अंदर और बाहर दल को मजबूत बनाने के लिए हर पल कार्य करूंगा। संगठन को और कैसे मजबूत किया जा सकता है, उसके लिए प्रयासरत रहूंगा। सबको साथ लेकर चलूंगा। मरांडी ने इस नई जिम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव, के. लक्ष्मण, प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री नागेंद्र, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर **शेष पेज 11 पर**

इंडिया

ट्रंप के टैक्स का असर और झारखंड को अवसर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ?पारस्परिक शुल्क के प्रस्ताव से दुनिया भर में हलचल मची हुई है जिसका असर भारतीय कृषि पर भी पड़ेगा । आयात-निर्यात नियमों में बदलाव और अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारत पर अपने बाजार खोलने के दबाव ने हमारे किसानों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने भारत को सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जीएसपी) के वर्गीकरण से बाहर कर दिया था। जीएसपी ने भारतीय कृषि और औद्योगिक उत्पादों को अमेरिकी बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच की अनुमति दी थी, जिससे निर्यातकों और किसानों को लाभ हुआ। लेकिन जीएसपी रद्द करने के बाद चावल, प्रसंस्कृत खाद्य और डेयरी उत्पादों जैसी कृषि वस्तुओं सहित छह अरब डॉलर से अधिक मूल्य के निर्यात प्रभावित हुए। अमेरिका को भारतीय कृषि निर्यात अब भी दो से 10 फीसदी तक के टैरिफ का सामना कर रहा है, जिससे वे कम प्रतिस्पर्धी हो गए हैं।भारत ने हमेशा घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक शुल्कों पर भरोसा किया है, जिसकी ट्रंप ने हमेशा आलोचना की है। ट्रंप प्रशासन के कड़े रवैये को देखते हुए भारत को जीएसपी का दर्जा मिलना मुश्किल है, जिसका सीधा असर भारतीय किसानों और निर्यातकों पर पड़ेगा, क्योंकि अमेरिका चावल, मसालों और दालों जैसे भारतीय कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे में अगर अमेरिका भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाता है, तो अमेरिकी बाजार में इन उत्पादों की कीमतें भी बढ़ेंगी, और उनकी मांग में कमी आ सकती है।भारतीय किसानों, विशेषकर डेयरी क्षेत्र के किसानों को डर है कि सस्ते अमेरिकी आयात से घरेलू बाजार में व्यवधान उत्पन्न होगा। अमेरिकी डेयरी उद्योग विशाल भारतीय बाजार तक पहुंच चाहता है, जहां स्थानीय डेयरी किसान सरकारी सहायता और घरेलू खपत पर बहुत अधिक निर्भर हैं। अप्रतिबंधित अमेरिकी डेयरी आयात की अनुमति देने से छोटे भारतीय डेयरी किसानों पर गंभीर असर पड़ेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आय में कमी और बेरोजगारी बढ़ने की आशंका बढ़ेगी। अब तक भारत ने इस दबाव का विरोध किया है, लेकिन चचाओं ने कृषि क्षेत्र में अनिश्चितता पैदा कर दी है।ट्रंप प्रशासन ने

स्वच्छता और फाइटोसैनिटरी (एसपीएस) मानकों को कड़ा कर दिया, जिससे भारतीय कृषि उत्पादों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रवेश करना कठिन हो गया। कीटनाशक अवशेषों के स्तर और पैकेजिंग आवश्यकताओं पर कड़े नियमों ने भारतीय निर्यातकों के लिए अनुपालन लागत बढ़ा दी है। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने भारतीय कृषि क्षेत्र को कई नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। भारत यदि अपनी कृषि नीतियों में सुधार करता है, निर्यात को विविधीकृत करता है, प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को बढ़ावा देता है और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल रणनीतियां अपनाता है, तो इन चुनौतियों का समाधान निकाला जा सकता है। भारत को केवल अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहने के बजाय अपने कृषि निर्यात को अन्य देशों में विस्तारित करने की रणनीति अपनानी चाहिए। यूरोपीय संघ, अफ्रीकी देश, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया जैसे क्षेत्रों में भारतीय कृषि उत्पादों की मांग बढ़ाई जा सकती है। भारत को विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने चाहिए, जिससे भारतीय कृषि उत्पादों के लिए नए बाजार खुल सकें।भारत को अपने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी कृषि सुधारों को गति देनी होगी। सरकार को ऐसी नीतियां लागू करनी चाहिए, जो किसानों को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करें, बिचौलियों की भूमिका कम करें और कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को और मजबूत करें। किसानों को कच्चे उत्पादों के बजाय प्रोसेस्ड और पैकेज्ड कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे किसानों को अधिक लाभ मिलेगा और निर्यात क्षमता भी बढ़ेगी। डिजिटल और स्मार्ट कृषि के माध्यम से किसानों को बाजार और मौसम की सटीक जानकारी दी जा सकती है, जिससे वे अपनी उत्पादकता बढ़ाने, इनपुट लागत कम करने के साथ उपज को बेहतर कीमत पर बेच सकें।भविष्य की भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए, भारत को अपने व्यापार भागीदारों में विविधता के साथ अपने घरेलू कृषि क्षेत्र को मजबूत करना होगा और टिकाऊ खेती के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम लाभ उठाना होगा। ऐसा करके ही भारतीय कृषि वैश्विक व्यापार गतिशीलता में बदलाव के सामने लचीली बनी रह सकती है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी जगह बना सकती है। झारखंड भी एक प्रमुख कृषि उत्पादक राज्य है जिसमें सब्जियों का निर्यात पड़ोसी देशों तक अपने स्रोतों से हुआ है पर कई अधूरे प्रयासों और शीतगृहों या भंडारण की उचित व्यवस्था नहीं होने से यहां के किसान हताश हैं। बहुत असर फ्री राशन और विकास योजनाओं का लाभ कुपात्र को भी मिलने का हुआ है जिससे किसान खेती करना नहीं चाहते। केंद्र और राज्य को इस पर कार्य करना चाहिए कि इस को अवसर में कैसे बदला जाए। सप्लाई चेन के लिए आवश्यक सड़कों की भरमार,ट्रेनों के अलावा हवाई अड्डों की बढ़ती संख्या और सब्जी फलों के लिए उपयुक्त जलवायु वरदान बन सकते हैं।

चैनपुर के किसानों को मिला मूंग बीज कृषि विभाग की योजना के तहत सहायता

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। कृषि विभाग द्वारा बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत बुढ़ीबीर पंचायत के चोटहासा गांव के किसानों को 52 किलो मूंग बीज और आईएनएम/आईपीएम सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर उप प्रमुख सुनील सिंह और प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवनारायण उरांव उपस्थित थे। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार की योजना के तहत 26 हेक्टेयर क्षेत्र में 6.50 क्विंटल मूंग बीज वितरित किया जाएगा।

कृषि योजना के तहत चयनित गांव:

- बुढ़ीबीर पंचायत (चोटहासा) 5 हेक्टेयर
- तालिया बभंडीह पंचायत (चेड़ाबार) 4 हेक्टेयर
- चांदो पंचायत (चांदो गांव) - 4 हेक्टेयर
- कंनकारी पंचायत (हूकवा गांव) 4 हेक्टेयर
- खुरा कला पंचायत (खुरा कला गांव) 4 हेक्टेयर
- मझगामा पंचायत - 5 हेक्टेयर

किसानों को डोलोमाइट, जिप्सम, नैनो यूरिया, नीम तेल और अन्य सामग्री भी दी जाएगी। इस मौके पर एटीएम प्रियंका कुमारी भी मौजूद रहीं।

कैंप कार्यालय का सफल आयोजन स्थानीय लोग हो रहे लाभान्वित

छतरपुर अनुमंडल भवन में 450 से अधिक आवेदन प्राप्त, उपायुक्त ने खुद सुनी 80 से अधिक शिकायतें

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। पलामू उपायुक्त शशि रंजन की पहल पर छतरपुर अनुमंडल भवन में जिला प्रशासन का कैंप कार्यालय आयोजित किया गया। इस दौरान 450 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने स्वयं 80 से अधिक आवेदनों को प्राप्त कर तत्काल निराकरण के निर्देश दिए।

कैंप कार्यालय में उमड़ी भीड़, समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान : इस दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा स्थापित कार्यालयों का निरीक्षण किया और कार्य निष्पादन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कैंप कार्यालय का अनुभव बेहद सकारात्मक रहा है, जिससे आमजन को सीधे लाभ मिल रहा है।

प्रमुख मामलों में त्वरित कार्रवाई; अबुआ आवास योजना में मजदूरी भुगतान के लिए लल्लू राम के आवेदन पर उपायुक्त ने त्वरित सत्यापन का आदेश दिया। छतरपुर निवासी अजय कुमार ने भूमि का लगान निर्धारण और खतियानी रसीद निर्गत करने की मांग की।

बारा निवासी विजय प्रजापति ने ऑनलाइन खतियान दर्ज कर लगान रसीद निर्गत करने का अनुरोध किया। अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र हेतु अभिषेक कुमार का आवेदन लिया गया। सिंचाई टंकी निर्माण पर आपत्ति जताने वाले वीरेंद्र कुमार सिंह के आवेदन पर स्थल सत्यापन का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत कपिल देव यादव ने ऋण उपलब्ध कराने की मांग की।

उपायुक्त ने लोगों से कैंप कार्यालय का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की

कैंप कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना, हरा राशन कार्ड, सिंचाई योजनाओं सहित अन्य सरकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को लाभान्वित किया गया। उपायुक्त शशि रंजन ने स्थानीय लोगों से कैंप कार्यालय का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक सेवाओं को और सुगम बनाने के लिए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। कैंप कार्यालय में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

न्यूज बॉक्स

झारखंड विधानसभा में बाबूलाल मरांडी बने नेता प्रतिपक्ष, भाजपा नेताओं ने व्यक्त की खुशी

हुसैनाबाद। झारखंड विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में बाबूलाल मरांडी की नियुक्ति पर हुसैनाबाद नगर मंडल और भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय प्रसाद गुप्ता ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में सर्वसम्मति से बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल का नेता घोषित किया गया, जो सराहनीय निर्णय है। अजय प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बाबूलाल मरांडी झारखंड की जनता, विशेषकर गरीबों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए वर्षों से संघर्षरत हैं। उनके नेतृत्व में राज्य में विकास योजनाओं को मजबूती मिलेगी और भाजपा विधायक दल केंद्र सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा।

हरिहरगंज में बेकाबू ट्रक ने टोल प्लाजा के उपकरण तोड़े, चालक पर मामला दर्ज

हरिहरगंज (पलामू)। थाना क्षेत्र के कौआखोह स्थित टोल प्लाजा के लाइन नंबर 8 में बेकाबू ट्रक (संख्या- यूके 06 सीबी 3283) ने टोल प्लाजा के उपकरणों को तोड़ दिया। टोल प्लाजा प्रबंधक अभिषेक भार्गव ने हरिहरगंज थाना में प्राथमिकी (कांड संख्या 25/25, दिनांक 5.3.2025) दर्ज कराई। ट्रक चालक मो. नदीम को आरोपी बनाया गया है। इस संबंध में एसआई सतीश गुप्ता ने बताया कि उक्त ट्रक को जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

इंडियन यूथ कांग्रेस के सोशल मीडिया स्टेट कॉन्वेनर बने राहुल सिंह

मोहम्मदगंज। कांग्रेस पार्टी ने झारखंड में संगठन को और मजबूत करने के लिए एक अहम फैसला लिया है। सोनबरसा गांव के निवासी राहुल सिंह को इंडियन यूथ कांग्रेस सोशल मीडिया का झारखंड स्टेट कॉन्वेनर नियुक्त किया गया है।

राहुल सिंह को क्यों चुना गया? इस संबंध में इंडियन यूथ कांग्रेस सोशल मीडिया के नेशनल हेड मनू जैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राहुल सिंह को पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा, संघर्ष और संगठन को मजबूत करने में योगदान के आधार पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नियुक्ति के बाद राहुल सिंह ने कहा,

मैं पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ संगठन को मजबूत करने और युवा कांग्रेस की आवाज बुलंद करने का कार्य करूंगा। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया।₹ उन्होंने यूथ कांग्रेस के प्रभारी श्री कृष्णा अल्लावरु, राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभान चीव, सोशल मीडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनू जैन, झारखंड के सोशल मीडिया प्रभारी मनीष तिवारी और झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज का आभार व्यक्त किया।

बिना परमिट दौड़ रही बसें, परिवहन विभाग बेखबर

नावाबाजार (पलामू)। पलामू जिले की सड़कों पर एक दर्जन से अधिक बसों का परिचालन बिना वैध परमिट के हो रहा है, लेकिन परिवहन विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। छत्तीसगढ़ से आने वाली ये बसें प्रतिदिन गढ़वा, पड़वा मोड़, जपला, डालटनगंज और पटना तक यात्रियों को ढो रही हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक बस कंडक्टर ने बताया कि ज्यादातर बसों का परमिट रामानुजगंज बॉर्डर तक सीमित है, लेकिन वहां कोई सख्त जांच नहीं होने के कारण बसें झारखंड में प्रवेश कर जाती हैं।

फर्जी पते पर हो रहा रजिस्ट्रेशन : छत्तीसगढ़ के मोटर मालिक झारखंड में फर्जी पता देकर बसों का रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं, जिससे वे यहां अवैध रूप से परिचालन कर रहे हैं। परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में एक-एक गाड़ी का ही परिचालन हो सकता है, लेकिन नियमों को ताक पर रखकर बसें धड़ल्ले से चल रही हैं। स्थानीय प्रशासन और परिवहन विभाग से इस पर तत्काल संज्ञान लेने की मांग की जा रही है ताकि अवैध बस परिचालन को रोका जा सके और नियमों का सही तरीके से पालन हो।

एक नजर

भगवान विश्वकर्मा की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 8 मार्च को निकलेगी कलश यात्रा

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 6 स्थित नवनिर्मित भगवान विश्वकर्मा मंदिर में आगामी 8 मार्च को भगवान विश्वकर्मा की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इसमें वैदिक महायज्ञ, जल यात्रा और नगर भ्रमण जैसी विशेष गतिविधियां शामिल होंगी। **कार्यक्रम की रूपरेखा:**

8 मार्च: कलश यात्रा, जिसमें श्रद्धालु नगर भ्रमण करेंगे।

9 मार्च: भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा नगर भ्रमण करेगी।

10 मार्च: वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन

राधा कृष्ण मंदिर के महंत केशव नारायण दास ने बताया कि महायज्ञ की तैयारी पूरी हो चुकी है। यह आयोजन नगरवासियों के लिए धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहेगा। आयोजन में स्थानीय प्रशासन, समाजसेवी और श्रद्धालु सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं।

मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं की कमी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर आधुनिक सुविधाएं बढ़ाने के दावे किए गए थे, लेकिन यात्रियों को अब भी बुनियादी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। **क्या है यात्रियों की समस्या?** स्टेशन के नए प्लेटफार्म पर कोई बड़ा शेड नहीं है, जिससे यात्रियों को गर्मी, बारिश और धूप से बचाव के लिए कोई सुविधा नहीं मिल रही। प्लेटफार्म पर लगे हैंडपंप और नल से गर्म पानी आ रहा है, जिससे यात्रियों को पीने के लिए ठंडे पानी की सुविधा नहीं मिल पा रही। स्टेशन पर यात्रियों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच और सीटिंग एरिया की भी कमी है।

स्थानीय लोगों की मांग

रेलवे प्रशासन से मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द शेड, शीतल जल और बैठने की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

तेज रफ्तार बाइक ने आरक्षी को मारी जोरदार टक्कर, दोनों गंभीर रूप से घायल

- **घटना देवरी ओपी क्षेत्र के सुखन बीघा मोड़ की, पुलिस चेकिंग के दौरान हुआ हादसा**

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में गुरुवार को देवरी ओपी पुलिस ने जपला-देवरी मुख्य मार्ग पर सुखन बीघा मोड़ के पास वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया था।

घटना का विवरण: दोपहर करीब 2:30 बजे जपला की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक बाइक को पुलिस के आरक्षी मिथिलेश कुमार तिवारी ने हाथ देकर रोकने का इशारा किया। लेकिन बाइक सवार ने वाहन नहीं रोका और तेज गति से आरक्षी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आरक्षी मिथिलेश कुमार तिवारी का सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, और उनके कई दांत भी टूट गए। हादसे में बाइक चालक ओमप्रकाश चौधरी, निवासी देवरीकला गांव भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया।

इलाज एवं प्रशासन की कार्रवाई

घटना के तुरंत बाद देवरी ओपी के एएसआई अखिलेश यादव और उत्तरी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य राजू मेहता उर्फ एसपी मेहता ने दोनों घायलों को तुरंत हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने आरक्षी की स्थिति गंभीर बताई है। जबकि बाइक चालक का प्राथमिक उपचार कर उसे घर भेज दिया गया। पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

सड़क हादसा: स्कूटी और बाइक की टक्कर में एक की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। शाहपुर-गढ़वा मुख्य पथ स्थित गांधीपुरम के पास गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे स्कूटी और मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। चैनपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मेदिनीनगर के एमएमसीएच अस्पताल भेजा। सब-इंस्पेक्टर के. के. सोनी ने बताया कि मृतक की पहचान मेदिनीनगर नगर निगम के हमीदगंज बीएन कॉलेज निवासी विनोद कुमार के 18 वर्षीय पुत्र रवि रंजन कुमार के रूप में हुई है।

घायलों में शामिल हैं:

अंकित कुमार (20 वर्ष), पुत्र धर्मेंद्र वैद्य, हमीदगंज बीएन कॉलेज निवासी

विशाल कुमार (18 वर्ष), पुत्र वीरेंद्र यादव, हमीदगंज बीएन कॉलेज निवासी

विवेक कुमार (25 वर्ष), पुत्र संजय राम, हाउसिंग कॉलोनी निवासी

अमित कुमार (28 वर्ष), पुत्र विलास राम, अबादगंज निवासी

पुलिस ने स्कूटी और मोटरसाइकिल जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मनरेगा योजनाओं की सामाजिक अंकेक्षण जनसुनवाई में 28 मामलों में अनियमितता उजागर

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड। प्रखंड अंतर्गत जोगा पंचायत के जोगा हाई स्कूल के पास मनरेगा योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण किया गया। वित्तीय वर्ष 2020 से 2024 तक की योजनाओं की समीक्षा के दौरान पशु शेड, कूप निर्माण, डोभा निर्माण और वृक्षारोपण समेत अन्य कार्यों में अनियमितताएं पाई गईं। अंकेक्षण दल के श्रीराम प्रजापति, ओमकारनाथ उपाध्याय, चंदन कुमार, अजीत कुमार, नीलम देवी और प्रभा देवी ने पंचायत वार योजनाओं की समीक्षा कर 28 मामलों की अनियमितता को ज्यूरी के समक्ष रखा। जनसुनवाई में ज्यूरी ने इन मामलों पर त्वरित सुनवाई करते हुए 6000 का जुमार्ना लगाया और सुधार के निर्देश दिए। अंकेक्षण के दौरान खासतौर पर मजदूरी भुगतान और वेंडरों से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। ज्यूरी की भूमिका में पूर्व उप प्रमुख पारसनाथ चौधरी, प्रखंड से प्रतिनियुक्त सोनल शर्मा, पंचायत समिति सदस्य सुनैना देवी, मनरेगा मजदूर अखिलेश राम और उषा कुमारी शामिल रहे। जनसुनवाई में जोगा पंचायत की मुखिया कमला देवी, रोजगार सेवक कुंदन ठाकुर, समाजसेवी रामकृष्ण पाल, पूर्व मुखिया नंदू चौधरी, पंचायत क्षेत्र के वार्ड सदस्य और स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

जपला रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ट्रेन से बरामद की 135 बोतल अवैध देशी शराब

सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस के जनरल कोच में लावारिस बोरे में मिली तस्करी की शराब

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड में शराब तस्करी पर नकेल कसने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में गुरुवार को जपला रेलवे स्टेशन पर ₹ऑपरेशन सतर्कर₹ के तहत ट्रेन चेकिंग अभियान चलाया गया।

कैसे पकड़ी गई शराब?

आरपीएफ की टीम ने सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या-13349) के जनरल डिब्बे में तलाशी ली, तो एक लावारिस जूट का बोरा मिला। जब बोरे की जांच की गई, तो उसके अंदर 135 बोतल ब्लू लाइन देशी मसाला शराब मिली। शराब की बोतलों पर फॉर सेल इन यूपी₹ लिखा हुआ था, जिससे यह साफ हो गया कि यह उत्तर प्रदेश से झारखंड में तस्करी की जा रही थी।

आगे की कार्रवाई

आरपीएफ पोस्ट जपला के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मीणा ने बताया कि किसी भी यात्री ने इस बोरे पर अपना दावा नहीं किया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत ?9,400 आंकी गई है। पूरे मामले की जानकारी पलामू पुलिस अधीक्षक और रेलवे के वरीय अधिकारियों को दे दी गई है। जांच में आरपीएफ के उप निरीक्षक कार्तिक बिंझा समेत कई जवान शामिल थे।

भक्ति

विराट संत महासम्मेलन व श्रीराम कथा का हवन-पूजन के साथ समापन

महाशिवरात्रि पर मुसीखाप में भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

पलामू/पांडू। जिले के पांडू प्रखंड अंतर्गत मुसीखाप स्थित यज्ञशाला मंडप में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित विराट संत महासम्मेलन एवं श्रीराम कथा का हवन-पूजन और पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया।

ग्रामीणों के सहयोग से वर्षों से हो रहा आयोजन : आयोजन समिति के अध्यक्ष सह पंचायत समिति सदस्य प्रवेश साव उर्फ ठेग्घू भाई ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन ग्रामीणों के सहयोग से हर वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित किया जाता है। इसमें आसपास के विभिन्न गांवों के श्रद्धालु बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ शामिल होते हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष प्रवेश साव उर्फ ठेग्घू भाई, सचिव कमलेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, उद्घोषक संदीप कुमार सिंह, रामविलास सिंह, बिंदे कुमार सिंह, देवनंदन सिंह, समाजसेवी सुरेंद्र प्रसाद सिंह, अवधेश कुमार सिंह, श्रवण शर्मा, शंकर प्रसाद साहू, श्रीराम गुप्ता, बद्री चंद्रवंशी, शंभू चंद्रवंशी सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस आयोजन में धार्मिक भक्ति, सांस्कृतिक परंपरा और आध्यात्मिक वातावरण का अनूठा संगम देखने को मिला, जिससे श्रद्धालु गदगद नजर आए।

संतों के प्रवचनों से भक्त हुए भाव-विभोर

यह महासम्मेलन एवं कथा 27 फरवरी से श्री श्री 1008 धर्मध्वजाचार्य जी महाराज के तत्वावधान में प्रारंभ हुआ था। आयोजन में विंध्याचल धाम, मिजार्पुर से आए श्री श्री 1008 धर्मध्वजाचार्य जी महाराज, काशी विश्वनाथ धाम, वाराणसी से पंडित इंद्रेश शास्त्री जी महाराज, वीरांगना की धरती झांसी से संगीतमयी कथा वाचिका किरण प्रज्ञा भारती जी, एवं विंध्याचल धाम के कर्मकांड आचार्य भोले तिवारी जी ने प्रवचन और श्रीराम कथा सुनाई। संतों ने धर्म, अध्यात्म और सदाचार पर अपने विचार रखे, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

होली स्पेशल ट्रेन: दूसरे सेक्शन में घोषणाएं बीडी सेक्शन में अब तक नहीं कोई ट्रेन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। रेलवे ने होली के अवसर पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए कई स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। दिल्ली/आनंद विहार से दरभंगा, रक्सौल और बरौनी के बीच, उधना-पटना, वलसाड-दानापुर और गोरखपुर-रांची के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। लेकिन अब तक बीडी सेक्शन को उपेक्षित रखा गया है, जिससे यात्रियों में निराशा है। यात्रियों का कहना है कि वाया जपला-गढ़वा रोड से किसी भी स्पेशल ट्रेन की घोषणा नहीं हुई है। रेलवे की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गाड़ी संख्या 02883/84 रांची-गोरखपुर-रांची **स्पेशल ट्रेन का परिचालन होगा: रांची से 12 मार्च, 2025 को 23:55 बजे रवाना होगी**

कोडरमा (5:33 बजे), गया (7:00 बजे), वाराणसी (11:45 बजे) होते हुए 19:50 बजे गोरखपुर पहुंचेगी वापसी में गोरखपुर से 14 मार्च को 11:00 बजे चलेगी और अगले दिन 5:30 बजे रांची पहुंचेगी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यनारायण सिंह, रामजन्म राम, भाजपा नेता कामेश्वर कुशवाहा, अशोक कुमार सिंह, रवींद्र कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह, मंडल अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह, युवा कांग्रेस सोशल मीडिया स्टेट कॉन्वेनर राहुल सिंह, प्रमुख अर्चना देवी, उप प्रमुख नगीना सिंह और युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह ने बीडी सेक्शन में भी होली के अवसर पर पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग की।

सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि इस संबंध में सांसद वीडी राम को अवगत कराया जाएगा।

पदाधिकारी सिर्फ मुख्यालय में नहीं रहें, क्षेत्र में जाकर योजनाओं की लें जानकारी : उपायुक्त

क्षेत्र में कैंप लगाकर समस्याओं का करें समाधान, जलाशयों के किनारे बसे आदिम जनजाति गांवों की होगी सूची तैयार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त शशि रंजन ने निर्देश दिया है कि पदाधिकारी सिर्फ मुख्यालय में न बैठें, बल्कि क्षेत्र में जाकर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की जानकारी लें। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कैंप लगाकर लोगों की समस्याएं सुनें और उनका शीघ्र समाधान करें, जिससे पात्र लाभुकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने पुराने वाहनों की सूची तैयार कर कंडम घोषित कराने हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी को पत्र सौंपें। वे छतरपुर अनुमंडल कार्यालय में आयोजित कैंप कार्यालय के दौरान अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने सेवा के अधिकार अधिनियम के तहत तय समयसीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराने वाले अधिकारियों और कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। ऐसे मामलों में उन पर जुमार्ना लगाया जाएगा, जिसे उनके वेतन से काटकर कोषागार में जमा किया जाएगा।

छतरपुर में बस स्टैंड और सर्किट हाउस निर्माण की पहल

छतरपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बैठक में नगर क्षेत्र में चल रही योजनाओं की जानकारी दी। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि छतरपुर में एक उपयुक्त स्थान पर बस स्टैंड के लिए भूमि चिन्हित की जाए। उन्होंने हरिहरगंज बाजार में सड़क जाम की समस्या को हल करने के लिए सड़क पर लगे कुछ बिजली के खंभों को किनारे शिफ्ट करने का निर्देश दिया, ताकि जाम की स्थिति से राहत मिल सके। साथ ही, अनुमंडल क्षेत्र में सर्किट हाउस बनाने की दिशा में आवश्यक पहल करने का आदेश दिया। उन्होंने पुस्तकालय भवन का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने को भी कहा।

बटाने डैम में केज कल्चर विकसित होगा, मछली पालन के लिए बनाई जाएगी कार्ययोजना

उपायुक्त ने मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए बटाने डैम में केज कल्चर विकसित कर मत्स्य पालन को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तालाब या अन्य जलाशयों के किनारे स्थित आदिम जनजाति गांवों की सूची तैयार की जाए और इन क्षेत्रों में मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही, लाभुक समितियों का गठन कर आदिम जनजाति परिवारों को इस योजना से जोड़ा जाए।

स्कूल भवन की गुणवत्ता पर सवाल, जांच के लिए बनी कमेटी

बैठक के दौरान ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष सिलदाग स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय के भवन की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और कार्रवाई की मांग की। इस पर उपायुक्त ने तत्काल जांच के लिए एक कमेटी गठित करने का आदेश दिया। उन्होंने खुद भी विद्यालय भवन का निरीक्षण किया और पाया कि स्कूल तक जाने के लिए सड़क भी नहीं बनी है। ग्रामीणों ने बताया कि यह विद्यालय कुछ ही माह पूर्व बना है, लेकिन इसमें पहले से ही कई खामियां नजर आ रही हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि निर्माण में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित संवेदक से लागत की वसूली की जाएगी।

नियमों का उल्लंघन करने वाले क्रशरों के लाइसेंस होंगे रद्द

उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी से क्षेत्र भ्रमण की रिपोर्ट मांगी। खनन पदाधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान 13 क्रशरों की जांच की गई, जिनमें से कुछ में अनियमितताएं पाई गईं। इस पर उपायुक्त ने नियमों का उल्लंघन करने वाले क्रशरों का लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने गव्य विकास, कृषि, उद्यान, पशुपालन, शिक्षा, समाज कल्याण, कल्याण, आपूर्ति सहित अन्य विभागों की योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, छतरपुर अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार सहित जिला, अनुमंडल, प्रखंड और अंचल स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

पति की मौत के बाद भूंजा बेचकर गुजारा कर रही विधवा महिला, पीएम आवास योजना से वंचित

अधिकारियों से मदद की गुहार

मेदिनीनगर। जिला मुख्यालय की रहने वाली सुनीता देवी अपने तीन बच्चों के साथ चना-भूंजा बेचकर जीवनयापन करने को मजबूर हैं। उनके पति संतोष राम की डेढ़ साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। सुनीता देवी को विधवा पेंशन तो मिल रही है, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला। शाहपुर में उनकी रैयती जमीन होने के बावजूद जानकारी के अभाव में वे इस योजना से वंचित हैं। सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने कहा कि यदि किसी जरूरतमंद को पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, तो वे दस्तावेजों के साथ आवेदन दें। सत्यापन के बाद उन्हें योजना का लाभ दिलाया जाएगा।

पांकी सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत चालक सहित दो गंभीर रूप से घायल

बाइक सवार बच्चे को बचाने के दौरान हुआ हादसा

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी प्रखंड में बुधवार देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई, जबकि कार चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है। धर्मेंद्र कुमार, जो लेस्लीगंज का निवासी है, कार चला रहे थे। उन्होंने बताया कि कार में कुल पांच लोग सवार थे और वे हुरलौंग से पांकी जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक सवार बच्चे को बचाने के क्रम में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में नामांकन के लिए 1369 आवेदन, 24 मार्च को होगी परीक्षा

मेदिनीनगर। पलामू जिले में संचालित तीन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में 2025-26 सत्र के लिए कुल 1369 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रधानाध्यापक आशीष दुबे ने बताया कि छठी से नौवीं कक्षा तक 124 सीटों पर नामांकन होगा।
जिला स्कूल : 132 सीटों के लिए 912 आवेदन प्राप्त हुए।
चैनपुर स्कूल : 25 सीटों के लिए 182 आवेदन आए।
24 मार्च को राज्य भर के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों के साथ परीक्षा होगी। स्क्रूटनी के बाद एडमिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

एनपीयू परीक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही पीजी मार्कशीट में लिखा यूजी

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय (एनपीयू) के स्नातकोत्तर सत्र 2021-23 के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा का मार्कशीट गुरुवार को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया गया। लेकिन जब विद्यार्थियों ने अपना मार्कशीट डाउनलोड किया, तो एक गंभीर लापरवाही सामने आई।

- मास्टर डिग्री के स्थान पर बैचलर डिग्री का जिक्र
- मार्कशीट में विषयों की डिग्री गलत लिखी गई थी–
- मास्टर ऑफ आर्ट्स की जगह बैचलर ऑफ आर्ट्स
- मास्टर ऑफ साइंस की जगह बैचलर ऑफ साइंस
- मास्टर ऑफ कॉमर्स की जगह बैचलर ऑफ कॉमर्स
- विद्यार्थियों ने जब यह गड़बड़ी देखी, तो उनमें आक्रोश और हड़कंप मच गया।

परीक्षा विभाग की लगातार हो रही गलतियां : गड़बड़ी की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्दबाजी में इसे सुधार किया, लेकिन विद्यार्थियों ने परीक्षा विभाग की लापरवाह कार्यशैली पर नाराजगी जताई। कई छात्र संगठनों ने इसे विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बताया और विश्वविद्यालय से जवाबदेही की मांग की।
एनएसयूआई ने की चेतावनी : एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी ने विश्वविद्यालय प्रशासन को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की गलतियों से विद्यार्थियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे मानसिक तनाव भी बढ़ता है। तिवारी ने विश्वविद्यालय को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा हुई, तो कुलपति से मिलकर इसकी लिखित शिकायत की जाएगी। उन्होंने परीक्षा विभाग से इस गलती की पूरी जिम्मेदारी लेने और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की।

देशी पिस्टल और जिंदा गोली के साथ चार गिरफ्तार

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पांकी थाना क्षेत्र के कारीमाटी घाटी में कुछ अपराधी हथियारों के साथ इकट्ठा होकर लूटपाट की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए चार अपराधियों को हथियार, गोलियों और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों में जितेंद्र यादव उर्फ चरकू और निखिल सिंह ने अपने बयान में औरंगाबाद जिले के भारत माला प्रोजेक्ट में गोली चलाने की बात स्वीकार की। अन्य गिरफ्तार अपराधी महफुज अहमद (25), सतबरवा; जितेंद्र यादव उर्फ चरकू, बरसैता (पाटन थाना); राहुल वर्मा, नवाजयपुर थाना; और निखिल सिंह, करमा (सतबरवा थाना) शामिल हैं।

जेसीएम कॉलेज सचिव ने थामा एबीवीपी का दामन

पार्टी कार्यकर्ताओं से उचित सम्मान नहीं मिलने का दिया हवाला

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से पलामू जिले के मेदिनीनगर स्थित गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय के छात्र नेता किसलय दुबे ने 6 मार्च, गुरुवार को विद्यार्थी परिषद के प्रमंडलीय कार्यालय में प्रदेश सह मंत्री अभय वर्मा और जिला संयोजक नीतीश दुबे की उपस्थिति में संगठन की सदस्यता ग्रहण की। किसलय दुबे जेसीएम कॉलेज इकाई के सचिव पद पर कार्यरत थे। उन्होंने विद्यार्थी परिषद से जुड़ने के पीछे कारण बताते हुए कहा, 'जहां मैं था, वहां कार्यकर्ताओं से वह भाव नहीं मिल पा रहा था, जो मुझे चाहिए था। इसलिए मैंने विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन विद्यार्थी परिषद का सदस्य बनने का फैसला किया, जो राष्ट्रहित में सदैव काम करता है।' विद्यार्थी परिषद में शामिल होने पर प्रदेश सह मंत्री अभय वर्मा ने उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर और सदस्यता ग्रहण कराकर स्वागत किया। इस अवसर पर नगर मंत्री विपिन यादव और प्रदेश छात्रावास प्रमुख राम शंकर पासवान भी उपस्थित थे।

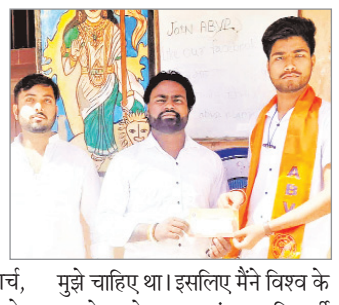

युवा नेता ने कुलपति को दी बधाई, उठाए अहम मुद्दे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दो वर्षों के लंबे इंतजार के बाद नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय को स्थायी कुलपति मिला है। नवनियुक्त कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह के कार्यभार संभालने पर छात्रों और शिक्षकों में उम्मीद जगी है। युवा नेता विनीत पांडे ने इस नियुक्ति पर खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी, साथ ही विश्वविद्यालय की मौजूदा समस्याओं को दूर करने की मांग भी की।

विनीत पांडे ने कहा कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी, प्रवेश और परीक्षा की अनियमितता, पाठ्यक्रम संचालन और परिणाम जारी करने में होने वाली देरी जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। उन्होंने कुलपति से इन विषयों पर तत्काल पहल करने का आग्रह किया।

पांडे ने बताया कि चैनपुर प्रखंड में मॉडल डिग्री कॉलेज का भवन पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन अब तक इसका संचालन शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने मांग की कि इसे शीघ्र चालू किया जाए, ताकि चैनपुर, बरगढ़ और भंडरिया जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों के छात्र आसानी से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय के पास निर्मित गर्ल्स हॉस्टल का भवन बनकर तैयार है, लेकिन उसका संचालन अब तक शुरू नहीं किया गया है। इससे दूर-दराज से आने वाली छात्राओं को काफी परेशानी होती है। विनीत पांडे ने कहा कि नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय का नाम वीर क्रांतिकारियों के नाम पर रखा गया है, लेकिन इसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए गंभीर और सकारात्मक प्रयास किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कुलपति से विश्वविद्यालय के स्वर्णिम काल की ओर अग्रसर होने की उम्मीद जताई और विश्वास दिलाया कि छात्रहित में हर आवश्यक कदम उठाने के लिए वे पूरी तरह तत्पर रहेंगे।

अभिभावक-शिक्षक बैठक में शिक्षा सुधार पर चर्चा, बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मिला सम्मान

रचनात्मक संवाद से बनी सामूहिक भागीदारी की रणनीति

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह मध्य विद्यालय में चतुर्थ अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) का आयोजन किया गया। बैठक से पहले बाल सांसद और शिक्षकों ने अभिभावकों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसमें विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था, स्वच्छता, सरकारी सुविधाएं, कक्षा 6-7 की वार्षिक परीक्षा, आठवीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी, नशा विरोधी जागरूकता, पोक्सो अधिनियम, बाल विवाह निषेध कानून और स्व-अध्ययन में अभिभावकों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पुरस्कृत विद्यार्थियों की सूची : रेल प्रोजेक्ट परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पिहु, सुहानी, प्राची, छाया और अमन को सम्मानित किया गया। इको क्लब और स्वच्छता गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए गोलू, शुभनंदन, रिया, अनुप्रिया, अनिल, रितेश, अनुराग, करण, प्रियांशु और नैन्सी को पुरस्कृत किया गया। बैठक में एसएमसी अध्यक्ष पार्वती देवी, उपाध्यक्ष ललिता देवी, संयोजिका रंजू देवी, वार्ड सदस्य अनीता देवी, शिक्षिका निशा, प्रियंका कुमारी, पूनम रानी, शिक्षक विजय कुमार ठाकुर और लैब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने कहा कि अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद से बच्चों की शिक्षा में सुधार होगा और उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

कांग्रेस को मजबूत करने की रणनीति पर काम करेगी पार्टी : के. राजू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सुझाव लेने, उनकी समस्याओं को समझने और पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति तय करने के उद्देश्य से कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू पलामू प्रमंडलीय मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी अगले चार वर्षों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूती देना और पब्लिक इश्यूज पर काम करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का मकसद सिर्फ चुनाव लड़ना नहीं है, बल्कि जनता के मुद्दों और गुड गवर्नेंस पर फोकस करना है।

एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए वर्किंग ग्रुप : के. राजू ने बताया कि कांग्रेस पार्टी एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए एक वर्किंग ग्रुप का गठन करेगी, जो प्रोफेशनल तरीके से उनकी समस्याओं को समझने और समाधान के लिए सरकार को रिपोर्ट देने का काम करेगा।

अनुसूचित जाति के लिए सलाहकार समिति : उन्होंने कहा कि झारखंड में अनुसूचित जाति सलाहकार समिति का गठन किया गया है, जो कि अनुसूचित जनजाति सलाहकार समिति की तरह ही एक संवैधानिक अंग होगा। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे देश में केवल झारखंड में ही यह समिति बनाई गई है, जो एक ऐतिहासिक पहल है।

कांग्रेस को एकजुट करने पर जोर : के. राजू ने कहा कि उनकी प्राथमिकता कांग्रेस संगठन को एकजुट करना और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने कार्यकताओं की समस्याओं को सुनने और उनके सुझावों को समझने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर सशक्त करने के लिए कार्यकताओं से लगातार संवाद किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं की बैठक को भी संबोधित किया, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

महापौर ने किया निरीक्षण, कहा- माताओं, बहनों, बच्चों और बुजुर्गों को मिलेगा खूबसूरत तोहफा

चैनपुर-शाहपुर को जल्द मिलेगा शानदार सूर्य मंदिर पार्क : अरुणा शंकर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैनपुर-शाहपुर क्षेत्र के लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने नव निर्माण हो रहे सूर्य मंदिर पार्क का निरीक्षण किया और इसे माताओं, बहनों, बुजुर्गों एवं बच्चों के लिए शानदार तोहफा बताया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में की गई योजनाओं को अब एक-एक कर पूरा होते देखना खुशी की बात है।

चार एकड़ में फैला पार्क, आधुनिक सुविधाओं से लैस

महापौर ने बताया कि यह पार्क लगभग चार एकड़ में फैला हुआ है, जिसे बाउंड्री वॉल से सुरक्षित किया गया है और तालाब का गहरीकरण कर सुंदरता बढ़ाई जा रही है। पार्क को आकर्षक बनाने के लिए कोलकाता से मंगवाए गए उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकन कार्पेट ग्रास लगाए जा रहे हैं।

महापौर ने कहा कि अब चैनपुर-शाहपुर के लोगों को गांधी उद्यान जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे अपने क्षेत्र में ही सुबह-शाम इस खूबसूरत पार्क का आनंद ले सकेंगे।

पार्क में मिलेंगी ये सुविधाएं

1 किलोमीटर लंबा, 8 फीट चौड़ा ट्रैक - टहलने के लिए
आधुनिक लाइटें - पूरे पार्क में उजाला रहेगा
बुजुर्गों के लिए सीमेंटेड बेंच - आराम से बैठने की व्यवस्था
बच्चों के लिए खेल के साधन - मनोरंजन के लिए

शहर के 6 अन्य तालाबों का भी होगा सुंदरीकरण

महापौर अरुणा शंकर ने बताया कि शहर के 6 अन्य तालाबों का भी सुंदरीकरण कार्य तेजी से चल रहा है, जो वहां के स्थानीय लोगों, विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों के लिए समर्पित होंगे। इससे वे अपने नाती-पोतों के साथ सुंदर वातावरण में समय बिता सकेंगे।

निरीक्षण के दौरान ये लोग रहे मौजूद

पूर्व वार्ड पार्षद विजय गुप्ता, चंचला देवी, अनीशा खातून, भोला पांडे, मेयर प्रतिनिधि सुनील गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग। महापौर ने आश्वासन दिया कि नगर निगम क्षेत्र में और भी विकास कार्य जल्द पूरे किए जाएंगे, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

मेदिनीनगर में मशीन का ट्रायल शुरू

जलभराव और नाली जाम की समस्या से मिलेगा छुटकारा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र में जलभराव और नाली जाम की समस्या से निजात पाने के लिए सीवेज सक्शन मशीन का ट्रायल शुरू कर दिया गया है। गुरुवार को इसका पहला ट्रायल बेलवाटिका चौक पर किया गया, जिसमें कुछ ही मिनटों में नाली की सफाई हो गई। इससे स्थानीय लोगों में खुशी देखी गई।

क्या है सीवर सक्शन मशीन?

सीवर सक्शन मशीन, जिसे सीवर क्लीनिंग ट्रक भी कहा जाता है, एक वैक्यूम तकनीक से लैस वाहन है। यह मशीन सीवेज, ड्रेनेज पाइप और नालियों में जमा कीचड़ और कचरे को खींचकर बाहर निकालने का काम करती है।

नगर निगम एक महीने तक इस मशीन का ट्रायल करेगा, फिर इसकी उपयोगिता को देखते हुए इसे स्थाई रूप से सफाई कार्यों में लगाया जाएगा।

भालू के हमले में युवक घायल, गांव में दहशत

◀◀ इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर, वन विभाग ने की सुरक्षा की अपील

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार थाना क्षेत्र के योगियावीर गांव के समीप गुरुवार सुबह जंगली भालू के हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 28 वर्षीय नारायण गुप्ता, पिता रामदेव साह, सुबह शौच के लिए घर से कुछ दूरी पर गया था, तभी अचानक जंगली भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू के हमले में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया और उसका दाहिना हाथ भी फ्रैक्चर हो गया। परिजनों ने घायल युवक को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भवनाथपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सदर अस्पताल, गढ़वा रेफर कर दिया।

वन विभाग की अपील : अकेले बाहर न जाएं

घटना की सूचना पाकर वनरक्षी अनुज सिंह, निशांत कुमार और अनिल गिरी ने अस्पताल जाकर घायल युवक से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने घटनास्थल पर जाकर ग्रामीणों को जागरूक किया और सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि रात में सतर्क रहें और अकेले गांव के बाहर न जाएं। मुआवजा मिलेगा ; वन अधिकारी वन क्षेत्र पदाधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि घायल युवक को सरकारी प्रावधानों के तहत उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। इस घटना के बाद गांव में भय का माहौल है, और लोग वन विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग कर रहे हैं।

एक नजर

कैलान के जंगलों में अवैध पेड़ कटाई, वन विभाग ने जब्त की लकड़ी

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत कैलान पंचायत के जंगलों में अवैध रूप से पेड़ काटे जा रहे थे, जिस पर वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए 18 बोटा लकड़ी जब्त की। वन विभाग के रेंजर प्रमोद कुमार के निर्देश पर गुरुवार को टीम ने नावानगर-टेड़की महुआं क्षेत्र में छापेमारी कर लकड़ी जब्त की। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से पेड़ काटने वालों को चिन्हित कर उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि लकड़ी माफिया जंगलों से बड़े पैमाने पर पेड़ काटकर अवैध व्यापार कर रहे हैं। खबर प्रकाशित होने के बाद वन विभाग हरकत में आया और छापेमारी की। छापेमारी टीम में वनरक्षी अनूप सिंह, कुंदन कुमार, विकास कुमार और अनिल कुमार गिरी शामिल थे।

जेवर दुकान में चोरी, पुलिस जांच में जुटी

रमना। मुख्य सड़क ठल्ठ-75 पर सब्जी बाजार के पास स्थित एक जेवर और बर्तन दुकान में बुधवार रात अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी कर ली। गुरुवार सुबह पड़ोसी दुकानदारों ने देखा कि दुकान का शटर टूटा हुआ है और इसकी सूचना दुकानदार को दी गई। दुकानदार अपने परिवार की शादी समारोह में शामिल होने गए थे, इसी दौरान चोरी की घटना हुई। सूचना पाकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह और थाना प्रभारी आकाश कुमार मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की। पुलिस ने फिंगरप्रिंट लिए और घटनास्थल से करीब 2-3 किलोमीटर दूर एक खेत में दुकान की रसीदें बरामद कीं। पिछले वर्ष भी इसी दुकान में चोरी हुई थी। थाना प्रभारी ने कहा कि आवेदन मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी और चोरों को बख्शा नहीं जाएगा।

पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक में सतबहिनी झरना तीर्थ का नाम तक नहीं आया

कांडी। उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक में जिले के कई पर्यटक स्थलों को अपग्रेड करने और नए स्थलों को शामिल करने का प्रस्ताव पारित किया गया। लेकिन, राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध सतबहिनी झरना तीर्थ का जिक्र तक नहीं किया गया, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। सरकोनी पंचायत के मुखिया सुबोध कुमार वर्मा ने इस उपेक्षा पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सतबहिनी झरना तीर्थ का विकास जनता के सहयोग से हुआ है और यहां करोड़ों की लागत से संरचनात्मक कार्य किए गए हैं। उन्होंने उपायुक्त को इस स्थल को ₹एₚ श्रेणी के पर्यटन स्थल में शामिल करने का आग्रह किया। मुखिया वर्मा ने बताया कि इस तीर्थ स्थल पर छठ पर्व, माघ पूर्णिमा महायज्ञ, तथा अन्य धार्मिक आयोजनों में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। बावजूद इसके, इसे जिला पर्यटन योजना में अनदेखा किया गया।

विद्यालय में खेल प्रतियोगिता का आयोजन, बच्चों ने दिखाया उत्साह

मझिआंव। झारखंड परियोजना निदेशक के निर्देश पर उत्क्रमित उच्च विद्यालय, मोरबे में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत मुखिया निर्मला देवी मौजूद थीं। कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों ने बोरा रेस, बिस्कुट रेस, मेंढक रेस, कुर्सी रेस जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विजेताओं को पंचायत मुखिया निर्मला देवी द्वारा उपहार व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुखिया निर्मला देवी ने कहा कि सरकार द्वारा यह बहुत अच्छी पहल है। इससे छोटे बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेल के प्रति भी रुचि लेंगे, जिससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास होगा। इस अवसर पर विद्यालय प्रभारी, शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार मौर्य और विद्यालय के अन्य शिक्षकों के सहयोग से खेल महोत्सव का सफल आयोजन किया गया।

विद्यालयों में खेल महोत्सव का आयोजन, बच्चों ने दिखाया उत्साह

कांडी। झारखंड परियोजना निदेशक के निर्देश पर प्रखंड के सभी विद्यालयों में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों ने भाग लिया। छोटे बच्चों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेल महोत्सव में तीन पैर की दौड़, रस्सी कूद, चम्मच रेस, बैलून रेस, बोरा रेस, बिस्किट रेस, मेंढक रेस और 30 मीटर दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन से बच्चों में काफी उत्साह देखा गया।

न्यूज बॉक्स

कृषि विभाग द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन, आधुनिक तकनीकों पर दी गई जानकारी

कांडी। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण गढ़वा के आदेश पर मझिगावां पंचायत भवन में मंगलवार को प्रक्षेत्र दिवस किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ओमप्रकाश गुप्ता ने किसानों को संबोधित करते हुए फसल उत्पादन में वृद्धि के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी पैदावार बढ़ा सकते हैं। गोष्ठी में किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन और कृषि उत्पादक संगठन के माध्यम से किसानों को अधिक लाभ दिलाने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि योजना और पीएम कुसुम योजना की जानकारी दी गई, जिससे किसानों को कृषि कार्यों में आर्थिक सहायता मिल सके। इस मौके पर पंचायत मुखिया रीता देवी, किसान मित्र सुधांशु चौबे, मुखियापति शंभूनाथ शाह, किसान मोती चौबे, राम ध्यान राम और गंगेश्वर प्रसाद गुप्ता सहित कई किसान उपस्थित थे।

सरकारी विद्यालयों में खेल महोत्सव का आयोजन

केतार। प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में गुरुवार को खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के बीच विभिन्न रोचक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
खेलों में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा : आयोजित खेलों में तीन पैर रेस, रस्सी कूद, गोली चम्मच रेस, बैलून रेस, बोरा रेस, बिस्किट रेस, मेंढक रेस और 30 मीटर दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं शामिल थीं। इन खेलों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
विजेताओं को किया गया सम्मानित : प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बीपीएम रवि कुमार वैद् ने कहा कि यह आयोजन कक्षा 1 से 5 के बच्चों के सर्वांगीण विकास और खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।
कार्यक्रम में शिक्षकों की भागीदारी : इस खेल महोत्सव के दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रिंस कुमार, शिक्षिका सरिता देवी, शिक्षक विजय कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और खेलकूद के महत्व पर प्रकाश डाला।

भगवान भास्कर की प्राण प्रतिष्ठा एवं नवकुंडीय महायज्ञ विधिवत संपन्न

कांडी। कांडी प्रखंड के पोखरा स्थित निमार्णाधीन सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के साथ गुरुवार को नवकुंडीय महायज्ञ की पूणार्हुति संपन्न हुई। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व भगवान भास्कर की प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया गया। बुधवार की शाम सुसज्जित रथ पर रखी गई प्रतिमा के साथ सैकड़ों श्रद्धालु नाचते-गाते और जयकारा लगाते हुए नगर भ्रमण में शामिल हुए।यह महायज्ञ 28 फरवरी को विशाल कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ था। इस दौरान 1 मार्च को जलाधिवास, 2 मार्च को अन्नाधिवास व फलाधिवास, 3 मार्च को मिष्ठानाधिवास, 4 मार्च को पुष्पाधिवास और घृताधिवास, 5 मार्च को नगर भ्रमण और 6 मार्च को विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया संपन्न हुई। इस महायज्ञ में हजारों श्रद्धालुओं ने आर्थिक व शारीरिक सहयोग दिया। साथ ही, अरुण प्रसाद (सेमौरा गांव), गरीब प्रसाद (कांडी बाजार), अल्फा कंप्यूटर एंड वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर और सुखाड़ी साह (डुमरसोता गांव) द्वारा महाभंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया।समिति की भूमिकाः इस आयोजन में सूर्य मंदिर निर्माण सह छठ पूजा समिति की अहम भूमिका रही। इसमें अध्यक्ष कृष्ण बारी, उपाध्यक्ष रविरंजन, सचिव पंकज कुमार, उप सचिव अनूप राम, कोषाध्यक्ष गोरख प्रसाद, उप कोषाध्यक्ष जेपी सोनी, संरक्षक बाबूलाल प्रसाद, उदय कुमार, विनोद मेहता, सुरेंद्र प्रजापति, विमलेश राम, शशि कुमार, संजय प्रसाद और भोला प्रसाद सहित सैकड़ों लोगों का योगदान रहा।

डिजनी इलेवन ने बंशीधर फाइटर को हराया

नवीन मेल संवाददाता

केतार। मां चतुर्भुर्जी प्रीमियर लीग सीजन-1 नाईट क्रिकेट टूनामेंट के अंतर्गत बुधवार को डिजनी इलेवन नगर उंटारी और बंशीधर फाइटर के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया।
बंशीधर फाइटर की धीमी बल्लेबाजी : पहले बल्लेबाजी करते हुए बंशीधर फाइटर ने निर्धारित 10 ओवरों में 66 रन बनाए। टीम के बल्लेबाजों ने संघर्ष किया, लेकिन विपक्षी गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी से उन्हें खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।
विशू की विस्फोटक पारी से आसान जीत : लक्ष्य का पीछा करने उतरी डिजनी इलेवन नगर उंटारी ने शानदार शुरूआत की। विशू की आतिशी बल्लेबाजी के बदौलत टीम ने 7.4 ओवर में 6 विकेट खोकर 67 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। **विशू को 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब :** बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विशू को 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार' दिया गया। आयोजनकर्ता पंकज सिंह ने उन्हें ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पंकज सिंह ने कहा कि इस क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन क्षेत्रीय खिलाड़ियों को अवसर देने के उद्देश्य से किया गया है। टूर्नामेंट में स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच मिल रहा है, जिससे क्षेत्र में खेल को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष बिट्टू सिंह, दिलीप जायसवाल, गौतम पाल, हेमंत मेहता, सोनू सिंह, ऐनुल परवेज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जलमीनार खराब, ग्रामीणों को पानी की किल्लत

▶ दो वर्षों से बंद पड़ा जलमीनार, प्रशासन से मरम्मत की मांग

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। प्रखंड के करवापहाड़ गांव में स्थित तीन मुहान के पास जलमीनार पिछले दो वर्षों से खराब पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
जलमीनार बनते ही हुआ खराब : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा निर्मित यह जलमीनार 'हर घर नल कनेक्शन' योजना के तहत करीब 100 घरों को पानी आपूर्ति करने के लिए बनाया गया था। लेकिन ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण के महज एक महीने बाद ही यह बंद हो गया।
घटिया निर्माण का आरोप : ग्रामीणों का कहना है कि संवेदक ने सिर्फ ऊपरी रंग-रोगन कर काम पूरा दिखाया और घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर पैसे की निकासी कर ली। सोलर स्टार्टर मोटर खराब होने के कारण जलमीनार से पानी नहीं चढ़ पा रहा है। ग्रामीणों के दबाव के बाद मरम्मत का प्रयास किया गया, लेकिन वह नाकाम साबित हुआ। स्थानीय लोगों ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। जलमीनार मरम्मत के अभाव में सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गया है।

गर्मी में पानी की और भी ज्यादा किल्लत

पंचायत समिति सदस्य कुर्बान अली ने बताया कि ग्रामीणों को एक किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ठेकेदार और प्रशासन से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। गर्मी के मौसम में पेयजल संकट और गंभीर होता जा रहा है, जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी धुरकी से हस्तक्षेप करने और जल्द से जल्द जलमीनार को चालू करने की मांग की है। अगर जल्द सुधार कार्य नहीं हुआ, तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

केहुनियाँ नाला योजना: 14 वर्षों से अधूरी, विधायक ने सदन में उठाई आवाज

◀◀ वन विभाग की अनापत्ति न मिलने से रुका विकास, सरकार ने दिए कार्रवाई के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। विधायक अनंत प्रताप देव ने षष्टम सत्र के छठे दिन प्रखंड क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित केहुनियाँ नाला योजना की समस्या को प्रमुखता से सदन में उठाया। उन्होंने तारांकित प्रश्न के दौरान जानकारी दी कि योजना का 80% निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने के कारण 14 वर्षों से यह योजना लंबित पड़ी है।
सिंचाई सुविधा से वंचित हजारों एकड़ भूमि : विधायक ने सरकार को बताया कि केहुनियाँ नाला के पश्चिमी भाग का डायवर्जन कार्य, दो स्थानों पर नहर की खुदाई, चार पुलों का निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य अब तक अधूरे पड़े हैं। इस परियोजना के अधूरे रहने के कारण प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों की हजारों एकड़ कृषि भूमि अब भी सिंचाई सुविधा से वंचित है।
सरकार ने दिए कार्रवाई के निर्देश
विधायक के सवाल के बाद सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधन विभाग के अभियंता प्रमुख को कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए।
क्षेत्रवासियों ने जताया आभार
गुरुवार को सदन में इस विषय को उठाए जाने के बाद प्रखंड क्षेत्र के लोगों ने विधायक अनंत प्रताप देव के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह योजना उनके लिए अत्यंत आवश्यक है, लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण अब तक अधूरी पड़ी है।
15 वर्षों का इंतजार, फिर भी अधूरी योजना
ग्रामीणों ने बताया कि केहुनियाँ नाला का निर्माण कार्य शुरू हुए लगभग 15 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। उन्होंने उम्मीद जताई कि नव-निर्वाचित विधायक के प्रयास से यदि यह योजना पूरी होती है और खेतों तक पानी पहुंचता है, तो वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

खेती के लिए डीजल पंप और डैम पर निर्भर किसान

स्थानीय किसानों ने याद किया कि जब केहुनियाँ नाला योजना की आधारशिला रखी गई थी, तब उन्होंने उज्जवल भविष्य की उम्मीदें संजोई थीं। उन्हें विश्वास था कि अब मजदूरी के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा। लेकिन 15 वर्षों के इंतजार के बाद भी खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाया, जिससे किसान अभी भी डीजल पंप और पनघटवा डैम के पानी पर निर्भर हैं। क्षेत्रवासियों को अब उम्मीद है कि विधायक की पहल से केहुनियाँ नाला योजना जल्द पूरी होगी और उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा।

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में नामांकन शुरू

श्री बंशीधर नगर। बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, श्री बंशीधर नगर में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। स्कूल के सचिव वीरेंद्र सिंह ने सिरियाटोंगर मोड़ पर नवनिर्मित स्कूल भवन में विधिवत पूजा-अर्चना कर नामांकन प्रक्रिया का शुभारंभ किया। आचार्य श्रीकांत मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न कराई। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस वर्ष एलकेजी से लेकर सातवीं कक्षा तक नामांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्कूल बदलते समय और शैक्षिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पूर्णतः अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करेगा। जल्द ही पठन-पाठन कार्य शुरू किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा नेता शारदा महेश प्रताप देव, विजय सिंह, शैलेश चौबे, लक्ष्मण राम, ओमप्रकाश गुप्ता, संजय सिंह, आशीष भारद्वाज, पंकज प्रताप देव, मनीष कुमार सिंह, सन्नी सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

तेज रफ्तार से मोटरसाइकिल ने मारी टक्कर, दो गंभीर रूप से घायल

चिनिया। प्रखंड मुख्यालय स्थित मिलनी दामर के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने एक साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान छत्तीसगढ़ निवासी दीपक सिंह (22 वर्ष) और कर्मन सिंह (25 वर्ष) के रूप में हुई है। साइकिल सवार भी जख्मी हुए, जिनका स्थानीय क्लीनिक में इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने घायलों को चिनिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उन्हें गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार और लापरवाही थी। दुर्घटना के समय मोटरसाइकिल चालक नशे में था।

आस्था

रमजानः आत्मसंयम, इबादत और इंसानियत का पैगाम

रोजा केवल भूख-प्यास नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि व परोपकार का माध्यम : ताहीर अंसारी

नवीन मेल संवाददाता

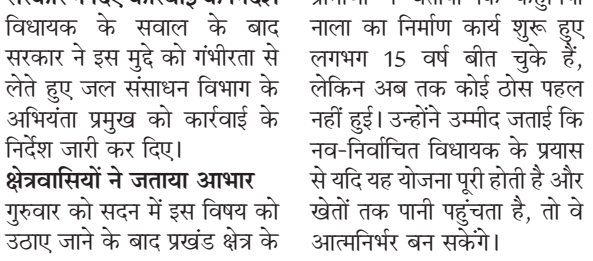

श्री बंशीधर नगर। इस्लाम धर्म में सबसे पवित्र माने जाने वाले रमजान के महीने को अल्लाह ताला का महीना कहा जाता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) केंद्रीय समिति के सदस्य ताहीर अंसारी ने रमजान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महीना आत्मसंयम, इबादत और जरूरतमंदों की सहायता का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि रमजान के दौरान मुसलमानों को पूरे 30 दिनों तक रोजा रखना होता है, जो ईद का चांद दिखने तक जारी रहता है। रोजा सभी मुस्लिम पुरुषों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनिवार्य (वाजिब) होता है, केवल छोटे बच्चों और बीमार व्यक्तियों को इससे छूट दी गई है। अंसारी ने बताया कि रोजा का मतलब केवल भूखा-प्यासा रहना नहीं है, बल्कि यह आत्मसंयम और आध्यात्मिक शुद्धिकरण का माध्यम भी है। रोजा रखने वाले को अपने पूरे शरीर को भी बुराई और गुनाहों से बचाना चाहिए। सही मायने में वही रोजा अल्लाह की नजर में स्वीकार्य होता है, जो पूर्ण संयम और नेक नीयत के साथ रखा जाता है। उन्होंने आगे कहा कि रमजान के महीने में इबादत और प्रार्थना का विशेष महत्व होता है। पांचों वक्त की नमाज के साथ-साथ तरावीह की नमाज भी इस महीने में अत्यधिक पुण्यकारी मानी जाती है। यह महीना आत्मसंयम और अल्लाह की इबादत में लीन रहने का अवसर प्रदान करता है। अंसारी ने कहा कि रमजान केवल इबादत का महीना नहीं है, बल्कि यह प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश भी देता है। इस दौरान मुसलमान हर तरह की बुरी आदतों से बचने की कोशिश करते हैं और समाज में जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आते हैं। उन्होंने कहा कि रमजान में रोजा रखना एक आध्यात्मिक सफर की तरह होता है, जहां इंसान खुद को अल्लाह की राह में समर्पित करता है। यह महीना केवल मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए प्रेम, सहिष्णुता और परोपकार की सीख लेकर आता है।

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला– लातेहार

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, लातेहार अन्तर्गत नए/पुराने/प्लॉट/व्यापारी वर्ग /गैर व्यापारी वर्ग जिन्होने अभी तक अपने व्यवसाय का Trade Licence नही बनवाया है या नवीकरण नही कराया है एवं वैसे मकान मालिक जिन्होने अपने आवासीय /गैर आवासीय भवनों का Holding Tax अबतक जमा नही किया है या गलत तरीके से Assessment कराया है या कई वर्षो से Holding Tax की बकाया राशि अबतक जमा नही किया है। वैसे सभी होल्डिंगधारी एवं व्यापारी वर्ग को निदेश दिया जाता है कि आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर गलत तरीके से किये गये Assessment को Re-Assessment करा लें एवं Trade Licence/Holding Tax का बकाया नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में स्वतः जमा करें, अन्यथा जॉचोपरान्त दोषी पाये जाने पर नियमानुसार अर्थ दण्ड शुल्क की वसूली नगर पंचायत, लातेहार द्वारा की जायेगी, जिसके लिए नए/पुराने/प्लॉट/व्यापारी वर्ग /गैर व्यापारी वर्ग/आवासीय एवं गैर आवासीय मकान मालिक स्वंय जिम्मेवार या दोषी होगें।

साथ ही नगर पंचायत लातेहार के सभी जलसंयोजन के उपभौक्ताओं को सुचित किया जाता है कि अपने–अपने जलसंयोजन का बकाया जलकर (Water Tax) 15 दिनों के अन्दर M/S SPARROW SOFTECH PVT LTD से या कार्यालय नगर पंचायत, लातेहार के जन सूविधा केन्द्र से सम्पर्क कर अपना बकाया जलकर का ससमय भुगतान करना सूनिश्चित करें। यदि आपके द्वारा स–समय जलकर का भुगतान नही किया जाता है तो आपके जलसंयोजन को काटते हुए आपके विरूद्व नियमानुसार आवश्यक कारवाई की जायेगी।

अतः सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर M/S SPARROW SOFTECH PVT LTD से या कार्यालय नगर पंचायत, लातेहार के जन सूविधा केन्द्र से सम्पर्क कर अपना Trade Licence/Holding Tax/Water Tax का स–समय भुगतान करना सूनिश्चित करें। उक्त संदर्भ में किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर HelpLine Number **नगर प्रबंधक– 8757678835 एवं टीम लिडर– 9905900425** से सम्पर्क किया जा सकता है।

PR 347954 (Urban Development) 24-25 (D)

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

अभिहित अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी पलामू

विज्ञापन

पत्रांक........... /खा0सु0 दिनांक..................... /

एतद् द्वारा पलामू जिला अन्तर्गत सभी खाद्य कारोबारीयों को सूचित किया जाता है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत खाद्य कारोबार शूरू करने के पहले FSSAI FOOD License And Registeration सक्षम प्राधिकार से प्राप्त किया जाना वैद्यानिक अनिवार्य है। बिना वैद्य अनुज्ञप्ति/पंजीयन धारी खाद्य कारोबारकर्ता के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा –63 के अन्तर्गत 10 लाख रूपये तक के जुर्माना का प्रावधान है।। इस संदर्भ में पलामू जिले के सभी खाद्य कारोबारियों के लिए पलामू जिले में FSSAI FOOD License /registrastion कैम्प का आयोजन अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निर्धारण किया गया है, जिसका निम्न प्रकार है–

आयोजन स्थल का नाम	दिनांक	आवेदन का प्रकार	खाद्य कारोबारियों का प्रकार	शुल्क	समय
खाद्य सुरक्षा कार्यालय पलामू	08.3.2025 (षनिवार)	FSSAL FOOD License And Registeration	1. 12 लाख से अधिक सालाना विक्रय वाले दुकानदारों के लिए FOOD License. 2. 12 लाख से कम सालाना विक्रय वाले दुकानदारों के लिए FOOD Registeration	2000–3000/– रूपया सालाना। 100/-रूपया सालाना।	10.00 बजे पूर्वा0 से 04.00 बजे अप्रा0 तक
सा0 स्वा0 केन्द्र, चैनपुर, पलामू।	10.03.2025 (सोमवार)				
अनुमण्डलीय अस्पताल छत्तरपूर (पलामू)	17.03.2025 (सोमवार)				
अनुमण्डलीय अस्पताल हुसैनाबाद (पलामू)	20.03.2025 (गुरूवार)				

लाइसेंस हेतु आवश्यक दस्तावेज विवरणी

1. आवेदन/प्रोपराईटर की सम्पूर्ण विवरणी (नाम, पता, मोबाईल नं0, ईमेल आईडी आदि)।
2. आवेदन/प्रोपराईटर का पहचान–पत्र (आधार कार्ड/ वोटर कार्ड/ पैन कार्ड)।
3. ब्यवसाय स्थल के स्वामित्व का प्रमाण–प= (सेल डील/अद्यतन सेल डील/बिजली बिल/राजस्व रसीद आदि)।
4. प्रोपराईटरसीप से संबंधित स्वघोशणा पत्र/पार्टनसीप डील।
5. **मैनुफैकचरीग युनिट हेतु अतिरिक्त दस्तावेजः–**
 क) मैनुफैकचरीग युनिट का फोटो प्रोसेसिग एरिया सहित। ख) मैनुफैकचरीग युनिट का ले आउट/ब्लु प्रिंट।
 ग) मैनुफैकचरीग उत्पादन की सूचि, मशीन उपकरण की सूचि। घ) रिकॉल प्लान।
6. होटल/कैटरर/रेस्टूरेन्ट/ मैनुफैकचरीग के लिए उपयोग में लाये जा रहे पेय जल की शुद्धता रिर्पोट।
7. प्रतिष्ठिानों से संबंधित सभी कागजात में प्रतिष्ठिान का मोहर एवं प्रतिष्ठिान के संचालन का हस्ताक्षर होना चाहिए।

रजिस्ट्रेशन हेतु आवश्यक दस्तावेज विवरणी

1. आवेदन/प्रोपराईटर का पासपोर्ट साइज फोटो। 2. आवेदक/ प्रोपराईटर का पहचान–पत्र।
3. प्रतिष्ठानों का पता हेतु कोई भी कागजात(सेल डील, बिजली बिल राजस्व रसीद आदि)।

अतः पलामू जिला के सभी खाद्य कारोबारी–फुटकर, विक्रेता, वितरक, भण्डारक, उत्पादक, परिवाहक, होटल, रेस्टूरेंट, होटल, कैंटरर, मछली दुकान, अण्डा दुकान, फुड सप्लिमेंट बेचने वाले दुकान, सरकारी एवं अर्ध–सरकारी कार्यालय परिसर में संचालित कैन्टीन इत्यादि के संचालक/मालिक/प्रोपराईटर/पार्टनर आदि को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त तिथि को आयोजित कैम्प में सभी कागजातों के साथ उपस्थित होकर लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन के पूजीकरण हेतु आवेदन समर्पित कर सकते है।

PR.NO.348002 District (24-25):D

अभिहित अधिकारी–सह–
अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित योजनाओं के लाभ पहुंचाने पर जोर

● विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति ई-विद्यावाहिनी से सुनिश्चित होगी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने विद्यालय स्तर पर चलाई जा रही योजनाओं जैसे पोशाक, छात्रवृत्ति, मध्यान्ह भोजन आदि का लाभ छात्रों को समय पर देने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि ई-विद्या वाहिनी में शिक्षकों की उपस्थिति जितनी होगी, उतनी ही सैलरी मिलेगी। सभी हाईस्कूल और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में 'फॉर्म भरो अभियान' चलाने का आदेश दिया गया, ताकि बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं (इंजीनियरिंग, मेडिकल, जेईई) के प्रति जागरूक किया जा सके।

उपायुक्त ने सभी बीईओ और बीपीओ को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने, छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था पर ध्यान देने, तथा मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति एवं राशन का लाभ सभी योग्य बच्चों को समय पर मिले, यह सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में समग्र शिक्षा, कस्तूरबा गांधी विद्यालय, डिजिटल शिक्षा, पीएम पोषण योजना, छात्र-छात्राओं के शत-प्रतिशत नामांकन सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम साहू समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला समाज कल्याण कार्यालय व बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक आयोजित

▸▸ योजनाओं में प्रगति लाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण कार्यालय एवं बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति, पोषण ट्रैकर ऐप, पोषाहार वितरण, विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना, मिशन वात्सल्य योजना समेत अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी सीडीपीओ को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित हों और उनकी जियो-टैग तस्वीरें भेजी जाएं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत तय लक्ष्य तक लाभ पहुंचाने, कुपोषित व एनीमिया ग्रसित महिलाओं और बच्चों को एमटीसी भेजने, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सुकन्या योजना और किशोरी समृद्धि योजना के तहत अधिकतम लाभुकों को जोड़ने का निर्देश दिया गया। मिशन वात्सल्य योजना के तहत 246 बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा करते हुए अनाथ बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने की बात कही गई। उपायुक्त ने बाल संरक्षण से जुड़े मामलों की निगरानी करने और विशेष परिस्थितियों में रह रहे किशोर-किशोरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

बाइक दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल

गिद्धौर (चतरा)। थाना क्षेत्र के पिंडारकोण गांव में बुधवार की देर रात एक बाइक दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घायल युवक की पहचान पिंडारकोण गांव निवासी राजदेव भुइयां के पुत्र मनोज कुमार (25) के रूप में हुई है। बताया गया कि युवक गांव से अपने घर लौट रहा था, तभी घर के पास गड्ढे में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज किया। स्थिति गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए अन्यत्र रेफर करने की संभावना जताई जा रही है।

एनटीपीसी में सीआईएसएफ ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

टंडवा (चतरा)। सीआईएसएफ ने अपने स्थापना सप्ताह समारोह के अवसर पर गुरुवार को नॉर्थ करनपुरा थर्मल पावर (एनटीपीसी) टंडवा इकाई स्थित संजीवनी अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस दौरान शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज, हजारीबाग की टीम ने रक्त संग्रहण किया। कुल 56 स्वयंसेवियों ने रक्तदान किया। सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट पी. एस. श्रीजीत ने बताया कि ऐसे प्रयासों से जरूरतमंदों को जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध होगा और समाज के प्रति नैतिक सहयोग की भावना भी विकसित होगी। शिविर में मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने जरूरतमंदों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। एनटीपीसी प्रबंधन ने रक्तदाताओं और सीआईएसएफ के इस नेक कार्य की सराहना की।

मृतक पारा शिक्षक के परिवार को संघ ने दी आर्थिक सहायता

महुआडांड़ (लातेहार)। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय डोंगगाड़ीह पाठ के दिवंगत पारा शिक्षक मुनेश्वर राम नगेसिया के परिवार को पारा शिक्षक संघ की ओर से 9,470 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। संघ के पदाधिकारियों ने 11 महीने से लंबित मानदेय को शीघ्र चालू करने और उसे परिवार के खाते में भेजने की मांग की, ताकि उनके आश्रितों का भरण-पोषण हो सके। इसके साथ ही, संघ ने मांग की कि मुनेश्वर राम नगेसिया के स्थान पर उनके परिवार के किसी योग्य सदस्य को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी जाए, जिससे बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष सुभाष कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष सुखन नगेसिया, विजय कुजूर, फिरतु बड़ाइक, नरेश यादव, सरस्वती कुमारी, सुखराम नगेसिया, मुनेश्वर नगेसिया, रूपनारायण राम रवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

समाजसेवी स्व. प्रभाकर मिश्रा की प्रतिमा का अनावरण

चंदवा। शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी स्व. प्रभाकर मिश्रा की प्रतिमा का अनावरण गुरुवार को देवनद तट के समीप स्थित इको पार्क परिसर में किया गया। उनके पुत्र ने पूरे विधि-विधान के साथ प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर परिजनों और करीबियों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि प्रभाकर मिश्रा सरल स्वभाव और सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्ति थे। समाज में उनकी मजबूत पकड़ थी, और वे सदैव जनसेवा के लिए तत्पर रहते थे। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। इस मौके पर प्रखंड उप प्रमुख अश्विनी कुमार मिश्रा, रामकृष्ण मिश्र, विभाकर मिश्रा, राजकुमार साहू, बिनोद कुमार गुड्डू, सुधाकर मिश्रा, गुड्डा कुमार, संजीव आजाद, अजय वैध, मंटू केशरी समेत कई लोग उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने की विकास कार्यों की समीक्षा योजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश

● गुणवत्ता से समझौता न करने का दिया आदेश

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग और भवन प्रमंडल द्वारा संचालित योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने लंबित परियोजनाओं की जानकारी ली और संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि जनोपयोगी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि योजनाओं को तय समय सीमा में पूरा किया जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

इस बैठक में जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पथ निर्माण और भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रभारी के राजू का चंदवा में जोरदार स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। झारखंड कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू पलामू के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। गुरुवार को रांची से पलामू जाते समय चंदवा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

कार्यकर्ताओं ने बुके और माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय और पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी भी मौजूद रहे। महागठबंधन के अन्य कई नेता भी इस मौके पर उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए के. राजू ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता के कारण ही राज्य में सरकार बनी है। उन्होंने सभी से गांव से लेकर राज्य स्तर तक पार्टी को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को सदस्यता दिलाने की अपील की।

कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष असगर खान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामयश पाठक, मुकेश कुमार सिंह, यंग ब्रिगेड के प्रदेश महासचिव बाबर खान, समाजसेवी रवि कुमार डे, सत्येंद्र प्रसाद यादव, संजय कुमार दुबे, श्रीराम शर्मा, सतन राम, अरुण कुमार भारती, दीपु कुमार सिन्हा, साबिर आलम, सौरभ श्रीवास्तव, अंकित तिवारी, आर. एन. पांडेय, रितिक चौधरी, धनंजय सिंह, मनीष कुमार गुप्ता समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

विद्युत चोरी पर 12 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

गिद्धौर (चतरा)। विद्युत विभाग ने प्रखंड के गांगपुर, इंदिरा और तलैया गांव में बिजली चोरी की रोकथाम के लिए विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व कनीय अभियंता तरुण कुमार ने किया। इस दौरान 12 लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया, जिन पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई और आर्थिक दंड लगाया गया। कनीय अभियंता तरुण कुमार ने बताया कि पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति पर 21,845 रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जिससे कुल 2,62,140 रुपये की वसूली निर्धारित की गई है। पकड़े गए लोगों में गांगपुर के गोविंद कुमार, मनोज साव, पोखराज साव, मनोज यादव, मुकेश साव, संदीप यादव, महानंद यादव, सहदेव कुमार साव, इंदिरा गांव के अमित राणा, तिलैया के वासुदेव यादव, प्रभु यादव और राजू यादव शामिल हैं। छापेमारी अभियान में सहायक विद्युत कर्मी महावीर दांगी, पंकज कुमार वर्मा, विकास कुमार, हुलास तिर्की, मनीष कुमार केसरी, संतोष कुमार और रमेश तिर्की ने सहयोग किया।

महुआडांड़ में राख के मिस्सा पूजा के साथ चालीसा काल का आगाज

▸▸ प्रेम, उपवास और परोपकार से आत्मशुद्धि का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ के बड़े चर्च सहित पूरे प्रखंड के चर्चों में राख के मिस्सा पूजा के साथ चालीसा काल का शुभारंभ किया गया। कैथोलिक धर्मावलंबियों के लिए यह 40 दिवसीय काल आत्मशुद्धि, तपस्या और सेवा का प्रतीक है।

राख से किया जाता है चालीसा काल का आरंभ

चालीसा काल की शुरूआत श्रद्धालुओं के माथे पर राख लगाने से होती है। यह प्रतीकात्मक रूप से इस सत्य को दर्शाता है कि मनुष्य मिट्टी से बना है और एक दिन उसी में मिल जाएगा। यह राख खजूर रविवार की पूजा में इस्तेमाल की गई डालियों से बनाई जाती है।

इस अवसर पर डाल्टेनगंज धर्मप्रांत के बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास ने सुदूर गांव मायापुर और गारू के सुरकुमी चर्च में विशेष मिस्सा अर्पण किया। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि चालीसा काल आत्मनिरीक्षण का समय है, जिसमें अच्छाइयों को अपनाने और बुराइयों को त्यागने का संकल्प लिया जाता है।

प्रार्थना, उपवास और परोपकार के तीन स्तंभ

संत जोसफ चर्च, महुआडांड़ में फादर सुरेश किंडो ने चालीसा काल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रेम, भाईचारे, सहयोग, प्रार्थना और उपवास का जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि चालीसा काल के तीन मुख्य स्तंभ–प्रार्थना, उपवास और परोपकार हैं।

प्रार्थना : प्रभु से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम।

उपवास : आत्मसंयम और आत्मशुद्धि की ओर बढ़ने का मार्ग।

परोपकार : जरूरतमंदों की सेवा और समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने का अवसर।

उन्होंने यह भी कहा कि उपवास केवल भोजन से नहीं, बल्कि गलत विचारों, गलत कर्मों और बुरी आदतों से भी करना चाहिए।

त्याग और बलिदान की प्रेरणा देता है यह पवित्र काल

बिशप ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय हमें प्रभु येसु खीस्त के दुःखभोग, मृत्यु और पुनरुत्थान का स्मरण कराता है। यह हमें सादगी और त्यागपूर्ण जीवन अपनाने तथा जरूरतमंदों की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

श्रद्धालुओं ने राख ग्रहण कर की आध्यात्मिक साधना की शुरूआत

राख के मिस्सा पूजा के साथ इस पवित्र चालीसा काल की शुरूआत हुई। महुआडांड़, गोठगांव, साले, चेतमा, पकरीपाठ सहित विभिन्न चर्चों में मिस्सा पूजा का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में भाग लिया।

चालीसा काल के दौरान विशेष प्रार्थनाएं, उपवास और समाजसेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं ने इस अवधि को आत्मशुद्धि और प्रभु के प्रति समर्पण के रूप में मनाने का संकल्प लिया।

दांगी कुशवाहा समाज का होली मिलन समारोह संपन्न

सूखी होली खेलने पर दिया गया जोर

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय के मुख्य चौक स्थित नारायण हाउस में दांगी कुशवाहा समाज के लोगों ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया। समारोह की अध्यक्षता जिला कोषाध्यक्ष देवनारायण दांगी ने की, जबकि संचालन प्रखंड अध्यक्ष परमेश्वर दांगी ने किया।

समारोह में समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और पुआ-पकवान का आनंद लिया। इस मौके पर सभी ने होली को भाईचारे और सौहार्द्र के साथ मनाने की अपील की। साथ ही, पानी की बचत को ध्यान में रखते हुए सूखी होली खेलने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष महावीर दांगी, मुखिया निर्मला देवी, सत्येंद्र कुमार दांगी, कपिल कुमार, मनोज कुमार कुशवाहा, बंसी दांगी, शिवकुमार दांगी, मुकुटधारी दांगी सहित समाज के अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।

सरहुल पर्व मनाने को लेकर बैठक आयोजित

एक अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा सरहुल

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। गुरुवार को दिवाकर नगर स्थित सरना भवन में पढ़हा राजा प्रभु दयाल उरांव की अध्यक्षता में आदिवासी समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 1 अप्रैल को सरहुल पर्व को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में आदिवासी संयोजक देवकुमार धान, जिला पढ़हा राजा प्रभु दयाल उरांव, प्रदीप गंझू, तेतर उरांव, लालजी उरांव, रामलाल भगत, दिंगाम्बर टाना भगत, मुखिया नरेश उरांव, रीना उरांव, ऐश्वर्य उरांव, शंकर उरांव, बाबूलाल गंझू, कामेश्वर उरांव, विरवल उरांव, कपिल उरांव, उर्मिला उरांव, रामवृक्ष उरांव, दुर्गा उरांव, रूपा उरांव सहित सभी पाहन पुजारी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत हरिहरगंज(पलामू)
Email id:-np.hariharganj@gmail.com

आम सूचना

अति अल्पकालिन दर/ कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्याः– NPH/04/2024-25

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत हरिहरगंज क्षेत्रान्तर्गत ब्लॉक कैम्पस में जमा ठोस अपशिष्ट/पृथक करते हुए निस्तारण हेतू व्यक्ति/एजेंसी/संस्था से दर/ कोटेशन आमंत्रित किये जाते है, इच्छुक व्यक्ति/एजेंसी/संस्था दिनांक– 11.03.2025 को अपराह्न 12:00 बजे से 02:00 बजे तक मोहर बंद लिफाफो में कार्यालय नगर पंचायत हरिहरगंज में अपना दर/कोटेशन प्रस्तुत कर सकते हैं:–

नियम एवं शर्तें:–

1. आवेदन के साथ व्यक्ति/एजेंसी/संस्था के GST/PAN एवं आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. आवेदन के साथ कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत हरिहरगंज के नाम से 5000.00 (पांच हजार रूपये) का डिमाण्ड ड्राफट जमा करना होगा, जो वापस नही होगा।
3. दर प्रति हाईवा वाहन 10 चक्का एवं 12 चक्का का अलग–अलग दर अंकित करना होगा।
4. ठोस अपशिष्ट (कचरा) का निस्तारण हेतू आवश्यक समाग्री (वाहन) व्यक्ति/एजेंसी/संस्था द्वारा स्वयं लगाना अनिवार्य होगा।
5. जिस स्थान पर ठोस अपशिष्ट (पृथक) का निष्तारण की जायेगी उसके आस–पास 500 मीटर दुरी तक स्कुल/हाईवे/घनी अबादी/जंगल/जल संचय नही होनी चाहिए।
6. ठोस अपशिष्ट का निस्तारण करने से पूर्व उसका पृथक (Segregate) करना होगा।
7. निर्धारित दर के अलावे किसी भी प्रकार का अतिरिक्त राशि भुगतान नही की जायेगी।
8. ठोस अपशिष्ट निस्तारण हेतू कानूनी प्रक्रिया पुर्ण रूप से व्यक्ति/एजेंसी/संस्था की होगी।
9. इस कार्य में संलग्न कर्मी को सुरक्षा हेतू आवश्यक उपकरण का प्रयोग करना अनिवार्य होगा। किसी भी प्रकार का दुर्घटना होने पर एजेंसी स्वयं जिम्मेवार होगा।
10. निविदा रद्द करने की शक्ति अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत हरिहरगंज

PR 348005 District(24-25).D

–: कार्यालय :–
प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमण्डल

–: आवश्यक सूचना :–

भारतीय वन अधिनियम 1927 (बिहार संशोधन अधिनियम 1989) की धारा–52 के अंतर्गत अधिहरण वादों की सूचना।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि लातेहार वन प्रमण्डल, लातेहार अन्तर्गत जप्त वाहनों एवं जप्त वन पदार्थ से संबंधित विभिन्न वादों में सुनवाई हेतु निम्नवत तिथि निर्धारित की जाती है :–

क्र0 स0	अधिहरण वाद संख्या	वाद प्रारम्भ की तिथि	सुनवाई की तिथि	अभियुक्त का नाम	वाहन का प्रकार/वाहन संख्या	जप्त वन पदार्थ
01	16/2023	03.05.2023	19.03.2025	अमीर	Motorcycle Reg. No. HR-27N-4276	कोयला लगभग 03 टन
02	21/2023	31.05.2023	19.03.2025	हंसराज प्रसाद, पवन कुमार	Pickup Reg. No. JH-01T-0899	साल चौकठ 12 पीस
03	07/2024	07.05.2024	19.03.2025	शंकर भुईयां	-	साल चौकठ चिरान 26 पीस
04	12/2021	13.04.2021	19.03.2025	मो0 अहमद	Tractor Engine No. 39.1355/SZD01931	पत्थर 20 CFT
05	19/2023	10.05.2023	19.03.2025	रूपेश कुमार, उपेन्द्र कुमार	Pickup Van Reg. No. JH-01P-1314	कोयला लगभग 100 CFT
06	25/2023	02.06.2023	19.03.2025	अरविन्द प्रसाद अनिल कुमार तुरी, मनोज उरांव	Motorcycle Reg. No. JH-03K-5301, JH-19D-5906, JH-19B-2933	कोयला 750 किग्रा
07	06/2024	07.05.2024	19.03.2025	राजदेव उरांव, साधु उरांव	-	साल बल्ली 16 पीस
08	02/2024	22.02.2024	19.03.2025	गुमानी भुईयां, बलराम उरांव, राकेश यादव, मनोज यादव	-	आसन फल्ली 05 पीस
09	35/2022	01.11.2022	09.04.2025	मुकेश कुमार	Truck Reg. No. JH-02AF-1522	कोयला लगभग 25.020 MT
10	09/2024	25.05.2024	26.03.2025	विजय कुमार साहु	Truck Reg. No. JH-02BM-4267	कोयला लगभग 30 टन
11	40/2023	01.12.2023	26.03.2025	केश्वर सिंह, राजेश सिंह	-	सीधा बल्ली 15 पीस
12	24/2023	31.05.2023	09.04.2025	पवन कुमार	Motorcycle Reg. No. JH-01N-6823	गम्हार पटरा 04 पीस
13	10/2024	19.06.2024	09.04.2025	कुन्दन कुमार भुईया, अमलेश कुमार, उपेन्द्र कुमार	-	करम बोटा 02 पीस, आरा 02 पीस, कुल्हाडी 01 पीस
14	02/2023	10.01.2023	26.03.2025	गुलजार अहमद	Truck Reg. No. JH-01BE-8398	साल बोटा 81 पीस
15	41/2023	05.12.2023	09.04.2025	अवधेश यादव, संतोष यादव	-	करम चौकठ 10 पीस, करम बोटा 01 पीस, आरा 01 पीस
16	29/2023	16.06.2023	26.03.2025	सुमन्त कुमार, कमलेश यादव	Mahendra Tractor Reg. No. JH-08D-9761, Eng. No. RYNB00729	साल बल्ली 31 पीस
17	16/2024	29.11.2024	26.03.2025	अक्लदेव सिंह, मिथिलेश यादव, अरविन्द सिंह	Mahendra Tractor Chassis No. MBNABAEXKLRD02248	साल एवं चकुण्डी बल्ली 48 पीस
18	37/2023	30.10.2023	26.03.2025	लक्ष्मण यादव, नारायण भोक्ता	Tractor Reg. No. JH-19A-4416	बालू 80 CFT
19	15/2024	29.11.2024	26.03.2025	महमूद अंसारी, बुधन गंझू	Tempu Reg. No. JH-08B-6914	साल चौकठ 09 पीस
20	13/2024	29.11.2024	26.03.2025	प्रहलाद सिंह	Truck Reg. No. JH-19B-2277	खैर टुकडा 945 पीस
21	17/2024	29.11.2024	26.03.2025	सुनील उरांव, आसिर अंसारी, अप्पु अंसारी	-	सेमल पटरा 55 पीस
22	12/2019	20.06.2019	26.03.2025	महेन्द्र गंझू, जगदीश साव, इन्द्रजीत कु0 सिंह	JCB Reg. No. JH-19A-9961, Tractor Reg. No. JH-13E-4825	पत्थर लगभग 6000 टन
23	06/2020	04.06.2020	09.04.2025	हीरालाल महतो, मुकेश महतो, कृष्ण कु0 यादव, संजीव कु0 सिंह, सुजित कुमार	JCB Eng. No. 804545-731127948, Hywa Eng. No. GHPZ145035	बालू 02 टन
24	07/2020	04.06.2020	09.04.2025	आशीश कु0 उपाध्याय	Truck Reg. No. JH-02V-4089	कोयला लगभग 05 टन
25	11/2018	14.03.2018	16.04.2025	पुरन उरांव, बिनोद राम	Tractor Reg. No. JH-13B-6324, JH-11G-3304	पत्थर लगभग 04 टन
26	32/2023	12.07.2023	16.04.2025	राकेश कु0 सिंह	Tractor Reg. No. JH-19C-3824	केन्दू पत्ता 19 बोरा
27	30/2023	20.06.2023	16.04.2025	संजय सिंह, भोला साव	Tractor Reg. No. JH-13E-1915, JH-08D-0696	पत्थर लगभग 06 टन
28	22/2023	18.05.2023	16.04.2025	कमला गंझू	Tractor Engine No. 331008/SDE02818, Chassis No. MBNAG4ACMTF73025	कोयला लगभग 15 टन

समाचार पत्र के माध्यम से उपर्युक्त अभियुक्तों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित सुनवाई की तिथि को 11:00 बजे पर्वाह्न में प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमण्डल के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगे, अन्यथा यह समझा जायेगा कि आपको इस विषय में कुछ नहीं कहना है तथा एकतरफा सुनवाई करते हुए जप्त वाहन एवं वन पदार्थ को सरकार के पक्ष में अधिहरित कर लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–
वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
लातेहार वन प्रमण्डल

PR 347921 Forest, Environment and Climate Changes(24-25).D

शिव प्रसाद साहू मेमोरियल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मौके पर भव्य सांस्कृतिक संध्या

सिंगर अमित के मधुर सुरों पर झूमे दर्शक

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। स्व शिव प्रसाद साहू मेमोरियल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मौके पर बुधवार की रात बीएस कॉलेज स्टेडियम स्थित मैदान में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बॉलीवुड के मशहूर सिंगर अमित गुप्ता ने अपनी मधुर आवाज और शानदार प्रस्तुति से पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया। जैसे ही उन्होंने अपने सुपरहिट गानों की प्रस्तुति दिया, पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। दर्शक उनके गानों पर झूमते नजर आए। संगीत प्रेमियों के लिए यह एक अविस्मरणीय शाम बन गयी। जहां हजारों लोगों ने संगीत का आनंद उठाया और संगीतमय माहौल में खो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राज्यसभा सांसद सह जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू, एसपी हारिस बिन जमा, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, आईटीडीए निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग,एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरक्केट समेत अन्य अतिथियों ने सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मंच पर मौजूद अतिथियों ने इस भव्य आयोजन की सराहना कर कहा कि लोहरदगा में इस तरह के आयोजन लोगों के लिए न केवल मनोरंजन का माध्यम हैं। बल्कि, जिले की सांस्कृतिक विरासत और खेल को बढ़ावा देने का भी एक उत्कृष्ट प्रयास है। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने लोहरदगा के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि, लोहरदगा मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि है। इस पवित्र भूमि से मुझे पहचान मिली है। मैं हमेशा इसकी सेवा में तत्पर रहूंगा। मेरा सपना हमेशा से रहा है कि यहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले और वे खेल, शिक्षा, कला और संस्कृति में आगे बढ़ें। खेल और संस्कृति का समावेश समाज को मजबूत करता है और यही कारण है कि हम समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। यह सिर्फ एक मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि युवाओं को प्रोत्साहित करने का एक मंच भी है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल खेल को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता को भी मजबूत करना है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं में आत्मविश्वास जगाने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को भी एक नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने लोहरदगा के लोगों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो यहां के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हमेशा लोहरदगा के विकास के लिए समर्पित रहेंगे। स्थानीय युवाओं को आगे लाने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमा ने इस भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि, छोटे जिले में इतना शानदार और व्यवस्थित आयोजन होना अपने आप में एक मिसाल है। धीरज प्रसाद साहू और उनके परिवार द्वारा समय-समय पर भजन, कव्वाली, सांस्कृतिक संध्या और अब क्रिकेट टूर्नामेंट जैसे आयोजनों की परंपरा लोहरदगा के लिए गर्व की बात है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और एकजुट करने का कार्य करते हैं। युवाओं को एक सकारात्मक दिशा देने का जरिया बनते हैं। कार्यक्रम के दौरान जैसे ही अमित गुप्ता ने अपने सुपरहिट गानों की प्रस्तुति दी, दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। हजारों की संख्या में उमड़ी भीड़ ने तालियों और उत्साह के साथ इस संगीतमय संध्या का भरपूर आनंद लिया। दर्शकों ने सिर्फ संगीत का मजा लिया और अपनी खुशी का इजहार भी नाच-गाकर किया। जिससे पूरा स्टेडियम एक उत्सव स्थल में बदल गया। शिव प्रसाद साहू मेमोरियल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 8 मार्च को खेला जाएगा। अवसर पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हरभजन सिंह और सुरेश रैना विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह एक सुनहरा मौका होगा जब वे अपने चहेते खिलाड़ियों को न सिर्फ करीब से देख सकेंगे, बल्कि उनके खेल का भी आनंद उठा सकेंगे। इसके अलावा, दोनों दिग्गज खिलाड़ी एक फैंसी मैच भी खेलेंगे, जिससे इस आयोजन का रोमांच और भी बढ़ जाएगा। यह आयोजन साबित करता है कि लोहरदगा। शिव प्रसाद साहू मेमोरियल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के उपलक्ष्य में आयोजित इस भव्य सांस्कृतिक संध्या ने पूरे जिले को एकजुट किया। लोगों को मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा भी दिया।

न्यूज | बॉक्स

मैना बगीचा में नगर परिषद प्रशासक के नेतृत्व में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

लोहरदगा। नगर परिषद के प्रशासक मुक्ति कीड़ो के नेतृत्व में गुरुवार को नगर के शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत मुख्य रूप से मैना बगीचा क्षेत्र में सड़क के दोनों ओर लगने वाले सब्जी एवं फुटकर विक्रेताओं के दुकानों को हटाया गया। प्रशासक ने इन दुकानदारों को बगल के मैदान में व्यवस्थित बाजार लगाने के लिए प्रेरित किया, जिससे कि भविष्य में सड़क पर अव्यवस्था और जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। मैना बगीचा सड़क जिला मुख्यालय को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है । इस सड़क के दोनों ओर अनधिकृत रूप से सब्जी और फुटकर दुकानें लग जाने के कारण यहां अक्सर जाम की समस्या बनी रहती थी। स्थानीय लोगों और राहगीरों को इस जाम की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नगर परिषद प्रशासन को भी लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद यह कड़ा कदम उठाया गया।नगर परिषद प्रशासक मुक्ति कीड़ो ने स्पष्ट किया कि यह अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने सड़क किनारे दुकान लगाने वाले व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे स्वयं अपनी दुकानों को हटा लें, अन्यथा उनके खिलाफ जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर नगर परिषद के सिटी मैनेजर अनिल उरांव, नगर प्रबंधक, सहायक अभियंता, सभी राजस्व निरीक्षक, सभी वार्ड प्रभारी एवं कार्यालय कर्मी मौजूद थे।

एकल अभियान का औषधि चिकित्सा शिविर का हुआ शुभारंभ

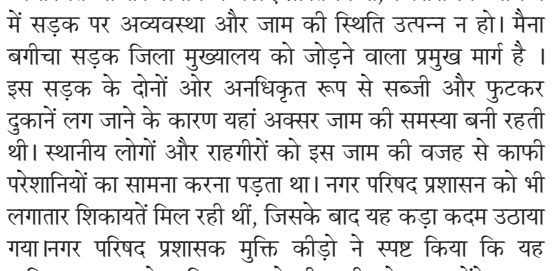

भंडरा। भंडरा प्रखंड के भौरों गांव में पांडेय गणपत राय स्मारक स्थल में एकल अभियान का औषधि चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया। जिसका सहयोगी अखिल भारतीय वन औषधि अभ्यास मंडल संभाग दक्षिण झारखंड के सौजन्य से आप फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में एक कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता लोहरदगा जिला के आप फाउंडेशन के अध्यक्ष सतीश जायसवाल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कनाडा अहमदाबाद से लगभग 50 आयुर्वेदिक डॉक्टर की टीम एवं आप फाउंडेशन के राष्ट्रीय योजना प्रमुख डॉ मुकुल भाटिया के द्वारा लक्ष्मी माता व भारत माता के चित्र के समछ दीप प्रज्ज्वलित कर एवं शहीद गणपत राय को पुष्माला अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर मुकुल भाटिया की योजना एवं डॉक्टर अखिल भारतीय मंडल के अध्यक्ष मीनू भाई प्रज्ञा एवं सचिव अमरेश जी शांति आश्रम के शरद चंद्र आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।

पीएम और अबुवा आवास के लाभुक ससमय आवास को पूरा करें : बीडीओ

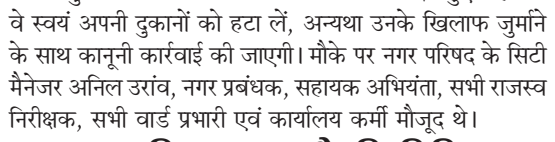

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र का भ्रमण कर बीडीओ द्वारा आवास योजना और बागवानी योजनाओं का निरीक्षण किया गया। प्रखंड क्षेत्र भृमण के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने प्रखंड क्षेत्र के भड़गांव पंचायत अन्तर्गत सरना टोली,बेड़ा टोली और भड़गांव पंचायत कर्मियों के साथ आवास योजना और बागवानी योजनाओं का निरीक्षण करते हुए लाभुकों को अबूआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुक समय सीमा के अंदर आवास का निर्माण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बताया आवास का राशि प्रखंड से किस्त वार राशि सभी के खाता में पहुंच रहा है। वही सम्बंधित पंचायत सचिव को मजदूरों का मजदूरी भुक्तान करने का निर्देश दिया गया। साथ ही पंचायत सचिव और जनसेवक पंचायत का भ्रमण कर लाभुकों को आवास निर्माण करने के लिये प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। साथ आम बागवानी में पौधा खराब या सुख रहा है। उसको रिप्लेस करने के लिये कहा गया। और बागवानी से खर पतवार का साफ सफाई कर पौधों को सिंचाई करने के लिये निर्दश दिया गया है। तथा सभी पंचायत सचिवों को योजना से सम्बंधित अभिलेख को दुरुस्त रखने और पुरानी योजना को बंद कर नया योजना लेने के लिये भी निर्देश दिया गया। मौके पर बीडीओ संग्राम मुर्मु, बीपीआरओ सुजीत उरांव,पंचायत सचिव गुहा उरांव, नागमणी उरांव समेत अन्य प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

भाजपा का अटल विरासत सम्मेलन आयोजित, बोले यदुनाथ पांडेय

अटल जी के जीवन का एक-एक क्षण एक-एक कण राष्ट्र को समर्पित था

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा खेमराज स्मृति धर्मशाला में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर अटल विरासत सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हजारीबाग के पूर्व सांसद यदुनाथ सिंह समेत एक सौ वरिष्ठ कार्यकर्ताओ को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ने कहा कि श्रधेय अटल जी के जीवन का एक -एक क्षण, एक-एक कण राष्ट्र को समर्पित था।उनके विचार में राष्ट्र हमेशा सर्वोपरी रहा। अटल जी एक ऐसे राजनेता थे जो सर्वमान्य थे। उन्होंने 24 दलों को लेकर सहज तरीके से सरकार चलाई। श्री पांडेय ने कहा कि अटल जी का कृतत्व एवम ब्यक्तित्व की जितनी तारीफ की जाय कम है। उन्होंने सनातन धर्म पर बोलते हुए कहा कि सनातन धर्म हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयः एवं वसुदेव कुटुम्बकम की सोच रखने वाला धर्म है। पूर्व सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि अटल जी एक अच्छे राजनेता के साथ अच्छे प्रवक्ता, लेखक एवं संपादक भी थे। जिन्होंने पांचजन्य जैसे पत्रिका का संपादन किया। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण चतुरभुज योजना, ग्रामीण सड़क योजना किसान क्रेडिट कार्ड जनजाति मंत्रालय सर्व शिक्षा, बालिका शिक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण योजनाओ का क्रियान्वन किए। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मनीर उराँव, ओम सिंह, महामंत्री सह कार्यक्रम संयोजक पशुपति नाथ पारस, महामंत्री संजय अग्रवाल, ब्रजबिहारी प्रसाद, श्रीचंद्र प्रजापति, राजकिशोर महतो, लाल नवल किशोर नाथ शाहदेव, चंद्रशेखर प्रसाद, अजातशत्रु, सहित अन्य वरिष्ठ कनिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए।

अवैध बालू लोड एक ट्रैक्टर जब्त

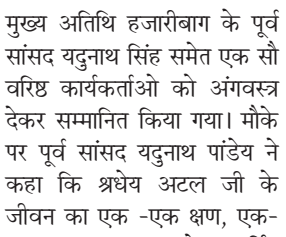

कुडू। कुडू थाना पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के हेंजला पिकेट के समीप से अवैध बालु परिवहन करते हुए एक बिना नंबर के ट्रेक्टर को जब्त किया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि अवैध बालू उठाव कर ले जाने की सूचना मिली थी जिसपर अविलंब कार्रवाई करते हुए अवैध बालु लदे ट्रैक्टर को जब्त कर कुडू थाना लाया गया। और अग्रतर कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी को सूचनार्थ किया गया है।

स्कूटी को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर एक युवक की मौत, दो गंभीर, रेफर

- *शादी समारोह से घर लौटते समय हुआ हादसा*

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। कुडू थाना क्षेत्र के कुडू रांची मुख्य पथ एनएच 75 स्थित ढुलूवा खुटा पुल के सामीप बुधवार की रात करीब 8:30 बजे सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप घायल हो गए। मृतक की पहचान बरवाटोली निवासी रविंदर लोहरा उर्फ पिंटु 25 पिता बना लोहरा और घायलों में बरवा टोली के ही विक्की लोहरा 28 पिता सुलदेव लोहरा एवं एक कि पहचान मृतक के 30 वर्षीय जीजा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक पिंटु कूडू थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरी पंचायत के कड़ाक से किसी शादी समारोह में शामिल होकर होंडा स्कुटी निबंधन संख्या जेएच 01सीजी - 0962 में सवार होकर रात करीब साढ़े आठ बजे अपने घर लौट रहा था। उसके साथ बरवाटोली निवासी विक्की लोहरा और उसका जीजा भी थे। तभी कुडू ढुलूवा खुटा पुल के पास स्कूटी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद तीनों घायल सड़क के किनारे अचेत पड़े हुए थे। जिन्हें पेट्रोलिंग पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कुडू अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने पिंटू को मृत घोषित कर दिया। वहीं दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया। दोनों घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है प्राचीन शिवलिंग स्थल

- *12 सौ फीट पहाड़ के ऊपर गुफा में प्राचीन शिवलिंग दर्शन में भक्तों के बीच समस्या कायम*
- *स्थानीय ग्रामीणों ने उपायुक्त से निदान का किया मांग*

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। धर्मिक स्थल पर मूलभूत सुविधा का अभाव के कारण आज भी भक्तों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।उक्त मामला सुदुर्वर्ती ग्रामीण क्षेत्र चंदवा गढ़गांव में देखने को मिल रहा है।विदित हो कि सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत स्थित चंदवा गढ़गांव के समीप 12 सौ फीट ऊंची पहाड़ के ऊपर गुफा में प्राचीन शिवलिंग स्थापित है। जहां जिले के विभिन्न क्षेत्र तथा अन्य जिला से भी शिव भक्त दर्शन करने आते हैं। और गुफा स्थित शिव लिंग का दर्शन कर पूजा अर्चना करते है। यह जगह काफी मनमोहक स्थल के रूप में चर्चित है। अगर बात करें अमरनाथ का तो उसका प्रारूप पूर्व में देखने को मिलता था। परंतु पर्यटन विभाग के सौजन्य से सुंदरीकरण कार्य होने से शिव भक्तों के बीच दूरियां कम हुआ परन्तु पानी की समस्या आज भी कायम है। वही इस संदर्भ में त्रिलोकी सिंह, नन्दगोपाल ठाकुर, दीपक उरांव, संजय सिंह, कृष्णा खेरवार, रोहित सिंह, संदीप उरांव, दीपक सिंह सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि धर्मिक स्थल का सुंदरीकरण कार्य में अनियमितता बरती गई है। जिसके कारण आज भी भक्तों के बीच समस्या बना हुआ है। जिस पर बताते हुए ग्रामीणों ने जिला के उपायुक्त से आग्रह किया है। कि प्राचीन शिवलिंग गुफा स्थल तक पानी की समस्या दूर कराया दिया जाए तो स्थल का चार चांद लग जायेगा। साथ ही बताया गया कि सालों भर लोग पूजा अर्चना करते हैं। लेकीन गुफा के अंदर गर्मी मौसम छोड़ अन्य समय पर पानी रहता है। जिसे गर्मी के मौसम में पानी की काफी समस्या होती है। धार्मिक स्थल की समस्याओं को पत्रकारों के माध्यम से पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए समाधान करवाने का मांग किया गया। साथ ही उपायुक्त लोहरदगा से अनुरोध किया गया। एक बार प्राचीन शिवलिंग दर्शन करें और अन्य कमियों का अवलोकन करते हुए मूलभूत सुविधाएं बहाल कराने में हम सभी ग्रामीणों को सहयोग प्रदना करें।

e- Procurement Cell
Office of The Executive Engineer, Building Construction Department,
Building Division, Chatra.

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट नोटिस

ई-टेन्डर रेफरेन्स नं०- BCD/EE/CHATRA/ 37/2024-25 दिनांकः- 06.03.2025

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	*Renovation of Judicial Officer's Toilets , Common Toilets at all Floor, Fixing Door Closer in Court Rooms and Portico repair at 22 Court Chatra For The Year 2024-25*	Rs. 51,78,997.90	(05) Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	10 .03.2025	
ii	वेबसाईट में निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय	18-03-2025 को अपराह्न 3.00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	19 -03-2025 को अपराह्न 3.00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	e- Procurement Cell, Office of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Chatra	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	9939428677	
vi	ई-प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9650057169	

- किसी भी प्रकार का बदलाव *http://Jharkhandtenders.gov.in* पर देखा जा सकता है।
- अन्य किसी भी प्रकार की सूचना *http://Jharkhandtenders.gov.in* पर देखा जा सकता है।

note: UCAN Registration is mandatory for the bidders.

Nodal Officer
e- Procurement Cell, Office of The Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Chatra

PR 347964 Building(24-25)#D

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
Electric Supply Area, Medininagar
Regd. Office: By Pass Road, Sudna, Medininagar, 822102
email:-gm_mdnjseb@yahoo.in/ Telephone:-06562-295539

Very Short e-TENDER NOTICE

e-tender in two parts (Part-I Technical and Commercial and Part-II Price Part) is invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.

Sl. No.	NIT No.	Name of work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ (non refundable) (In Rs.)	Time for completion
1	355/PR/JBVNL/2024-25	Repair and maintenance of control room building and allied civil works of 33/11 KV P/S/S Tukbera under Electric Supply Circle, Daltonganj.	655310.00	13200.00	1250.00+225.00 (GST 18%) = 1475.00	04 Month
2	356/PR/JBVNL/2024-25	Construction of common toilet at 33/11 KV P/S/S Dhurki under Electric Supply Circle, Garhwa.	719600.00	14400.00	1250.00+225.00 (GST 18%) = 1475.00	04 Month
Availability of tender document on website				07.03.2025 3:00 PM to 17.03.2025 at 2:00 PM		
Last date and time for bid submission/uploading				17.03.2025 at 2:00 PM		
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)				18.03.2025 at 2:30 PM		
Date and time for opening of Tender Part-II (Price Part)				Will be communicated later on		
Tendering Officer and address for communication				GM cum CE, Electric Supply Area, Medininagar		

Any query towards this tender can also be had from the office of the undersigned during office hours or may contact on Mob No. 8809507127

1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. Bidder shall deposit online tender fee as mentioned above for Cost of BOQ and EMD as per rules of e-tendering portal **(jharkhandtenders.gov.in).**
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager (Tech)
Electric Supply Area, Medininagar

PR 348012 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd (24-25)_D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LTD.
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Office of The General Manager
Transmission Zone-I, Kusai Colony, Doranda, Ranchi
Phone No..: 9431707301, Email ID- gm.jusnl@gmail.com
e-Tender Notice

e-tender notice in two parts i.e. Technical (Part-I) and Financial (Part-II) is invited from the reputed parties, having adequate financial and technical resources to undertake the following work :-

Sl No	NIT No.	Description of Work	Earnest Money Deposit(Rs.)	Cost of Tender (Non Refundable) (Rs)
1.	519/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out Routine Patrolling, Preventive /Breakdown /shutdown maintenance of 132KV Transmission Lines under Transmission Sub -Division, **Khunti** from01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. –2025-26	Rs. 35,000/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
2.	520/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out routine Patrolling, Preventive/Breakdown/shutdown maintenance of 132 KV Transmission Lines under jurisdiction Transmission Sub - Division **Simdega** from 01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. - 2025-26	Rs. 58,500/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
3.	521/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out Routine monthly Patrolling, Preventive /Breakdown shutdown maintenance work of 132 KV Transmission Lines under Transmission Sub -Division **Namkum** from01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. - 2025-26	Rs. 65,500/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
4.	522/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out Routine Patrolling, Preventive /Breakdown shutdown maintenance of 220 KV & 132 KV Transmission Lines under Transmission Sub -Division Hatia -II from01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. - 2025-26	Rs. 73,500/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
5.	523/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out Routine Patrolling, Preventive /Breakdown /shutdown maintenance of 132KV Transmission Lines under Transmission Sub -Division, **Lohardaga** from01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. –2025-26.	Rs. 68,500/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
6.	524/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out Routine Patrolling, Preventive /Breakdown /shutdown maintenance of 132KV Transmission Lines under Transmission Sub-Division, Tamar from01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. –2025-26	Rs. 13500/-	Rs. 1476/- (including 18 % GST)
7.	525/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out routine Patrolling, Preventive / Breakdown /shutdown maintenance of 132 KV Transmission Lines under jurisdiction Transmission Sub -Division **Kamdara** from 01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. - 2025-26	Rs. 41,000/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
8.	526/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out routine Patrolling, Preventive/Breakdown/shutdown maintenance of 132 KV Transmission Lines under jurisdiction Transmission Sub - Division Gumla from 01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. - 2025-26	Rs. 33,500	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
9.	527/PR/JUSNL/2024-25	Work for Annual Maintenance of 132/33KV Grid Sub -Station **Simdega** from 01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. – 2025-26	Rs. 56,000/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
10.	528/PR/JUSNL/2024-25	Work for Annual Maintenance of 132/33KV Grid Sub -Station **Gumla** from 01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. – 2025-26	Rs. 54,000/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
11.	529/PR/JUSNL/2024-25	Work for Annual Maintenance of 132/33KV Grid Sub -Station **Kamdara** from 01.04.2025 to 31.03.2026 of F.Y. – 2025-26	Rs. 60,000/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
12.	530/PR/JUSNL/2024-25	Work for Carrying out Routine Patrolling, Preventive /Shutdown Maintenance of 220 KV D/C Lohardaga – Latehar Transmission line under the jurisdiction of Transmission Sub - Division, Lohardaga w.e.f. 01.04.2025 to 31.03.2026	Rs. 36,000/-	Rs. 5900/- (including 18 % GST)
Availability of T ender Documents on website				From 07.03.2025 at 03.00 PM to 27.03.2025 upto 03:00 PM		
Last Date & Time for uploading of e-Tender				27.03.2025 upto 03:00 PM		
Last date & Time of submission of hard copy of bid.				27.03.2025 upto 05:00 PM		
BID Opening date for Technical (Part – I)				28.03.2025 at 03.00 PM		
BID Opening date for Financial (Part – II)				Will be communicated later on.		
Tendering Officer, address for communication & submission of tender documents				General Manager, Transmission Zone – I, Kusai Colony, Doranda, Ranchi		

TERMS & CONDITIONS :-

1.0 A complete set of bidding documents may be downloaded by any interested bidder from website https://jharkhandtenders.gov.in. Interested bidders have to necessarily register themselves on https://jharkhandtenders.gov.in to participate in the bidding under this NIT. It shall be the sole responsibility of the interested bidders to get themselves registered at the aforesaid website and apprise themselves adequately regarding all the relevant procedures and provisions related to uploading of the bids on the aforesaid website.
2.0 Bidder shall pay the EMD and BOQ cost through online mode , as a proof of payment towards e-Tender fee, copy of online receipt of e-Tender(UTR/Reference no. of online payment) must be submitted along with the technical bid before opening date and time of the bid as mentioned in tender document failing which bid will not be considered.
3.0 The detailed Qualifying Requirements (QR) are given in the bidding document.
4.0 e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no.**0651-2400178**.
5.0 The bids will be received through electronic tendering mode only.
6.0 No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.
7.0 JUSNL reserves the right to accept or reject any bid partly or fully or cancel the bidding without assigning any reasons thereof and in such case no bidder/ intending bidder shall have any claim arising out of such action.
8.0 Address for Communication:

GENERAL MANAGER,
TRANSMISSION ZONE-I,
JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
KUSAI COLONY, P.O.-DORANDA, RANCHI, PIN -834002
Telephone no. 0651-2490513 (O)/ 9431707300 (Mobile)

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Trans. Zone-I, Ranchi

PR 348003 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25)D

न्यूज बॉक्स

रीना हांसदा ने किया बिशुनपुर प्रखंड का दौरा, विकास कार्यों की समीक्षा

गुमला। आईटीडीए (एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी) की परियोजना निदेशक रीना हांसदा ने बिशुनपुर प्रखंड का दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जन-मन योजनाओं के तहत संचालित परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन किया और अधिकारियों को योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास), जल जीवन मिशन (जेजेएम), वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) और वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चिरोडीह पंचायत के जवाडीह गांव में जाकर जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया और डाकिया योजना के तहत घर-घर राशन वितरण की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का आकलन किया। साथ ही नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। इसके अलावा, वे इमली प्रसंस्करण केंद्र भी गईं, जहां मशीनों की स्थापना हो रही है। उन्होंने जानकारी दी कि अगले सप्ताह से महिला स्वयं सहायता समूहों ('दीदियों') के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। परियोजना निदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए ताकि स्थानीय लोगों को अधिकतम लाभ मिल सके।

आज जन औषधि दिवस, स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की पहल

गुमला। झारखंड में 7 मार्च 2025 को जन औषधि दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत राज्य भर में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं आमजन तक पहुंचाना है। राज्य नोडल पदाधिकारी, सीपीएचसी-एएएम, झारखंड की ओर से जारी निर्देशानुसार, आयुष्मान आरोग्य मंदिर समिति को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि शिविरों में जरूरतमंद लोगों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएं और इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जन आरोग्य सभा (जेएएस) के सदस्यों और जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। इसके अलावा, संबंधित पंचायतों में जन औषधि केंद्रों की सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने और उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। शिविर के दिन जेएएस की बैठक का आयोजन किया जाएगा, और इसका पूरा डाटा एएएम पोर्टल पर अपलोड करने के साथ-साथ एएएम व्हाट्सएप ग्रुप में फोटोज साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं को जन-जन तक पहुंचाना और स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाना है।

चैनपुर प्रखंड में रामनवमी को लेकर केंद्रीय रामनवमी पूजा समिति की बैठक

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड में रामनवमी के आयोजन को लेकर केंद्रीय रामनवमी पूजा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक दुर्गा मंदिर परिसर में अध्यक्ष यशवंत केशरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में कोषाध्यक्ष विनय केशरी ने वित्त वर्ष की आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।बैठक में पुराने समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष अशोक सिंह, उपाध्यक्ष निरंजन कुमार, सचिव रवि रंजन कुमार, सह सचिव सत्यम केशरी, कोषाध्यक्ष विनय केशरी और मीडिया प्रभारी राजन पाण्डेय के रूप में चयनित किए गए। इसके अलावा सुंदरम केशरी और निखिल सिंह के साथ भी कार्यसमिति में कई राम भक्तों को शामिल किया गया। सदस्यों ने नई समिति के गठन का स्वागत किया और रामनवमी पर्व को सफल बनाने के लिए अपनी तत्परता व्यक्त की। बैठक में यह भी चर्चा की गई कि अंतिम मंगलवारी को भव्य आयोजन के लिए चैनपुर अनुमंडल के सभी प्रखंड और पंचायतों से राम भक्तों को आमंत्रित किया जाएगा।अध्यक्ष अशोक सिंह ने सभी सदस्यों से अपील की कि वे इस पर्व को भव्य बनाने के लिए अपनी पूरी मेहनत लगाएं और सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करें।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

गुमला। सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए बजरंग दल के तीन कार्यकर्ताओं ने सदर अस्पताल गुमला के ब्लड बैंक में रक्तदान कर मरीज की जान बचाने में सहयोग दिया। रक्तदान करने वालों में कमलेश साहू (ओ+), सूरज केवट (ओ+) और प्रदीप सिंह (ए+) शामिल हैं। तीनों रक्तदाताओं ने अस्पताल में भर्ती एक जरूरतमंद मरीज की सहायता के उद्देश्य से स्वेच्छा से रक्तदान किया। विश्व हिंदू परिषद बड़गांव के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को तीन से चार महीने के अंतराल पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है और जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है। इस अवसर पर विकास राम, यशराज सिंह, प्रकाश कुमार, लैब टेक्नीशियन संगीता कुमारी और अंजू कुमारी मौजूद रहीं। साथ ही, मीडिया प्रभारी रोहित खंडेलवाल ने रक्तदान को महादान बताते हुए युवाओं से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। रक्तदान के इस पुनीत कार्य को लेकर अस्पताल प्रशासन और स्थानीय लोगों ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सराहना की।

सिसई में ऐतिहासिक फाल्गुन मेला 2025 का भव्य रूप से हुआ शुभारंभ

सिसई(गुमला)। गुरुवार को सिसई की ऐतिहासिक फाल्गुन मेला 2025 का विधिवत पूजा अर्चना कर जिप अध्यक्ष किरणमाला बाड़ा, जिप सदस्य विजयालक्ष्मी कुमारी एवं प्रखंड प्रमुख मीणा देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किए। उद्घाटनकार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिप अध्यक्ष किरणमाला बाडा. ने कहा कि मेला आपसी सद्भाव का प्रतीक है। इस मेले में सभी समुदाय के लोगों की भागीदारी होती है, सिसई का मेला शांति और सोहार्द का एक मिसाल है। इस मिसाल को कायम रखने की सभी आमजन से अपील की और मेला में आनंद लेने के लिए बढ़ चढ़कर भाग लेने की भी अपील की जिला परिषद सदस्य विजयालक्ष्मी कुमारी ने कहा कि मेला झारखंड राज्य की संस्कृति है, मेले से जहां सामाजिक चेतना, मनोरंजन और व्यवसाय का समावेश होता है। वहीं आपसी सौहार्द और भाईचारगी का भी समावेश होता है। सिसई बाजार टांड़ में लगने वाले ऐतिहासिक फाल्गुन मेला का अंचलाधिकारी नितेश रोशन खलखो द्वारा निरीक्षण किया गया। और विधि व्यवस्था एवं खेल तमाशे की जानकारी लेते हुए मेला ठेकेदार मो. समीर अंसारी को शांतिपूर्ण तरीके से मेले का आयोजन करने के लिए खास दिशा निर्देश दिए। मेला के ठेकेदार मो. समीर अंसारी ने जानकारी देते हुए कहा कि यह मेला 29 लाख 51हजार में ठेका लिया गया है। जो पूरे एक माह तक चलेगा। इस मेले में मारुति सर्कस, जादूगर, चित्रहार, ब्रेक डांस, टोरा टोरा, ड्रैगन झूला, नाव झूला, सर्कस, बच्चों के लिए झूला, मीना बाजार, व लोगों के मनोरंजन के साथ साथ खाने पीने एवं अन्य वस्तुएं की भी दुकानें लगाई गई हैं। साथ ही सिसई मेला में पहली बार नाऊडी झूला लगाया गया है जो लोगों में मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेगा। मेले में सुरक्षा इंतजाम को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में वोलेंटियर्स उपलब्ध हैं, इसके अलावे सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग रहेगा। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य जाकिर अंसारी, समाज सेवी रोहित शर्मा, मुकेश श्रीवास्तव, पूर्व उपप्रमुख दीपक अधिकारी, झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा, बरगांव उतरी मुखिया सुनिता देवी, बरगांव दक्षिणी मुखिया शोभा देवी, सिसई मुखिया शकुन्तला देवी, भदौली मुखिया अलबिना देवी सहित कई सारे गणमान्य लोग उपस्थित थे।

होली और रमजान को लेकर गुमला में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

सुरक्षा और सुविधा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। आगामी होली और रमजान को ध्यान में रखते हुए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में नगर परिषद, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में होली के दौरान कानून व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, जल आपूर्ति, नशे के बढ़ते प्रभाव, साइबर क्राइम और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर गहन चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि होली के दिन रात 8 बजे से भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई जाएगी और चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू होगी। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ सार्वजनिक स्थलों पर पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी। होली के दौरान नशे और ओवरस्पीडिंग पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। डीजे पर आपत्तिजनक गाने बजाने पर सख्त रोक रहेगी, जबकि अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते छह महीनों में ड्रग्स से जुड़ी 20 से अधिक शिकायतें आई हैं, जिन पर कड़ी कार्रवाई की गई है।

जल संकट और रमजान के दौरान विशेष व्यवस्था : बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने शहर में जल संकट की समस्या को प्रमुखता से उठाया, खासकर रमजान के दौरान पानी की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक वार्ड में पानी के टैंकर भेजे जाएंगे और रमजान के दौरान विशेष जलापूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन मौजूदा संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर नागरिकों को राहत देने का प्रयास करेगा।

नशे और अपराध पर सख्ती : बैठक में नशे की बढ़ती समस्या और चोरी की घटनाओं पर भी चर्चा हुई।

महिला सुरक्षा और सामूहिक होलिका दहन की अपील : एसडीओ राजीव नीरज ने कहा कि होलिका दहन खुले स्थानों पर किया जाए, जिससे किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह- हरे रंग के अबीर से बचें : बैठक में स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर भी चर्चा हुई। सिविल सर्जन गुमला डॉ नवल कुमार ने नागरिकों को हरे रंग के अबीर के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी, क्योंकि इससे आंखों और त्वचा को गंभीर नुकसान हो सकता है। साथ ही, उन्होंने त्योहारों के दौरान खान-पान का विशेष ध्यान रखने और अस्वास्थ्यकर भोजन से बचने की अपील की।

शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील : बैठक के अंत में उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने सभी नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि गुमला की जनता हमेशा प्रेम और भाईचारे के साथ त्योहार मनाती रही है, और प्रशासन की ओर से हर संभव सुरक्षा और सुविधा दी जाएगी।

मातृ व शिशु स्वास्थ्य सुधार की दिशा में अहम कदम, चिकित्सकों को मिला विशेष प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग और सहयोगी संस्था जपाईगो द्वारा चिकित्सकों के लिए 'गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल' पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के 34 चिकित्सकों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया।

गर्भावस्था की जटिलताओं की शीघ्र पहचान और प्रबंधन पर जोर : प्रशिक्षण में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान, प्रसव पूर्व जांच, मूत्र परीक्षण, ओजीटीटी जांच, एनीमिया, उच्च रक्तचाप से जुड़े विकारों के निदान और प्रबंधन जैसे अहम विषयों पर जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भावस्था में संभावित जटिलताओं की समय रहते पहचान और उचित प्रबंधन से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है।

बोर्न हेल्दी कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में सुदृढ़ीकरण : सिविल सर्जन डॉ. नवल कुमार ने बताया कि बोर्न हेल्दी कार्यक्रम के तहत चाइल्ड इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन के सहयोग से जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं को और मजबूत किया जा रहा है। इससे गर्भवती महिलाओं को समय पर आवश्यक देखभाल मिलेगी और संक्रमण या अन्य जटिलताओं की स्थिति में शीघ्र उपचार संभव होगा।

चिकित्सकों की दक्षता और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में होगा सुधार : इस प्रशिक्षण में डॉ. अनुपमा आर्या, सुनील कुमार, दीपिका बा और राजेश कुमार ने चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया। डीआरसीएचओ डॉ. सुनील राम ने बताया कि इस प्रशिक्षण के जरिए चिकित्सकों की कार्यदक्षता, परामर्श क्षमता, डेटा रिकॉर्डिंग और रिपोर्टिंग में भी सुधार होगा। इसके अलावा, समयपूर्व जन्म, कम वजन के शिशुओं और नवजात संक्रमण के मामलों में कमी लाने में भी यह प्रशिक्षण मददगार साबित होगा। यह प्रशिक्षण न केवल चिकित्सकों की क्षमता बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार लाएगा।

16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपी को भेजा गया जेल

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 16 वर्षीय लड़की के साथ जबरन दुष्कर्म के दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ने बताया 4 फरवरी को सरस्वती पूजा विसर्जन देखने जाने के क्रम में दो युवकों ने नाबालिक लड़की को अगवा कर जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। मामले को लेकर परिजन गुमला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराए थे। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार चल रहे थे। मंगलवार को गुप्त सूचना पर गुमला थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह ने गांव में छापामारी की। जिसमें अंजन गांव निवासी 18 वर्षीय आलोक उरांव पिता प्रदीप उरांव और रोहित उरांव पिता प्रेम उरांव को गिरफ्तार कर लिया। घटना के दिन दोनो ने सरस्वती पूजा विसर्जन देखने गई नाबालिक लड़की को अगवा कर एक नवनिर्मित भवन ले गए। इसके बाद लड़की से छेड़छाड़ करने लगे इसी बीच मौका पाकर लड़की भागने लगी तभी दीवार से टकराकर वह गिर गई। उसे सिर में चोट लगी थी। इसके बाद दोनों युवक चार-पांच घंटे तक उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया और रात में घर के समीप ले जाकर छोड़ दिया। 6 फरवरी को लड़की परिजनो के साथ गुमला थाना पहुंचकर दो युवक के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराई थी जिसके बाद दोनों युवक फरार चल रहे थे।

भरनो में कार और पिकअप की जोरदार भिड़ंत

सिसई निवासी विजय साहू गंभीर रूप से घायल

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर भरनो थाना क्षेत्र के जुरा बाजार के पास गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। सिसई निवासी विजय साहू (50) की वेगनआर कार और एक पिकअप वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजय साहू सुबह करीब 11 बजे अपनी नई वेगनआर कार से सिसई से रांची जा रहे थे। इसी दौरान जुरा बाजार के पास सामने से आ रहे पिकअप वाहन से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भरनो थाना के सब-इंस्पेक्टर अर्जुन यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और परिजनों के सहयोग से घायल विजय साहू को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

बाइक-स्कूटी की टक्कर दो गंभीर रूप से घायल

भरनो (गुमला)। एनएच-23 पर बोडो मोड़ के पास दोपहर 3 बजे एक तेज रफ्तार बाइक और स्कूटी की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार लापुंग के नेहालू गांव निवासी शुकरा उरांव (35 वर्ष) और स्कूटी सवार ओरमांझी निवासी राहुल महतो (32 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर गिरकर काफी देर तक तड़पते रहे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एंबुलेंस को बुलाया और दोनों घायलों को भरनो अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया। हालांकि, अब तक उनके परिजनों को इस हादसे की सूचना नहीं मिल पाई है, जिस कारण दोनों घायल भरनो अस्पताल में पड़े हुए हैं।

भरनो में मनरेगा व अबुआ आवास की समीक्षा बैठक

बीडीओ ने कंप्यूटर ऑपरेटरों को लगाई फटकार, दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को बीडीओ अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में मनरेगा और अबुआ आवास योजना को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, पंचायत के मुखिया समेत कई प्रखंडकर्मी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बीडीओ ने बताया कि अबुआ आवास योजना के 1,285 लाभुकों के खातों में प्रथम किस्त की राशि भेजी जा चुकी है, लेकिन इनमें से केवल 252 लाभुकों को ही मनरेगा से मजदूरी भुगतान हुआ है। कार्य में धीमी प्रगति और कंप्यूटर ऑपरेटरों की लापरवाही पर बीडीओ ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटर संदीप कुमार, रोहित कुमार और कंचन को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि चार दिनों के भीतर सभी लाभुकों के मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि समय पर उन्हें मजदूरी मिल सके। इसके अलावा, बीडीओ ने पंचायतों में अधिक से अधिक मजदूरों को मनरेगा योजना से जोड़ने की बात कही, जिससे पलायन पर रोक लगाई जा सके। जिन पंचायतों में योजनाओं की कमी है, वहां पंचायत सचिव और रोजगार सेवकों को जल्द प्रस्ताव देने के निर्देश दिए गए। बैठक में बीपीओ रेणुका किंडो, एई वसीम अंसारी, जेई विकास कुमार, नवीन कुमार, पंचायत सचिव वासुदेव राय, परवन लकड़ा, सरफराज अनवर, जितेंद्र मिश्रा, रोजगार सेवक शिवदेव लोहरा और कृष्ण कुमार साहू समेत सभी प्रखंड कर्मी मौजूद रहे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा

ई–अतिअल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या– 17/RI/2024-25/RWD/CHATRA दिनांक– 05.03.2025

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा द्वारा जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट (DMFT)मद अन्तर्गत् निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र॰ सं॰	आईडेन्टिफिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)		कार्य समाप्ति की अवधि	कॉल सं॰
						अंक में	अक्षर में		
1	RWD/ CHATRA/98/ 2024-25	हंटरगंज	डुमरी कला	तुलसीपुर	मेन रोड से स्कुल तक PCC पथ निर्माण	63,76,700.00	तिरेसठ लाख छिहत्तर हजार सात सौ मात्र	06 माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 08.03.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 15.03.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 17.03.2025 अपराह्न 3.30 बजे।
5. ई–निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा, द्वितीय तल, विकास भवन, चतरा।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या :– 06541-296208

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा

PR 347993 Rural Work Department(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा

सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं0 822114 • Email : eedwsd.garhwa1@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DWSD/GAR-RM-08/2024–25 दिनांक–06.03.2025

1- विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रांची
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा
3- परिमाण विपत्र (BOQ) प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 08-03.2025 को 12-30 बजे अपराह्न से
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 13.03.2025 को 03-30 बजे अपराह्न तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 13-03.2025 को 04.30 बजे अपराह्न में
6. परिमाण विपत्र (BOQ) प्राप्ति का स्थान :– विभागीय वेबसाइट dwsd.jharkhand.gov.in/Office of the Executiv Engineer, D.W.&S. Division, Garhwa से प्राप्त किया जाना है।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा। (2) अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर।
8. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।
9. कार्य का नाम :– नलकूपों के साधारण मरम्मति कर चालू करने का कार्य (स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति प्रमंडल स्तर से की जायेगी)

10. कार्य का विवरण :–

क0	प्रखण्ड का नाम	ग्रुप संख्या	नलकूपों की सं0 (अनुमानित)	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य की अवधि
1	डंडई, मझिआँव एवं बरडीहा	GAR/RM-01	300 Nos.	2,91,837/-	6,000/-	750/-	04 Months
2	भवनाथपुर, केतार एवं खरौन्धी	GAR/RM-02	300 Nos.	2,91,837/-	6,000/-	750/-	04 Months
3	मेराल, रमकंडा एवं चिनियाँ	GAR/RM-03	400 Nos.	3,89,116/-	8,000/-	750/-	04 Months
4	गढ़वा, डंडा, एवं रंका	GAR/RM-04	450 Nos.	4,37,755/-	9,000/-	750/-	04 Months
5	कांडी, भंडरिया एवं बड़गड	GAR/RM-05	450 Nos.	4,37,755/	9,000/-	750/-	04 Months
6	नगर उंटारी, रमना, विशुनपुरा, धुरकी एवं सगमा	GAR/RM-06	450 Nos.	4,37,755/	9,000/-	750/-	04 Months

नोट– (i) निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय होगा।
(ii) निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in तथा कार्यालय के सूचना पटट से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।

PR 347968 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN: U40108JH2013SGC001704) OFFICE OF THE
GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-IV, MEDININAGAR
Byepass Road, Sudna, Near Sinchai Vibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand
e-mail : gmtzdal@gmail.com

Short E- Tender Notice

E- Tender is invited in two parts i.e. Technical Part (Part–I) and Price Part (Part–II) from reputed, capable, experienced and financially sound firm / agency / contractor for the following work:-

S. No.	e-NIT No.	Name of Work	EMD	Tender Fee including GST @18%
1	512/PR/JUSNL /2024-25	Carrying out Patrolling, Routine/breakdown/ shutdown maintenance of 132 kV D/C Daltonganj (PGCIL) - Daltonganj (JUSNL) Transmission Line under jurisdiction of Transmission Sub-Division, Daltonganj for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026	Rs.17,700/-	Rs. 1,476/-
2	513/PR/JUSNL/20 24-25	Carrying out Patrolling, Routine/breakdown/ shutdown maintenance of 132 kV D/C Bhagodih-Garhwa Road Transmission Line under jurisdiction of Transmission Sub-Division, Garhwa Road for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026	Rs. 20,500/-	Rs. 2,950/-
3	514/PR/JUSNL/20 24-25	Carrying out Patrolling, Routine/breakdown/ shutdown maintenance of 132 kV D/C Rihand-Garhwa Road Transmission Line under jurisdiction of Transmission Sub-Division, Garhwa Road for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026	Rs. 39,200/-	Rs. 5,900/-
4	515/PR/JUSNL/20 24-25	Carrying out Patrolling, Routine/breakdown/ shutdown maintenance of 132 kV D/C Transmission Line under jurisdiction of Transmission Sub - Division, Japla for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026	Rs. 36,400/-	Rs. 5,900/-
5	516/PR/JUSNL/20 24-25	Carrying out Patrolling, Routine/breakdown/ shutdown maintenance of 220 kV D/C Bhagodih-Daltonganj (PGCIL) Transmission Line under jurisdiction of Transmission Sub-Division, Bhagodih for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026	Rs. 38,400/-	Rs. 5,900/-
6	517/PR/JUSNL/20 24-25	Carrying out Patrolling, Routine/breakdown/ shutdown maintenance of 220 kV D/C Latehar–Daltonganj and 132 kV D/C Latehar (New) – Latehar (Old) link Transmission Line under jurisdiction of 400/220/132 kV GSS Latehar for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026	Rs. 17,800/-	Rs. 1,476/-

1. Start date time for download of tender paper : 08/03/2025 at 02:00 PM.
2. Last date and time for upload of tender : 22/03/2025 upto 03:00 PM.
3. Due date and time of opening of part-I : 24/03/2025 at 12:30 PM.
4. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 7488012827 for any enquiry.
5. The bids will be received through electronic tendering mode only.
6. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
7. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender/ last date of submission of bid then the next working day will be considered.
8. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager (Trans. Zone-IV)
(Medininagar)

PR 347959 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd)24-25*D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

सदा अपने मन की पृष्ठभूमि में अपने प्रिय परमपिता को संबोधित कर, एक भक्ति गीत यह याद रखते हुए गुनगुनाते रहिए कि आपकी समस्त क्षमताएं उनके ही उपहार हैं। **श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

टैरिफ से बाजार बेहाल पर भारत है आकर्षक

2024 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने वाले भारतीय शेयर बाजार में उसके बाद से उल्लेखनीय गिरावट आई है और निवेशकों के 87 लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी डूब गई है। निवेशक कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहे हैं, जिसमें आर्थिक एवं कॉरपोरेट आय वृद्धि में सुस्ती, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का लगातार बाजार से पैसे निकालना, वैश्विक स्तर पर व्यापक आर्थिक अनिश्चितताएं और भारतीय शेयरों का उच्च मूल्यांकन शामिल है। इसके अलावा, 'ट्रंप टैरिफ' का प्रभाव, मजबूत अमेरिकी डॉलर और अन्य बाजारों की तुलना में अमेरिका की सापेक्ष आर्थिक मजबूती ने भी मंदी में योगदान दिया है। सितंबर, 2024 की तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर खराब रही। कमजोर होती घरेलू मांग और लगातार प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति के साथ-साथ संसदीय चुनावों के कारण मार्च से जुलाई, 2024 तक कम सरकारी व्यय के कारण अर्थव्यवस्था के तीन स्तंभों में कमजोरी देखने को मिली-व्यक्तिगत उपभोग व्यय, सरकारी व्यय और निजी फर्म का पूंजीगत व्यय, सभी प्रभावित हुए। चौथे स्तंभ, निर्यात को भी वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। भारत की जीडीपी वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2023-24 में सात फीसदी से ज्यादा थी, अब वित्त वर्ष 2024-25 में छह फीसदी के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। इस मंदी ने कॉरपोरेट लाभप्रदता और बाजार प्रदर्शन के बारे में निवेशकों की उम्मीदों को घटा दिया है। भारत में कॉरपोरेट आय, जो महामारी के बाद अच्छी रही थी, में भी तनाव के संकेत दिखने लगे हैं। कच्चे माल और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने लाभ के अंतर को कम कर दिया है।आईटी, फार्मास्युटिकल्स और टेक्सटाइल जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों को कम ऑर्डर का सामना करना पड़ रहा है। आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति ने ऋण लेने की लागत बढ़ा दी है, जिससे रियल एस्टेट और बैंकिंग जैसे क्षेत्र प्रभावित हुए हैं, जबकि एमएफआई सेगमेंट और असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण तनाव के संकेत दिखा रहे हैं। एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सहित उपभोक्ता-केंद्रित क्षेत्रों में मांग में कमी देखी गई है, खासकर शहरी अर्थव्यवस्था में। आय में धीमी वृद्धि के कारण भारतीय शेयरों का उच्च, प्रीमियम मूल्यांकन और भी अधिक बढ़ा हुआ लग रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के अंतिम क्षणों में बाजारों में अनिश्चितता बढ़ गई। ट्रंप के संरक्षणवादी, अमेरिका पहले की बयानबाजी के चलते निवेश का प्रवाह और भी ज्यादा सुरक्षित ठिकानों की ओर बढ़ गया। विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय इक्विटी में शुद्ध विक्रेता रहे हैं, जो बाजार में गिरावट के पीछे प्रमुख कारक हैं। भारत के बाजारों में 850 अरब डॉलर से अधिक का एफपीआई निवेश है। अमेरिकी शेयर बाजार के बेहतर प्रदर्शन, मजबूत अमेरिकी डॉलर, अमेरिका में उच्च ब्याज दरें और भारतीय अर्थव्यवस्था/आय में मंदी के कारण अक्तूबर, 2024 से एफपीआई द्वारा तेजी से बिकवाली की गई। भारत सहित सभी उभरते बाजारों में निकासी देखी गई। अमेरिकी बाजारों ने 2023 और 2024, दोनों वर्षों में 20 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है, और मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था वर्ष 2025 और उसके बाद के लिए भी मजबूत पृष्ठभूमि प्रदान कर रही है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2023-24 में सात फीसदी से ज्यादा थी, अब वित्त वर्ष 2024-25 में छह फीसदी के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है।

हिंदी भाषी राज्यों को बोलियों में बांटने का राजनीतिक षड़यंत्र

भारत एक विशाल देश है जहां विभिन्न जाति, धर्म, समुदाय, भाषा और बोलियां आज भी प्रचलन में हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत में 19,500 से अधिक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती रही हैं (2011 की जनगणना के अनुसार)। इनमें से लगभग 121 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें 10,000 से अधिक लोग बोलते हैं जबकि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में केवल 22 भाषाएँ मान्यता प्राप्त हैं। यूनेस्को की "एटलस आफ दी वर्ड लेग्यूजेज इन डेंजर" रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 197 भाषाएँ विलुप्तप्राय हैं। इनमें से पिछले कुछ दशकों में विलुप्त हुई भारतीय बोलियों/भाषाओं में प्रमुख रूप से नाम आता है अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अका-कोरा, अका-बो(2010 में अंतिम ज्ञात व्यक्ति का निधन), अका-जेरी, अका-बेया का उत्तर प्रदेश की मोरी का उत्तर भारत की सारास्वती की, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की रंगबोल का; झारखंड और पश्चिम बंगाल के आदिवासी समूह में बोली जाने वाली माल्टो;पश्चिम बंगाल के टोटो समुदाय द्वारा बोली जाने वाली टोटो का ;अरुणाचल प्रदेश में बोली जाने वाली कुछ मोनपा उपबोलियां का।जबकि हिमाचल प्रदेश में प्रचलित कुमार भाषा,कर्नाटक में बोली जाने वाली तोड़ो, कोडागु , तमिलनाडु की टोडा, झारखंड की माल्तो अरुणाचल प्रदेश में बोली जाने वाली सिअंग भाषा आदि विलुप्तीकरण की कगार पर हैं। कुछ व्यक्तियों द्वारा समय समय पर हिंदी के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए तथा अंग्रेजी के प्रभाव को बनाए रखने के लिए कुछ भाषाओं और बोलियों के कम उपयोग में आने के कारणों में हिन्दी को जिम्मेदार ठहरा कर राष्ट्र भाषा बनने से रोकने की कोशिश समय समय पर की जाती रही है । वस्तुतः किसी भाषा या बोली का विलुप्त होना एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें कई कारक शामिल होते हैं।

जैसे शिक्षा और रोजगार के लिए मुख्य भाषाओं की ओर झुकाव,गाँवों से शहरों की ओर तथा भारत से विदेशों की ओर पलायन,युवा पीढ़ी का अपनी पारंपरिक बोलियों को बोलने में रुचि नहीं लेना, टेलीविजन, इंटरनेट, और सोशल मीडिया का मुख्यधारा की भाषाओं को बढ़ावा देना तथा बोलियों पर ध्यान न देना, छोटे समूह की बोलियों को पिछड़ापन का प्रतीक समझना।कई बार संस्कृतिकरण और भाषाई मिश्रण के कारण भी एक भाषा या बोली दूसरी भाषा में घुलमिल जाती है और अपनी मौलिक पहचान खो देती है। वहीं कई बोलियों को जानने वाले, प्रयोग में लाने वालों की आबादी बहुत ही कम होती और बहुत ही संकुचित और दुर्गम क्षेत्र में फैली रहती है (कुछ आदिवासी समुदाय आदि),इनकी आबादी के घटने से, समाप्त होने से भी बोलियां समाप्त हो जाती है। आजकल देश में अंतरजातीय के साथ अंतर-भाषायी विवाह ज्यादा होने लगे हैं जहां एक कॉमन भाषा (जैसे हिंदी या अंग्रेज़ी) को आपसी वार्तालाप का माध्यम बनाने के प्रयास में बोलियां चलन से बाहर हो रही हैं। भाषाविदों का यहां तक मानना है कि भाषा सामान्यतः विलुप्त नहीं होती है क्योंकि इनकी अपनी लिपि होती है, समृद्ध व्याकरण होता है और अपना लिखित साहित्य होता है जबकि बोलियों में इन तीनों का अभाव होता है, इसलिए विलुप्त होने की संभावना भी सबसे ज्यादा।

ऐसे में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि उत्तर प्रदेश और बिहार कभी हिन्दी हार्ट लैण्ड नहीं थे,हिंदी ने क्षेत्रीय भाषाओं को निगल लिया तथा हिन्दी के चलते कई क्षेत्रीय भाषाएं अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं तथा एक अखंड हिंदी की पहचान की कोशिश ही प्राचीन भारतीय भाषाओं को खत्म कर रही है जैसे भोजपुरी, मैथली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खड़िया, खोरठा, कुरमाली,कुरुख, मुंडारी आदि। क्या इस तरह का बयान निकट भविष्य में बिहार और उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा के चुनाव को ध्यान में रख कर दिया गया है? या गैर हिंदी भाषी लोगों के वोट को आकर्षित करने की कोशिश है। क्या इस तरह के बयान समाज को बोलियों के आधार पर बांटने का काम नहीं करते? जबकि पहले से ही हमारा देश विविध जाति, धर्म, संप्रदाय और क्षेत्रीय भाषाओं में बटा हुआ है। क्या इस तरह के बयान राष्ट्र भाषा हिंदी का सोची समझी राजनीति के तहत किया गया अपमान नहीं है? यहां एक प्रश्न यह भी खड़ा होता है कि दक्षिण की कुछ बोलियां जो अंतिम सांसें ले रही है उसके लिए भी क्या हिंदी जिम्मेदार है? जबकि वहां हिंदी का उपयोग तो स्थानीय लोगों द्वारा न के बराबर किया जाता है। भारतीय भाषाओं के बोलने वालों को विभाजित करने,आपस में लड़ाने की पहली बार कोशिश हो रही है ऐसा नहीं है पहले भी अंग्रेजों के प्रशासन में(1757 में प्लासी की लड़ाई से 1947 में स्वतंत्रता तक) अंग्रेजी को बढ़ावा देने के लिए के लिए तथा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को हांसिए पर लाने के, उनके प्रभाव को कम करने के लिए दमनकारी नीतियां अपनाई गई। 'मैकाले मिनट'(1835) के तहत अंग्रेजी को सरकारी कामकाज और शिक्षा की भाषा बना दिया गया, उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों में अंग्रेजी को अनिवार्य कर दिया गया, आदालतों के काम काज में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई, अंग्रेजी जानने वालों को उच्च पदों पर बैठाया गया। इतना ही नहीं हिंदी बोलने वालों को कमतर समझा गया,हेय दृष्टि से देखा जाने लगा। इसे हिन्दी की स्वीकार्यता ही कहेंगे कि अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के बाबजूद न सिर्फ हिंदी आपना अस्तित्व बनाए रखने में सफल रही अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में आंदोलनकारियों को एकजुटता रखने की भाषा बनी। एक बार पुनः विदेशी भाषा (अंग्रेजी) के मोह में अपने देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तथा राजभाषा का सम्मान प्राप्त हिंदी को उसकी अपनी बोलियां के विरुद्ध खड़ा करने का षडयंत्र रचा जा रहा है, बोलियों के जानने वालों की घटती संख्या के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

यहां यह समझना आवश्यक है कि भारत ही नहीं पूरा विश्व अपने यहां की कई बोलियों के विलुप्त होने से या जानने वालों की घटती संख्या से परेशान हैं। एक अनुमान के अनुसार मानव इतिहास के प्रारंभ से आज तक लगभग 30,000 भाषाएं विलुप्त हो चुकी है। दुनिया में आज 7000 जीवित भाषाएं है जिनमें से 3000 लुप्त प्रायः है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार 780 भाषाएं बोलियां हैं जिनमें से 400 भाषाओं को आगामी 50 सालों में विलुप्त होने का खतरा है।भारत में ही पिछले 50 वर्षों में 250 भाषाएं जिन्हें हम बोलियां भी कह सकते हैं, विलुप्त हो गई हैं। इस सदी के प्रारंभ में ही अंडमान की अका-जेरु (2009), अका-बो (2010), अका-कारी (2020) बोलियां विलुप्त हो गई है। इतना ही नहीं भारत की 19569 मातृ भाषाओं में से आज केवल 121 बोलियां ही बची हैं, जो आज संकटापन्न नहीं है(हम संकटापन्न उन भाषाओं को कहते हैं जिनके बोलने वालों की संख्या 10000 से कम हो गई है)।भारत के लगभग सभी शिक्षाविदों का यह मानना है कि भारत की भाषाई विविधता अद्वितीय है, और इसे संरक्षित करना हमारी सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के लिए आवश्यक है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आज की बात

डा मनमोहन प्रकाश

देश की बात

ट्रंप का गणित, दुनिया भ्रमित

दुनिया तेजी से बदलती है...। और उससे भी ज्यादा तेजी से बदलते हैं वे देश, जो अपने हित के लिए पूरी व्यवस्था बदलने का माद्दा रखते हैं। अमेरिका इस मामले में अकेला देश है, जो खेल का नियम अपने लाभ के लिए बनाता है। राष्ट्रपति ट्रंप अकेले उदाहरण नहीं हैं। कुछ लोग भले ही उनको सनकी मान रहे हों, पर इसके पहले भी अमेरिका फर्स्ट के नारे को साधने के लिए नियमों के साथ खिलवाड़ अमेरिकी हुक्मरानों ने किया है। पिछले चार दशकों में अमेरिकी मनमानेपन के शिकार कई देश हुए हैं। इराक, अफगानिस्तान, ईरान जैसे देश कुछ तो अपने कारण, और बहुत कुछ वाशिंगटन नीति के कारण ही तबाह हुए।

पिछली सदी के 90 के दशक में यह अमेरिका और उसके साथ जुड़े कुछ खास दोस्त ही थे, जिन्होंने डंकल प्रस्ताव लाकर पूरी दुनिया के व्यापार को एक साथ अपने इशारे पर चलने का कुचक्र रचने का सफल प्रस्ताव किया, कृषि पर ट्रिप्स और व्यापार पर ट्रिम्स लागू कर सभी देशों को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश की गई। ट्रिप्स प्रावधानों में यहां तक ज्यादती की गई, कि इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाला देश अपने गरीब किसानों को कोई सब्सिडी न देने पाए। एक तरफ अमेरिका और यूरोप अपने उत्पादों को दुनिया के बाजार में आसानी से उतारने के लिए अपने यहां भारी इनसेंटिव दे रहे थे और दूसरी तरफ भारत जैसे विकासशील देशों पर तरह के प्रतिबंध लगा रहे थे। जब देश में प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा के सर्वशक्तिमान नेता अटल बिहारी वाजपेयी विराजमान थे, तब अमेरिका ने मात्रात्मक प्रतिबंध नियमों के बहाने कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब मदनलाल खुराना संसदीय कार्य मंत्री थे। उन्होंने मात्रात्मक प्रतिबंध का अमेरिकी फैसले का पुरजोर विरोध किया था, तब उनको अपना पोर्टफोलियो खोना पड़ा था। अमेरिका तब पाकिस्तान के प्रेम में था और अपना प्रभाव पाकिस्तान को भारतीय कोप से बचाने में भी करता था। तब जार्ज बुश ने पाकिस्तान को तो अपने हित साधने के लिए एफ 16 युद्धक विमान दे दिया, लेकिन भारत के लिए इनकार कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप व्यापार के नए नियम बनाना और चलाना चाहते हैं। उनके लिए कोई देश उनका अपना नहीं है, भारत भी नहीं। तमाम विशेषज्ञों ने ये दावे किए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को निभाते हुए ट्रंप भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रुख अख्तियार नहीं करेंगे। पर ये सारे कयास धरे के धरे रह गए। जो व्यवहार ट्रंप ईर्ष्यावश मैक्सिको के साथ कर रहे हैं, वही व्यवहार वह भारत के साथ भी करते दिख रहे हैं। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

विक्रम उपाध्याय

नारी है स्नेह का स्रोत और मांगल्य का महामंदिर

महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने और महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के संघर्ष और उनके हक की लड़ाई की कहानी बयां करता है। इस वर्ष की थीम "एक्सीलरेट एक्शन" यानी 'कार्रवाई में तेज़ी लाना' और "तेजी से कार्य करना" रखी है। यह थीम हमें बताती है कि महिलाओं को अपने ऊपर बहुत मेहनत और तेजी से काम करने की जरूरत हैं। यह लोगों, सरकारों और संगठनों को महिलाओं के उत्थान, समान अवसर प्रदान करने और भेदभाव समाप्त करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। इस दिवस का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करना और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। यह दिन महिलाओं के सशक्तिकरण, समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और राजनीति में उनके योगदान को पहचान दिलाने के साथ-साथ उनके अधिकारों और अवसरों की वकालत करता है। परिवार, समाज, देश एवं दुनिया के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है, उतना ही महिलाओं का है।

ललित गर्ग

नया भारत-सशक्त भारत-विकसित के निर्माण की प्रक्रिया में महिलाएं घर परिवार की चार दीवारों को पार करके राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल में महिला मुख्यमंत्री हो या केन्द्र में वित्तमंत्री, खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं कां विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

बीसवीं सदी की शुरुआत में महिलाओं ने अपने अधिकारों और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग शुरू की थी। 1908 में न्यूयॉर्क में पन्द्रह हजार महिलाओं ने उचित वेतन और मतदान अधिकारों की मांग करते हुए मार्च निकाला। 1909 में अमेरिका ने पहली बार "राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया। 1910 में, जर्मन कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने इसे एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन बनाने का सुझाव दिया। 1911 में कई देशों में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 1917 में, रूस की महिलाओं ने हड़ताल कर बेहतर परिस्थितियों की मांग की, जिससे 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में इसे औपचारिक रूप से मान्यता दी, जिससे यह एक महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन बन गया। यह दिवस केवल जश्न का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी दिन है। यह हमें याद दिलाता है कि जब तक लैंगिक समानता पूरी तरह हासिल नहीं होती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

महिलाओं से जुड़े मामलों जैसे महिलाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, गांवों में महिला की अशिक्षा एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराध को एक बार फिर चर्चा में लाकर यह दिवस एक सार्थक वातावरण का निर्माण करने की आवश्यकता को व्यक्त करता है। जन-चेतना के एक टीस से मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा? विडम्बनापूर्ण तो यह है कि महिला दिवस जैसे आयोजन भी नारी को उचित सम्मान एवं गौरव दिलाने की बजाय उनका दुरुपयोग करने के माध्यम बनते जा रहे हैं। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

बिना वेश बदले यहाँ, चल जाता है काम।
'मारीचों' ने ठग लिए, जाने कितने 'राम'।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

तब खुद-ब-खुद तैयार हो जाएगा विकसित भारत का कारवां

विकसित भारत का नारा देशभर में गूंज रहा है। इस निमित्त सरकार विकास की अनेक योजनाएं चला रही हैं। सड़क, सफाई, स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा आदि क्षेत्रों में लगातार कार्य हो रहे हैं। महिला सशक्तीकरण को लेकर सरकार बहुत गम्भीर दिख रही है। ये सभी विकसित भारत की दिशा में सुन्दर संकेत दे रहे हैं। आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तीकरण एक विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। जहां देखो, लोग नारी की चर्चा करते मिलते हैं। कहते हैं, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते है। नारी सशक्ती--करण के लिए सबसे पहले जरूरी है नारी के प्रति समाज को जागरूक करना। उन्हें समाज में वह इज़्ज़त दिलानी होगी, जिसकी वह पहले से ही हक़दार हैं। इससे आगे बढ़ें, तो महिलाओं का शिक्षित होना सशक्तीकरण का पहला पायदान है। शिक्षा से ही महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे बढ़ पाती हैं। सदियों से हम कहते-सुनते आये हैं कि यदि घर-परिवार में एक महिला पढ़ी-लिखी हो, तो उस परिवार के पूरे लोग पढ़ लिख जायेंगे। महिलाओं ने इसे सच करके भी दिखाया है। सभी जानते हैं कि सदियों पहले, लाखों-लाख महिलाएं ऐसी थीं, जिन्हें पढ़ना लिखना नहीं आता था। मगर, वे अपने घर-परिवार को पूरी ताकत से और बहुत ही सलीके से सम्भालती थीं। तब इतने संसाधन भी नहीं थे। फिर भी हर काम वक्त पर और करीने से कर लिया जाता था। बहरहाल, बदलते समय के साथ महिलाएं भी बदलीं। आज वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं, बल्कि हर मैदान में अपनी फतेह का परचम लहराया है। चाहे वह खेल का मैदान हो, राजनीति हो,नौकरी, सोशल वर्क ,ज्यूडिशियरी या बड़े पद पर आसीन होने के साथ साथ ग्रामीण स्तर पर भी महिलाएं, कई सारी पदों पर विराजमान है,मिसाल के तौर पर देखा जाए तो ग्रामीण महिलाएं सरकार के तमाम योजना से जुड़ कर काम कर रहीं है। आंगनबाड़ी हो या फिर स्वास्थ्य क्षेत्र हो हर क्षेत्र में इन्होंने परचम लहराया है। अब हालात के साथ वक्त भी बदल गया है, आज महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं हैं वो जहाज़ उड़ाने से लेकर चांद के पार तक सफ़र कर चूंकि है,और इन सब को करने में सरकार का काफ़ी योगदान रहा है, सरकार ने हर मैदान में महिलाओं को आगे रखा है, कल तक जिसे बहुत कुछ नहीं आता था आज वो भी एक सफ़ल कार्य कर अपने घरों को चला रही है, खास कर देखा जाए तो बगैर पढ़ी लिखी महिलाएं भी आज एक सफ़ल बिजनेस वूमेंस बन कर उभर रहीं हैं या यूं कहें उभरी हैं,क्योंकि सरकार ने जो भी योजनाएं चलाई है उसमें सबसे ज़्यादा भागीदारी महिलाओं का ही रहा है,चाहे वो शहरी इलाका हो या ग्रामीण स्तर। ऐसे देखा जाए तो ग्रामीण महिलाएं आज बहुत ही आगे है,क्योंकि वो तरह तरह के रोज़गार से जडीं कर अपना आजीविका चला रही है। और ये तमाम बातें हमें विकसित भारत की ओर ले जा रहा है,हमारे सपने साकार हुए हैं, केन्द्र और राज्यों की सरकारों ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अच्छे कदम उठाये हैं। सरकारी योजनों से उन्हें लगातार लाभान्वित किया जा रहा है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा ऋण, उज्ज्वला योजना समेत अन्य कई योजनाएं इस बाबत उल्लेखनीय हैं। ये सभी स्वागत-योग्य कदम हैं। लेकिन, विकसित भारत की राह हमारी तब और आसान हो जायेगी, जब गरीबी-बेरोजगारी के खिलाफ भी राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाये। यह अत्यन्त आवश्यक है। रोजी-रोटी की समस्या सुलझती रहे, तो हमारा कार्य और सुगम हो जायेगा। इन सबके बीच जो सबसे आवश्यक बिन्दु है, वह है सौहार्द का सशक्तीकरण। प्रेम और भाईचारे को मजबूती देकर ही यह सम्भव है। पूरी दृढ़ता के साथ कहा जा सकता है कि जब सौहार्द का सशक्तीकरण हो जायेगा, विकसित भारत का कारवां तब ख़ुद ब-खुद तैयार हो जायेगा। ***(लेखिका रांची स्थित वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके निजी विचार हैं।)***

अलग बात

शेख तंजीला नाज़

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस - 8 मार्च, 2025

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासारूं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

मध्य प्रदेश के दमोह में गरीब महिलाओं के लिए वरदान

'पीएम विश्वकर्मा योजना' से घर बैठे कर रहीं कमाई

एजेंसी। दमोह

केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक 'पीएम विश्वकर्मा योजना' गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से गरीब महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ गई हैं। अब वे कमाई कर अपने परिवार का खर्च चला रही हैं।

दरअसल, मध्य प्रदेश के दमोह जिले के नंदपुरा गांव में छह आदिवासी महिलाओं ने 'पीएम विश्वकर्मा योजना' का फॉर्म भरा था। इसके बाद उन्होंने तीन महीने तक सिलाई मशीन, कपड़ों की बुनाई जैसे कामों की मुफ्त ट्रेनिंग ली। प्रशिक्षण के बाद वे घर पर सिलाई-कढ़ाई का काम करके परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। लाभार्थी विद्या बाई गौंड ने आईएएनएस को बताया, "मैंने 'पीएम विश्वकर्मा योजना' का ऑनलाइन फॉर्म भरा था। इसके बाद मैंने ट्रेनिंग ली। मैंने घर पर ही एक छोटी सी दुकान बनाई है। मैं यहां सिलाई का काम करती हूं, इससे ही घर का पालन-पोषण कर पा रही हूं।"

उन्होंने कहा, "मेरे तीन बच्चे हैं और मैं सिलाई का काम कर रोजाना करीब 150 से 200 रुपये कमा लेती हूं। मैं पीएम मोदी का आभार व्यक्त करती हूं, जो मुझ जैसी गरीब महिलाओं के बारे में सोचते हैं। मेरी अपील है कि वे ऐसे ही हमारी रक्षा करते रहें।"

लाभार्थी रजनी ने बताया कि वह नंदपुरा में रहती हैं। तीन महीने पहले 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरा था। इसके बाद मुझे सात दिन का प्रशिक्षण मिला। उन्होंने कहा, "मैं इस योजना से जुड़कर खुश हूं। मुझे सिलाई करके रोजाना 200 से 500 रुपये की आमदनी हो जाती है।"इस योजना के तहत पहले कारीगरों को पांच दिनों का बुनियादी प्रशिक्षण और 15 दिनों का उन्नत प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा, कारीगरों को प्रतिदिन 500 रुपये का मेहनताना भी दिया जाता है। ट्रेनिंग में सफल होने पर कारीगरों को 15 हजार रुपये तक की सिलाई मशीन खरीदने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है, और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के आधार पर कारीगरों को तीन लाख रुपये तक का लोन भी दिया जाता है।

कोई भी नशीला पदार्थ बेचता दिखे तो बताएं, होगी कार्रवाई : सीएम

एजेंसी। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को मोहाली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की कि अगर कहीं पर कोई नशीला पदार्थ बेचता दिखे, तो फौरन उसकी जानकारी दें। उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। भगवंत मान ने सिटी सर्विलांस और ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद ये बातें कही। उन्होंने अपने संबोधन में मुख्य रूप से पंजाब में नशे की समस्या का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "हमने पंजाब में नशे के खिलाफ एक युद्ध छेड़ा है। यह फैसला एक दिन में लिया जाने वाला फैसला नहीं है। इसे लेने में लंबा समय लगा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि ड्रग्स की सप्लाई लाइन तोड़ दीजिए। अब सप्लाई लाइन तो आप दो दिन में तोड़ देंगे, लेकिन इससे काम नहीं चलेगा। अगर आप सप्लाई लाइन तोड़ेंगे, तो इससे हमारे युवा नशे के लिए तड़पेंगे। ऐसी स्थिति में उनकी हालत पहले से भी बदतर हो जाएगी। इसी स्थिति से बचने के लिए हमने राज्य में पुनर्वास केंद्र बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग नशा करते हैं, उन्हें जेल में बंद करके क्या मिलेगा। ऐसे लोग तो मरीज हैं।

प्रधानमंत्री ने पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाने पर दिया जोर, बोले-

उत्तराखंड में कोई ऑफ सीजन नहीं होना चाहिए

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उत्तराखंड में कोई भी मौसम ऑफ सीजन नहीं होना चाहिए और पर्यटन को यहां हर मौसम में चालू रहना चाहिए। उन्होंने राज्य में बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड के हर्षिल में ट्रेक और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाने के बाद शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उत्तरकाशी जिले के हर्षिल में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने माणा गांव में हुई हिमस्खलन की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में देश के लोग प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता के साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाना और इसे सालभर चलने वाली गतिविधि बनाना उत्तराखंड के लिए महत्वपूर्ण और आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कोई ऑफ-सीजन नहीं होना चाहिए और पर्यटन को हर मौसम में फलना-फूलना चाहिए। वर्तमान में पहाड़ों में पर्यटन मौसमी है, जिसमें मार्च, अप्रैल, मई और जून के दौरान पर्यटकों की अच्छी-खासी आमद होती है। हालांकि, इसके बाद पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आती है, जिससे सर्दियों के दौरान अधिकांश होटल, रिसॉर्ट और होमस्टे खाली हो जाते हैं। इस असंतुलन के कारण उत्तराखंड में साल के एक बड़े हिस्से में आर्थिक स्थिरता बनी रहती है और पर्यावरण के लिए भी चुनौतियां पैदा होती हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुविधाओं के विकास के साथ-साथ जागरुकता फैलाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है और उन्होंने देश के युवा कंटेंट क्रिएटर्स से उत्तराखंड की शीतकालीन पर्यटन पहल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने में कंटेंट क्रिएटर्स के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए मोदी ने उनसे उत्तराखंड में नए गंतव्यों की खोज करने और अपने अनुभवों को जनता के साथ साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य सरकार को उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कंटेंट क्रिएटर्स द्वारा लघु फिल्में बनाने की प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव दिया।

उत्तराखंड के गर्म झरनों को वेलनेस स्पा में विकसित किया जा सकता है

मोदी ने कई देशों में शीतकालीन पर्यटन की लोकप्रियता को रेखांकित किया और इस बात पर जोर दिया कि उत्तराखंड अपने शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उनके अनुभवों से सीख सकता है। उन्होंने उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र के सभी हितधारकों, होटल और रिसॉर्ट मालिकों से इन देशों के मॉडल का अध्ययन करने का आग्रह किया। उन्होंने उत्तराखंड सरकार से ऐसे अध्ययनों से प्राप्त कार्रवाई योग्य बिंदुओं को सक्रिय रूप से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने स्थानीय परंपराओं, संगीत, नृत्य और व्यंजनों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के गर्म झरनों को वेलनेस स्पा में विकसित किया जा सकता है और शांत, बर्फ से ढके क्षेत्रों में शीतकालीन योग रिट्रीट की मेजबानी की जा सकती है। उन्होंने योग गुरुओं से उत्तराखंड में सालाना योग शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने उत्तराखंड की एक विशिष्ट पहचान स्थापित करने के लिए सर्दियों के मौसम में विशेष वन्यजीव सफारी के आयोजन का भी सुझाव दिया। उन्होंने इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 360 डिग्री दृष्टिकोण अपनाने और हर स्तर पर काम करने पर जोर दिया।

राजस्थान के सड़क हादसे में एक परिवार के छह सदस्यों की मौत

सिरोही। राजस्थान के सिरोही जिले के आबूरोड में आज तड़के हुए सड़क हादसे में एक परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। हादसे में परिवार की एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा तड़के लगभग तीन बजे किवरली के पास उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार ट्रॉले से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और ट्रॉले के नीचे जा घुसी। माउंट आबू सीओ गोमाराम के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास के क्षेत्र में तेज धमाके की आवाज गूंज उठी। हाइवे पर पेट्रोलिंग कर रही पुलिस वैन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने बताया कि मौके पर चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पुलिस ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन कार बुरी तरह से पिचकने के कारण शव अंदर फंस गए थे।

बिहार में औरंगजेब पर गरमाई सियासत

जदयू ने कहा-सभी धर्म का सम्मान औरंगजेब का नहीं

एजेंसी। पटना

औरंगजेब को लेकर बिहार की सियासत भी गर्म हो गई है। जदयू के विधायक ने तो यहां तक कह दिया कि अगर आज वे यहां होते तो सरकार उन्हें फांसी की सजा देती।

पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए जदयू के विधायक डॉ. संजीव ने कहा कि औरंगजेब की जो भी तारीफ कर रहे हैं, वे देशद्रोही हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों। गर्व से कहते हैं कि हम सनातनी हैं। मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं, लेकिन औरंगजेब का सम्मान नहीं कर सकता। उसने सारे मंदिरों को तुड़वा दिए। कितनों का जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवाया। सिखों के धर्मगुरु के बेटों का कत्ल करवाया। इसके विषय में कोई तारीफ करे तो दुखद है। कोई भी तारीफ करे, उन्हें पाकिस्तान या बांग्लादेश भेज देना चाहिए। राजद के विधायक अख्तरुल ईमान शाहीन ने औरंगजेब को लेकर कहा कि कई इतिहासकारों ने उन्हें ईमानदार भी कहा है तो कई ने औरंगजेब को क्रूर बताया है। हम लोग इतिहास के तो विद्यार्थी नहीं हैं कि बता सकें। हम लोग न उनकी प्रशंसा करते हैं, न निंदा करते हैं, हम लोग तो वर्तमान देख रहे हैं। भाजपा के लोग तो विवादास्पद मुद्दे लाते ही हैं, मूल समस्या पर बात नहीं की जाती। राजद के विधायक वीरेंद्र ने कहा कि औरंगजेब मामले पर भाजपा को दूसरा कोई काम नहीं है। जब देश की आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी तब हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई ने कुर्बानी दी थी। इन्हें धर्म के एक वर्ग के लोगों के खिलाफ बोलने की आदत रही है। ये भारतीय हो ही नहीं सकते। ये सनातन-सनातन करते हैं, असली सनातनी तो हम हैं। उल्लेखनीय है कि औरंगजेब की तारीफ करने पर समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता और विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के मौजूदा सत्र से निलंबित कर दिया गया है। जदयू एमएलसी खालिद अनवर ने बुधवार को अबू आजमी के निलंबन को गलत बताया था।

अबू आजमी के औरंगजेब को महान शासक बताने पर खालिद अनवर ने कहा था कि यह ऐसा विचार-विमर्श नहीं है, जिसके लिए फ्लोर पर राजनीति की जाए। मुझे हैरत होती है कि औरंगजेब को कुछ इतिहासकारों ने बहुत अच्छा शासक बताया है।

योगी सरकार ऐप से करेगी टीकाकरण की निगरानी

एजेंसी। लखनऊ

अब नहीं छूटेगा कोई बच्चा

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सूबे के हर एक बच्चे का नियमित टीकाकरण कराने के उद्देश्य से स्टाफ नर्स, एएनएम और हेल्थ विजिटर को डिजिटल प्रशिक्षण दे रही है। त्वरित टीकाकरण कौशल संवर्धन (रैपिड इम्यूनाइजेशन स्किल एन्हांसमेंट या राइज) ऐप का प्रशिक्षण मिलने के बाद स्वास्थ्य कर्मी टीकाकरण कार्यक्रम, सत्र प्रबंधन, टीके को लेकर सुरक्षा, कोल्ड चेन प्रबंधन के सिद्धांत, टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव और टीकाकरण से इनकार करने वाले लोगों पर नजर रख सकेंगे और उनके बच्चों का टीकाकरण करवा सकेंगे। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि पहल का उद्देश्य नियमित टीकाकरण में लगे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कौशल और कार्यप्रणाली में सुधार करना है। यह ऐप टीकाकरणकर्ताओं के क्षमता निर्माण में इस तरह से काम कर रहा है कि नियमित टीकाकरण को लेकर समय-समय पर दिशा-निर्देश बदलते रहते हैं, जैसे नई तकनीकों को शामिल करना। डॉ. अजय ने बताया कि पायलट के तौर पर यह ऐप देश के 181 जिलों में लागू किया गया था, जहां पर इसका प्रयोग सफल रहा। अब इसे प्रदेश में लागू कर दिया गया है और इसको लेकर जिलास्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण समस्त 75 जनपदों में पूर्ण किया जा चुका है। इस वक्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण चल रहा है। इससे लगभग 52,175 टीकाकरणकर्ता लाभान्वित होंगे। पहली प्राथमिकता यह होती है कि इन बदलावों के बारे में टीका लगाने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को जल्द से जल्द बताना, जिससे टीकाकरण समय और कुशलता से सुनिश्चित हो सके।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संताप को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

शमी ने रोजा नहीं रखकर गुनाह किया, शरीयत की नजर में मुजरिम : मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

एजेंसी। बरेली

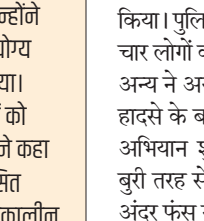

बरेली, 6 मार्च (आईएएनएस)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी धर्मगुरुओं के निशाने पर आ गए हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी का कहना है कि शमी ने पवित्र रमजान के माह में रोजा नहीं रखा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर ने रोजा न रखकर बहुत बड़ा गुनाह किया है, शरीयत की नजर में वह मुजरिम हैं। दरअसल, दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहम्मद शमी का एनर्जी ड्रिंक पीते हुए फोटो वायरल हुई थी। उनकी इसी फोटो पर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने नाराजगी जताई है और क्रिकेटर को नसीहत भी दी। मौलाना शहाबुद्दीन ने मोहम्मद शमी के रोजा नहीं रखने पर आपत्ति जताते हुए कहा, ''इस्लाम ने रोजे को फर्ज करार दिया है और अगर कोई शख्स जानबूझकर रोजा नहीं रखता है तो वह निहायत गुनाहगार है। ऐसे ही क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने किया है, उन्होंने रोजा नहीं रखा, जबकि रोजा रखना उनका वाजिब फर्ज है। रोजा न रखकर मोहम्मद शमी ने बहुत बड़ा गुनाह किया है, शमी शरीयत की नजर में मुजरिम हैं। उन्होंने आगे कहा कि मोहम्मद शमी को हरगिज ऐसा नहीं करना चाहिए। मैं उनको हिदायत और नसीहत भी देता हूं कि इस्लाम के जो नियम हैं, उन पर वो अमल करें। क्रिकेट, खेलकूद भी करें, सारे काम अंजाम दें, मगर अल्लाह ने जो जिम्मेदारी बंदे को दी है, उनको भी निभाएं। इतनी तमाम चीजों को मोहम्मद शमी को समझना चाहिए। बता दें कि दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 264 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 265 रनों का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 11 गेंद शेष रहते चार विकेट से मैच जीत लिया था।

तस्करी गिरोह से जुड़े रान्या राव के तार, मुख्य आरोपियों और विदेशी लिंक पर जांच केंद्रित

एजेंसी। बेंगलुरू

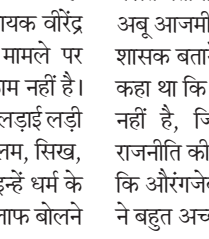

कन्नड़ अभिनेत्री और आईपीएस अधिकारी की बेटी रान्या राव की गिरफ्तारी की जांच में पता चला कि वह सोने की तस्करी नेटवर्क का हिस्सा थी और दुबई से बेंगलुरू तक सामान की तस्करी के लिए भारी कमीशन लेती थी।

जांच में पता चला है कि रान्या राव सरगनाओं के इशारे पर सोने की तस्करी कर रही थी और अंतरराष्ट्रीय गिरोह का गठजोड़ बहुत गहरा था। सूत्रों ने बताया कि अभिनेत्री इतनी अमीर नहीं थी कि 17.29 करोड़ रुपये का सोना खरीद सके। अधिकारियों ने पाया कि अभिनेत्री को दुबई से बेंगलुरू तक एक किलोग्राम सोने की तस्करी करने के लिए 4 लाख से 5 लाख रुपये का कमीशन मिला था। सरगनाओं ने उसे सोने की तस्करी में शामिल किया, क्योंकि उन्हें अच्छी तरह पता था कि वह एक सेवारत आईपीएस अधिकारी की बेटी है और इसका फायदा उठाकर तस्करी को अंजाम दे सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों को इसमें बेंगलुरू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के कर्मचारियों की संलिप्तता का भी संदेह है। जांच अब इस बात पर केंद्रित है कि रान्या राव ने सोना किसे सौंपा। और पिछले दो वर्षों के लेन-देन का विश्लेषण कर रहे हैं। उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है और नेटवर्क के बारे में सुराग पाने के लिए फोन से जानकारी एकत्र की जा रही है। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि रान्या राव से हवाई अड्डे और उसके आवास से भारी मात्रा में सोना और नकदी जब्त होने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस मामले को अपने हाथ में ले सकता है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारी उनके आवास से जब्त की गई 2.67 करोड़ रुपये की कथित नकदी की जानकारी ईडी के साथ साझा कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि राव पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भी आरोप लग सकते हैं।

पीएम नवसारी में लखपति दीदी का करेंगे सम्मान

- **25 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी जाएगी**

एजेंसी। अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 7 तथा 8 मार्च को गुजरात की यात्रा पर हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नवसारी जिले का दौरा करेंगे। उनकी अध्यक्षता में नवसारी स्थित वाँसी बोरसी में लखपति दीदी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के हाथों से 25 हजार से अधिक स्वयंसहायता समूहों की महिलाओं को 450 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि देश की महिलाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने एवं उनका सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त, 2023 को लखपति दीदी योजना का आरंभ कराया था। लखपति दीदियाँ स्वयं सहायता समूहों की सदस्य हैं, जो महिला आत्मनिर्भरता के माध्यम से कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग आदि जैसे विभिन्न आय स्रोतों से मासिक 10,000 रुपये या उससे अधिक तथा वार्षिक एक लाख रुपए या उससे अधिक आय अर्जित करती हैं। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में हुए व्यापक प्रयासों के चलते आज लगभग एक लाख 50 हजार महिलाओं की वार्षिक आय एक लाख या उससे अधिक पर पहुँची है तथा वे लखपति दीदियाँ बनी हैं। नवसारी में वाँसी बोरसी में आयोजित होने वाले लखपति दीदी सम्मेलन में नवसारी, वलसाड तथा डांग जिलों की एक लाख महिलाएं भाग लेंगी। इन महिलाओं में स्वयं सहायता समूहों की वे सदस्य महिलाएँ शामिल होंगी, जो लखपति दीदी बनी हैं या बनने की इच्छा रखती हैं। चयन की गईं 10 लखपति दीदियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संवाद करेंगे और 5 लखपति दीदियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित करेंगे। इसके अतिरिक्त; गुजरात में लखपति दीदी योजना अंतर्गत जो प्रगति हुई है, उसे दर्शाने वाली एक फिल्म भी इस कार्यक्रम के दौरान दिखाई जाएगी।

जी-मैत्री योजना भी होगी लांच

ग्रामीण स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी समाधानों के लिए सामाजिक उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से जी-मैत्री योजना (गुजरात मेंटोरशिप तथा एक्सीलरेशन ऑफ इनडिविड्युअल फॉर ट्रांसफॉर्मिंग रुरल इनकम) लॉन्च की जाएगी। गुजरात सोशल एंटरप्राइज फंड (जी-एसईएफ) द्वारा आगामी पाँच वर्षों में ग्रामीण आजीविका-केन्द्रित स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए 50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस योजना से गुजरात में 10 लाख ग्रामीण महिलाओं व युवाओं को आजीविका-उन्मुखी गतिविधियों के लिए सक्षम बनाया जाएगा। इस योजना के तहत सामाजिक उद्यमों को नए स्टार्टअप तथा वृद्धिशील स्टार्टअप कैटेगरी में प्रोत्साहन सहायता दी जाएगी। जी-मैत्री अंतर्गत गुजरात में ग्रामीण महिलाओं व युवाओं के लिए आजीविका को समक्ष करने वाले लाभकारी तथा अलाभकारी सामाजिक उद्यम भाग ले सकते हैं। सीड तथा स्केल स्टार्टअप प्रोग्राम्स द्वारा पांच वर्ष में 150 से अधिक स्टार्टअप्स को सपोर्ट दिया जाएगा।

कार्यालय,असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी लोहरदगा

Address :Civil Surgeon Office, Lohardaga, 835302,
Email : cs.lohardaga2@gmail.com
Bid No. e-Tender 01 /DHSLGD/2024-25 Dated: 06.03.2025

VERY SHORT-TERME-TENDER

Notice Inviting Tender

1. Civil Surgeon, Lohardaga hereby invites separate Technical bid and Financial Bid (Two Envelop system) through e-Tender from eligible bidders willing to provide, maintain and operate Mobile Medical Units infrastructure to provide primary and selective secondary healthcare under PMJANMAN program in Lohardaga District. The tender documents with detail conditions can be obtained through website http://jharkhandtenders.gov.in and should be submitted through e-procurement system only. The eligible bidders must be necessarily be registered in e-procurement portal. Following will be the schedule for the tender process.

S.N	Description	Date
1	Date of publication of Tender Documents	07.03.2025
2	Closing Date and Time of Receipt of Bid	17.03.2025 (11.30 am)
3	Time, Date and Venue of Opening of Bid.	18.03.2025 (11.30 am)

Note: 1. The above dates may change due to abrupt declaration of holidays.
2. Detailed tender document can be downloaded through website http://jharkhandtenders.gov.in

PR 347991 Lohardaga(24-25)#D

Civil Surgeon cum Chief Medical Officer, Lohardaga

राष्ट्रीय नवीन मेल

चैंपियनयंस ट्रॉफी 2025

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शुक्रवार, 07 मार्च 2025
10

डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 27 मार्च से होगा हीरो इंडियन ओपन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत का बहुप्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंट हीरो इंडियन ओपन का 2025 संस्करण 27-30 मार्च तक गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित किये जाने की गुरूवार को घोषणा की गई। इस गौरवपूर्ण गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे, जिसमें 2024 और 2025 के शेड्यूल के सबसे प्रमुख सितारे और चैंपियन शामिल हैं। उल्लेखनीय नामों में जैक्स क्रुइसविज्क, जोहान्स वीरमैन, जूलियन ग्यूरियर, एंजेल हिडाल्गो, फ्रेडरिक लैक्रोइक्स, डेविड रेवेटो, इवेन फर्ग्यूसन और गुइडो मिग्लिओजी शामिल हैं। 2.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का हीरो इंडियन ओपन डीपी वर्ल्ड टूर के एशियाई स्विंग का हिस्सा है, जिसमें सिंगापुर क्लासिक, चाइना ओपन और हैनान क्लासिक भी शामिल हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल ब्रायडन कार्स की जगह वियान मुल्डर को टीम में शामिल किया

मुंबई(आईएएनएस)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आगामी संस्करण से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की टीम में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर वियान मुल्डर को शामिल किया जाएगा। मुल्डर 75 लाख रुपये में एसआरएच से जुड़ेंगे। उन्होंने 18 टेस्ट और 25 वनडे के अलावा 11 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 60 विकेट लिए हैं और 970 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं।

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 13 भारतीय प्रविष्टियों के साथ रिकॉर्ड-तोड़ मुख्य ड्रॉ के लिए तैयार

चेन्नई (आईएएनएस)। पेरिस 2024 ओलंपिक की गति को बनाए रखते हुए, भारतीय टेबल टेनिस ने अपनी बढ़त जारी रखी है, जिसमें 13 प्रविष्टियों ने अपनी रैंक के आधार पर डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 2025 के लिए सीधे योग्यता अर्जित की है - भारत में आयोजित सभी तीन डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर इवेंट्स में रिकॉर्ड-तोड़ भारतीय उपस्थिति। जापान के टोमोकाज़ू हरिमोटो (विश्व नंबर 4) और हिना हयाता (विश्व नंबर 5) के नेतृत्व में एक दुर्जेय विदेशी लाइनअप के साथ, 25 मार्च को एक रोमांचक टूर्नामेंट की शुरुआत के लिए मंच तैयार है।

स्मिथ के वनडे संन्यास पर बोले धवन

आप एक कट्टर प्रतिस्पर्धी व अविश्वसनीय लीडर रहे हैं

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने स्टीव स्मिथ को उनके शानदार वनडे करियर के लिए बधाई दी और उन्हें एक कट्टर प्रतिस्पर्धी और एक अविश्वसनीय लीडर बताया। स्मिथ, जो पैट कमिंस की अनुपस्थिति में चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टैंड-इन कप्तान थे, वे मंगलवार को दुबई में आठ टीमों की प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट और टी20 प्रारूप खेलना जारी रखेंगे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका सामना 9 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। धवन ने एक्स पर लिखा, "आपने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए बधाई स्टीव स्मिथ , आप खेल में एक कट्टर प्रतियोगी और एक अविश्वसनीय लीडर रहे हैं। आपकी अगली यात्रा भी उतनी ही संतोषजनक हो। स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 170 वनडे खेले, जिसमें उन्होंने 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने गेंद से भी योगदान दिया और 28 विकेट लिए। यह बल्लेबाज 2015 और 2023 में ऑस्ट्रेलिया की

वनडे विश्व कप विजेता टीमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से एक बयान में स्मिथ ने कहा, "यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने इसके हर मिनट का आनंद लिया है। "बहुत सारे अद्भुत पल और शानदार यादें रही हैं। दो विश्व कप जीतना एक शानदार उपलब्धि थी और साथ ही कई शानदार टीम-साथियों ने भी

> *बहुत सारे अद्भुत पल और शानदार यादें रही हैं। दो विश्व कप जीतना एक शानदार उपलब्धि थी और साथ ही कई शानदार टीम-साथियों ने भी इस यात्रा को साझा किया।*

इस यात्रा को साझा किया। अपने फैसले के बारे में बताते हुए स्मिथ ने कहा कि नए चेहरों के लिए वनडे फॉर्मेट में आगे आने का यह बिल्कुल सही समय है।उन्होंने कहा, "अब लोगों के लिए 2027 विश्व कप की तैयारी शुरू करने का एक शानदार अवसर है, इसलिए ऐसा लगता है कि यह सही समय है। राष्ट्रीय टीम के साथ अपने भविष्य के बारे में स्मिथ ने कहा, "टेस्ट क्रिकेट अभी भी प्राथमिकता है और मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल, सर्दियों में वेस्टइंडीज और फिर घर पर इंग्लैंड के खिलाफ खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मुझे अभी भी उस मंच पर बहुत कुछ योगदान देना है।

महिलाओं को अपने सपनों के लिए फोकस होकर करना चाहिए काम : ज्योति

नवी मुंबई। प्रसिद्ध बाधा दौड़ एथलीट ज्योति याराजी ने कहा है

कि महिलाओं को अपने सपनों के लिए फोकस होकर काम करना चाहिए। ज्योति ने 'आईएएनएस' से कहा,''एक महिला होने के नाते मेरी यह यात्रा बिल्कुल आसान नहीं रही । पहले तो मेरे माता पिता किसानी करते थे इसलिए उन्हें खेलों के बारे में इतनी जानकारी नहीं थी। वहां से आकर मैंने प्रशिक्षण लिया और तब जाकर यहां तक पहुंची हूं। उन्होंने कहा,''देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार को चाहिए कि छोटे-छोटे खेलों के बारे में जागरूकता बढ़ाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों का काफी अच्छा असर पड़ रहा है । इससे देश के दूर दराज के लोग भी यहां तक पहुंच रहे हैं। ज्योति याराजी आंध्र प्रदेश की एक भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं। वह 100 मीटर बाधा दौड़ में माहिर हैं और अपने नाम भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड रखती हैं। उन्होंने 10 मई 2022 को 13.23 सेकंड का समय लेकर अनुराधा बिस्वाल का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा था।उन्होंने कहा,''अभी ट्रेनिंग बहुत चैलेंजिंग चल रही है। एक-एक चीज पर बहुत ध्यान दे रहे हैं।

शमी के बाद, न्यूजीलैंड के साउदी ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटाने की मांग की

नई दिल्ली (आईएएनएस)

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटाने के आह्वान का समर्थन किया है, ताकि गेंदबाजों को गेंद से रिवर्स स्विंग हासिल करने में मदद मिल सके। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मई 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान एक अस्थायी उपाय के रूप में खिलाड़ियों को गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। सितंबर 2022 में, आईसीसी ने इसे स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया। चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की चार विकेट की जीत के बाद, शमी ने कहा, "हम (रिवर्स स्विंग हासिल करने की) कोशिश कर रहे हैं, लेकिन गेंद पर लार के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। हम अपील करते रहते हैं कि हमें लार का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए ताकि हम खेल में रिवर्स स्विंग वापस ला सकें और यह दिलचस्प बन जाए। शमी के आह्वान का समर्थन करते हुए, साउदी ने आईसीसी से गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटाने और गेंदबाजों को कुछ लाभ देने का आग्रह किया। साउदी ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के मैच डे पर कहा, "यह नियम कोविड के कारण लाया गया था, क्योंकि वायरस दुनिया भर में फैल रहा था, लेकिन मुझे लगता है कि एक गेंदबाज के तौर पर आप थोड़ा लाभ चाहते हैं। हम खेल को उसी तरह आगे बढ़ते हुए देखते हैं, जिस तरह से यह चल रहा है और इस प्रारूप में टीमें 362 और अक्सर 300 से अधिक स्कोर बनाती हैं। मुझे लगता है कि गेंदबाजों के पक्ष में कुछ होना चाहिए, और चाहे वह थोड़ा सा लार हो, तो हां , मुझे नहीं लगता कि वे इसे वापस लाने का जोखिम क्यों नहीं उठा सकते। ब्लैक कैप्स के अनुभवी तेज गेंदबाज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गेंद के एक तरफ चमकाने और रिवर्स स्विंग को प्रेरित करने के लिए लार का उपयोग करना।

सचिन के स्ट्रेट ड्राइव ने मुझे 15 साल पीछे पहुंचा दिया: वॉटसन

वडोदरा । खचाखच भरे बीसीए स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर की शानदार मास्टरक्लास देखने

को मिली, जब इस महान बल्लेबाज ने इंडिया मास्टर्स और ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स के बीच खेले गए हाई-स्कोरिंग इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) 2025 के मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए समय को पीछे मोड़ दिया। तेंदुलकर ने महज 33 गेंदों पर 64 रन की तेज पारी खेली, जिसमें सात चौके और चार शानदार छक्के शामिल थे।

पोंटिंग की बल्लेबाजी और उनके पुल शॉट से प्रेरित हुआ : पायला अविनाश

नईदिल्ली। आंध्र प्रदेश के ऑलराउंडर पायला अविनाश ने याद किया कि कैसे वह यूट्यूब पर रिकी पोंटिंग के बल्लेबाजी वीडियो देखकर प्रेरित होते थे, खासकर उनके ट्रेडमार्क पुल शॉट से, क्योंकि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स के लिए पोंटिंग की कोचिंग में खेलने के लिए तैयार हैं। अविनाश ने गुरुवार को फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, "वह एक लीजेंड हैं। मैं रिकी पोंटिंग के बल्लेबाजी वीडियो देखता था, जिसमें वह पुल शॉट खेलते थे जिनसे प्रेरणा मिल सके।

शिव प्रसाद साहू मेमोरियल टी 20 टूर्नामेंट में मुंबई व कोलकाता ने दिखाया दम

- **जीत के साथ मुंबई टीम ने सेमीफाइनल में बनाई जगह**

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। बीएस कॉलेज स्टेडियम में गुरुवार को स्वर्गीय शिव प्रसाद साहू मेमोरियल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। पहले मैच में मुंबई ने ओडिशा को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दूसरे मुकाबले में कोलकाता ने लोहरदगा को शिकस्त दिया। पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 164 रन बनाए। आशीर्वाद स्वान ने 43 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि मुम्बई के गेंदबाज हर्ष मेंडन ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट चटकाए। जवाब में मुंबई की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाकर जीत दर्ज की। तनय कुमार विश्वाल ने 55 रन 5 चौके, 3 छक्के और राम रोशन ने 68 रन 8 चौके, 4 छक्के की दमदार पारियां खेलीं। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए राम रोशन को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया, और उन्हें 10 हजार का चेक व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। दूसरे मुकाबले में कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 215 रन बनाए। विशाल भारती ने 89 रन की शानदार पारी खेली, जबकि लोहरदगा के गेंदबाज जतिन पांडेय ने 52 रन देकर 4 विकेट लिए। जवाब में लोहरदगा की टीम 123 रन पर सिमट गई। कुणाल सिंह ने 38 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। कोलकाता के सक्षम चौधरी ने 27 रन देकर 4 विकेट, जबकि विशाल भारती ने 2 विकेट लिए। शानदार प्रदर्शन के लिए विशाल भारती को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।

अमेरिका भारत से आयात पर जैसे को तैसा कर लगाने से भारत को हो सकता है 3,906 करोड़ रू. का व्यापार घाटा

बीते वर्ष भारत -अमेरिका के बीच हुए हैं 11,226 करोड़ रू. के लगभग का व्यापार

ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र में अपने पहले संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को सीधे चेतावनी देते हुए , 2 अप्रैल से हमारे उत्पादों पर जवाबी आयात शुल्क यानी रेसिप्रोकल टैरिफ यानी 'जैसे को तैसा टैरिफ' लगाने का एलान करते हुए कहा - "भारत हमसे 100% ऑटो टैरिफ वसूलता है, चीन हमसे दोगुना टैरिफ वसूलता है, दक्षिण कोरिया चार गुना टैरिफ लगाता है। यह दोस्त व दुश्मन दोनों की तरफ से हो रहा है। यह प्रणाली अमेरिका के लिए उचित नहीं है, यह कभी नहीं थी।" ट्रंप ने कहा, "अन्य देशों ने दशकों से हमारे खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल किया है। अब उन अन्य देशों के खिलाफ उनके हथियार का ही इस्तेमाल करने की हमारी बारी है। औसतन यूरोपीय संघ, चीन, ब्राजील, भारत और अनगिनत अन्य देश हमसे बहुत अधिक टैरिफ वसूलते हैं। उनकी तुलना में हम उनसे कम टैरिफ लेते हैं। यह बिल्कुल अनुचित है। ट्रंप का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के बाद आया है।जहां तक आयात कर या टैरिफ का सवाल है , यह वह शुल्क होता है, जो कोई देश किसी अन्य देश से आयात होने वाले सामान पर लगाता है। जैसे यदि अमेरिका का कोई व्यक्ति भारत के बनारस से लंगड़ा आम मंगाता है, तो उसे न केवल उन आम के दाम का भुगतान करना होगा, बल्कि उसे उस पर अमेरिका सरकार द्वारा लगाए गए शुल्क का भी अलग से भुगतान करना पड़ेगा। यह शुल्क उस देश की सरकार लगाती है, जहां यह उत्पाद आयात किया जा रहा है। इसे ही आयात शुल्क कहा जाता है। अलग-अलग देशों की सरकारें अपने यहां आयात होने वाले सामानों पर अलग-अलग शुल्क लगाती हैं और अपने खजाने को भरती हैं।

अलग-अलग देश एक-दूसरे पर अलग-अलग दर से टैरिफ क्यों लगाते?

दूसरे युद्ध के बाद से ही कई देशों ने अपने उत्पादों के आयात-निर्यात पर शुल्क न लगाने का फैसला किया था और उत्पादों पर टैरिफ न लगाकर व्यापार को अधिकतर मुफ्त रखा। यानी अगर कोई दो देश एक-दूसरे पर आयात शुल्क नहीं लगाते तो उनके नागरिकों को कोई उत्पाद एक-जैसी कीमत पर ही मिलेंगे। इसमें ज्यादा से ज्यादा उत्पाद को पहुंचाने का शुल्क (डिलीवरी फीस) ही जुड़ सकती है। यह नियम ज्यादातर विकसित देशों पर लागू होते हैं, क्योंकि इन देशों के पास पहले से ही मजबूत अर्थव्यवस्था और औद्योगिक क्षमताएं मौजूद रहीं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने आपसी सहमति से यह निर्णय लिया कि चूंकि विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे बढ़ रही है और इनमें उद्योगों को भी विकसित करने की जरूरत है, इसलिए इन्हें आयात शुल्क लगाने की छूट दी जा सकती है। भारत व अमेरिका के मामले में भी यही नियम लागू होता है। जहां अमेरिकी अर्थव्यवस्था 19वीं सदी में ही मजबूत हो चुकी थी, वहीं भारत की आर्थिक स्थिति 20वीं सदी के अंत में बेहतर होना शुरू हुई। इसलिए विकसित देश- अमेरिका के मुकाबले विकासशील देश- भारत को ज्यादा आयात शुल्क वसूलने की छूट दी जाती है। एक कारण यह भी है कि इन शुल्कों के जरिए भारत और अन्य विकासशील देश अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं और अपना विदेशी मुद्रा भंडार भी भर सकते हैं।अमेरिका का कोई व्यक्ति अगर भारत से कार मंगाता है तो 10 लाख कीमत वाली कार के लिए उसे आयात शुल्क के साथ करीब 12 लाख 50 हजार रुपये का भुगतान करना पड़ सकता है। दूसरी तरफ अगर भारत का कोई आदमी अमेरिकी कार खरीदता है तो उसे ज्यादा आयात शुल्क की वजह से 20 लाख रुपये चुकाने पड़ेंगे। यह कीमतें इन उत्पादों को पहुंचाने की कीमत (डिलीवरी फीस) को जोड़े बिना है। अब तक इस तरह की व्यवस्था को डब्ल्यूटीओ ने मान्यता दी है। यह व्यवस्था काफी हद तक ठीक भी रही है। इसको कृषि क्षेत्र के उदाहरण से समझते हैं- अमेरिका में बड़े स्तर पर कृषि उत्पाद पैदा होते हैं। वहीं, भारत एक कृषि प्रधान देश है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों- गेहूं, धान, आदि पर भारत उच्च दरों पर आयात शुल्क लगाना बंद कर दे तो यह उत्पाद भारत में सस्ते हो जाएंगे। ऐसे में भारत के किसानों के उत्पादों की भारत में ही खरीद कम होने की आशंका रहेगी। इससे भारतीय किसानों का घाटा काफी ज्यादा हो सकता है। वहीं, अगर अमेरिका भारत से आने वाले कृषि उत्पादों पर निम्न स्तर के आयात शुल्कों को बढ़ा दे तो अमेरिका में भारतीय किसानों की उपज की कीमत भी ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में वहां भारतीय उत्पादों की मांग घटने का खतरा पैदा हो जाएगा। इससे भारतीय किसानों को घाटा उठाना होगा और देश की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह पूरी व्यवस्था आयात शुल्क या टैरिफ कहलाती है। अलग-अलग देश एक-दूसरे पर अलग टैरिफ लगाते हैं, जिससे व्यापार का संतुलन बना रहता है।

ट्रंप आखिर बराबरी के टैरिफ लगा क्यों रहे हैं? डोनाल्ड ट्रंप के इस कदम की वजह केवल उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का प्रचार करना है। ट्रंप खुद कई मौकों पर कह चुके हैं कि दुनिया के कई देश ज्यादा आयात शुल्क वसूलते हैं, जिससे अमेरिका को घाटा होता है। इसलिए अमेरिकी सरकार उन देशों से ज्यादा टैरिफ वसूलेगा, जिससे अमेरिकी खजाने में बढ़ोतरी होगी। हालांकि, जैसा कि पहले ही कहा जा चुका- उत्पादों पर टैरिफ का शुल्क उस देश के नागरिकों-व्यापारियों को ही चुकाना पड़ता है, जहां की सरकार ने आयात शुल्क लागू किया है। इतना ही नहीं एक व्यापारी होने की वजह से डोनाल्ड ट्रंप व्यापार घाटे (ट्रेड डेफिसिट) के खिलाफ रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच कारों के आयात-निर्यात का उदाहरण ले लें तो-

भारत से 10 लाख रुपये की एक कार को आयात करने के लिए अमेरिकी नागरिक को 12.5 लाख चुकाने पड़ते हैं। वहीं, अमेरिका में बनी इसी कीमत की कार को भारत में खरीदने के लिए 20 लाख देने पड़ते हैं। यानी भारत को ज्यादा आयात शुल्क की वजह से अमेरिका से आई कार पर 7.5 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ हुआ। भारत का यही लाभ अमेरिका के लिए व्यापार घाटा कहा जाता है। इसी तरह अलग-अलग देशों से बिजनेस में अमेरिका का कुल व्यापार घाटा 1 लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंचने वाला है। दूसरी तरफ आयात शुल्क की वजह से चीन का व्यापार में फायदा (ट्रेड सरप्लस) 1 लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंच चुका है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसी अंतर को खत्म करने की बात कही है। दो देशों के बीच जब व्यापार होता है, तो किसी एक देश का व्यापार हमेशा दूसरे से ज्यादा होगा। इसकी वजह ज्यादा आयात या निर्यात हो सकता है। अमेरिका व भारत के बीच व्यापार 129.2 करोड़ डालर (11,226 करोड़ रू. के लगभग) का है। जिसमें से अमेरिका ने भारत से आयात किये 87.4 अरब डॉलर के उत्पाद (सामान) । भारत ने अमेरिका से आयात किये 41.8 अरब डॉलर के उत्पाद (सामान) इसमें अमेरिका को हुआ 87.4-41.8=45.7 अरब डॉलर (3,906 करोड़ रू.) का व्यापार घाटा। इसका मतलब है कि अमेरिका ने भारत से ज्यादा उत्पादों और सेवाओं की खरीद की, जबकि भारत ने अमेरिका से कम उत्पाद-सेवाएँ खरीदीं। इसके चलते अमेरिकी नागरिकों की मुद्रा ज्यादा खर्च हुई। वहीं भारतीय नागरिकों की मुद्रा का खर्च कम रहा।

ट्रंप के जैसे को तैसा टैरिफ़ के फैसले का भारत पर निम्न असर होगा

(1) अमेरिकी उत्पादों की कीमतों पर

- इसके चलते भारत ने अमेरिका से आयात होने वाले कई उत्पादों- मोटरबाइक, शराब व कुछ कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क घटाने का फैसला किया है।
- ट्रंप के संसद में किए गए ऐलान के मद्देनजर व्यापार युद्ध से बचने के लिए भारत अभी कुछ और अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटा सकता है।
- भारत ने व्यापार में आ रहे अंतर को कम करने के लिए अमेरिका से रक्षा उत्पादों, तेल और गैस को ज्यादा खरीदने की बात कही है, ताकि दोनों देशों के आयात-निर्यात के अंतर को कम किया जा सके।

(2) रुपये की कीमत पर : आयात शुल्क घटने के बाद भारत में अमेरिकी उत्पादों की कीमतें कम हो जाएंगी। इससे रुपया कमजोर होना शुरू हो जाएगा, क्योंकि उसकी मांग कम हो जाएगी।जबकि मांग बढ़ने की वजह से डॉलर और मजबूत होता जाएगा।

(3) भारत की अर्थव्यवस्था पर : केंद्र सरकार ने बजट में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव किए हैं और अब 12 लाख रुपये से कम कमाने वालों पर नई कर व्यवस्था के तहत आयकर नहीं लगेगा। लेकिन सवाल यह है कि देश में कितने लोगों की प्रतिमाह आमदनी एक लाख रुपये है? कहा तो जा रहा है कि केंद्र का यह फैसला मुख्यत: इसलिए आया था, ताकि भारतीयों के हाथ में पैसा बढ़ जाए और वह इस बचे हुए धन का इस्तेमाल घरेलू खर्चों में बढ़ा सकें। जिससे भारत का सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) तेजी से बढ़े।लेकिन जो हालात बनते जा रहे हैं , उससे स्थिति और विकट होने के आसार हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने एमएसएमई के लिए लॉन्च किया नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल

विशाखापत्तनम (आईएएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) के लिए नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल लॉन्च किया। नए क्रेडिट असेसमेंट मॉडल में एमएसएमई की डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर स्कोरिंग की जाएगी। वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषणा की थी कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) लोन देने के लिए एमएसएमई का मूल्यांकन थर्ड पार्टी के जरिए कराने के बजाय, अपनी आंतरिक क्षमता से करेंगे। विशाखापत्तनम में बजट के बाद आयोजित एक संवाद में डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर एमएसएमई के लिए लोन असेसमेंट मॉडल की शुरुआत की गई।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद सेंसेक्स 74,000 के पार

मुंबई (आईएएनएस)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 609.86 अंक या 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,340 और निफ्टी 207 अंक या 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,544 पर था। व्यापक बाजार में तेजी का रुझान देखने को मिला। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 3,006 शेयर हरे निशान में, 990 शेयर लाल निशान में और 107 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए हैं। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी हुई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.75 अंक या 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 49,348 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 201.25 अंक या 1.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 15,400 पर बंद हुआ।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी सीएम से मिले

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने भी झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने वालों में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू, वरीय उपाध्यक्ष मोहम्मद महताब आलम, उपाध्यक्ष रोहित कुमार रजक, महामंत्री संजीव कुमार, वरीय संयुक्त सचिव संतोष कुमार महतो एवं राकेश कुमार पांडेय, संगठन सचिव मंटू कुमार, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद कमाल, भागवत मुर्मू, करण कुमार और नितिन रवि, झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के महामंत्री रमेश उरांव, उपाध्यक्ष देवचंद मुंडा, उपाध्यक्ष परमेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष गुलाब महतो, सहायक महामंत्री लालेश्वर राम, सहायक महामंत्री तपेश्वर यादव, पूर्व मेन्स अध्यक्ष नरेंद्र कुमार, पूर्व वरीय उपाध्यक्ष और अखिलेश्वर पांडेय तथा झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची शाखा के अध्यक्ष आनंद राज खलखो, अनीश कुजूर, देवता चरण उपाध्याय एवं उपाध्यक्ष श्री ठाकुर दयाल महतो मौजूद थे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित, बोले डीजीपी

आईजी व डीआईजी महीने में एक बार महिला और बच्चों से संबंधित कांडों की करें समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध होने वाले अपराधों की डीजीपी अनुराग गुप्ता ने गुरुवार को समीक्षा की। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जोनल आईजी और रेंज के डीआईजी महीने में एक महिला एवं बच्चों से संबंधित कांडों की समीक्षा करें। इसके अलावा उन्होंने जिले के एसपी को निर्देश दिया कि अपने-अपने जिलों में महिला कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, कोचिंग संस्थान, स्कूल, महिला हॉस्टल, मॉल जगहों पर संगठित रूप से महिला हेल्पडेक्स खोलने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

महिला हेल्पलाइन नंबर का प्रचार प्रसार करने का निर्देश

डीजीपी ने जिले के एसपी को कहा कि अपने जिला में महिला हेल्पलाईन नम्बर, पुलिस कंट्रोल नम्बर को सार्वजनिक स्थल, ऑटो रिक्शा, सिटी बस, महिला महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज स्थानों पर व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे, ताकि पुलिस को गुप्त रूप से भी सूचना मिल सके एवं आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सभी जिलों में महिला थाना प्रभारी, महिला पुलिस पदाधिकारी, निर्भया शक्ति समय-समय पर व्यक्तिगत रूप से महिला बहुल संस्थान में जाकर महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुनकर विधि-सम्मत कार्रवाई करेंगी। सभी एसपी महिला पीड़िता मुआवजा से संबंधित लंबित एवं वर्त्तमान मामलों की समीक्षा करते हुए त्वरित निष्पादन करेंगे और मिलने वाली मुआवजा राशि को महिलाओं के बीच व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करेंगे।

गवाह के नहीं पहुंचने पर कोर्ट ने आरोपी को किया बरी

रांची। लोडेड पिस्तौल के साथ जिस पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार किया था। वही पुलिस टीम अदालत में आरोपी के आरोप को साबित करने नहीं पहुंची। आरोपी राज कुमार साहू को पुंदाग ओपी के तत्कालीन प्रभारी विवेक कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर 27 जनवरी 2023 को दीपा टोली मोती रेसिडेन्सी, पुन्दाग के पास गिरफ्तार किया था। जांच पूरी करते हुए आईओ बुद्धिलाल मुर्मू ने छह पुलिस गवाहों पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक कुमार, स्वयं अनुसंधान पदाधिकारी, एएसआई धनंजय कुमार राय, आरक्षी पीटर ओडिया, सुदेश्वर सिंह, रमेंद तिर्की के साथ दो स्वतंत्र गवाह के साथ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें से सिर्फ एक गवाह पहुंचा। लेकिन वह भी घटना को साबित नहीं कर सका। अभियोजन पक्ष को केस साबित करने के लिए अदालत ने पर्याप्त समय दिया। बावजूद सिर्फ दो साल पुराने मामले में विवेक कुमार को छोड़ अन्य गवाह नहीं पहुंचा। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने अपने तर्क में कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा किसी स्वतंत्र गवाह से पूछताछ नहीं की गई और यहां तक कि जब्त की गई सामग्री भी अदालत के समक्ष पेश नहीं की गई है।

आंखो देखा सदन | ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में गांडेय विधायक कल्पना सोरेन बोली

अंतरराज्यीय बॉर्डर पर चेक पोस्ट बंद होने से राज्य को हो रहा करोड़ों का नुकसान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बजट सत्र 2025-26 के आठवें दिन झारखंड विधानसभा में सदन की कार्यवाही 11 बजे प्रश्नकाल से शुरू हुई। प्रश्नकाल में अल्पसूचित प्रश्नों की संख्या चार थी जिसमें दो के उत्तर सरकार द्वारा दिए गए और दो प्रश्न स्थगित हुए। तारांकित प्रश्नों की संख्या 88 रही जिसमें एक प्रश्न के उत्तर मिले दो प्रश्न स्थगित हुए और 66 प्रश्न अनागत हुए।

सदन में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अनुदान मांगों पर वाद-विवाद के बाद सरकार ने उत्तर दिया। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अलावा जल संसाधन विभाग से भी प्रश्न पूछे गए।

वहीं शून्य काल पर चर्चा के दौरान देवघर विधानसभा के विधायक सुरेश पासवान ने सूचना के माध्यम से सदन को अवगत कराया कि देवघर जिला के तीन प्रखंडों में जल मीनार बनकर तैयार है, जिसे आने वाले गर्मी को ध्यान में रखते हुए यथाशीघ्र चालू करवाने की बात की है जिसे सदन ने संज्ञान में लिया।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में गांडेय विधानसभा की विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड के राजस्व को नुकसान हो रहा है चेकपोस्ट स्थापना की जरूरत है। विधि व्यवस्था के लिए इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट बनाने और बंद पड़े चेक पोस्ट को शुरू करने की बात भी कही है। वहीं वित्तमंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि 250 से 300 करोड़ रुपए राजस्व की क्षति हो रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकपोस्ट की जरूरत है। इससे खदानों की सुरक्षा बढ़ेगी और कालाबाजारी पर रोक होगी। चेक पोस्ट के लिए सीट क्रिएशन का काम जल्द शुरू होने की बात श्रीमती सोरेन ने कही है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विपक्ष अपने अंतरकलह को निपटाने में जुटी है, इसलिए सदन से वॉकआउट किया है। कृषि प्रधान देश और झारखंड जैसे राज्य में किसानों की बात सुनने को विपक्ष तैयार नहीं इससे ज्यादा दुर्भाग्य की बात क्या होगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष को मुद्दे उठाने चाहिए थे।

उन्होंने कहा कि अनुदान की मांग हमारा अधिकार है। झारखंड के किसानों को खेती करने के लिए भी अनेक समस्याओं से जूझना पड़ता हैं, किसानों को सरकार हर संभव मदद में जुटी है। 36 प्रतिशत बीज बांटे जाते हैं। राज्य के भौगोलिक परिवेश के कारण सभी खेतों में सिंचाई नहीं है, बरसाती पानी को खेत की तरफ मोड़ने की बात कही। बैंक से लिए कर्ज चुकाने में असमर्थ होने पर सरकार किसानों के कर्ज माफी को भी किसानों की एक मदद बताया। राज्य में 100 बिरसा कृषि पाठशाला का निर्माण करने की बात कही जिससे युवा कृषि की तरफ मुड़ेंगे। उत्पाद के भंडारण पर कहा कि राज्य में छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज की जरूरत है। वहीं राज्य में यूरिया के उपयोग पर चिंता व्यक्त की और किसानों को अपने खेत की मृदा परीक्षण कराने की बात कही।

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग में कृषि प्रभाग को 24,21,08,16,000 रूपए की राशि का बजट रखा गया है। वहीं पशुपालन प्रभाग में 6,20,23,32,000 रूपए का बजट, सहकारिता प्रभाग में 9,36,79,07,000 रूपए का बजट, मत्स्य प्रभाग में 1,98,08,08,000 रुपए का बजट तो डेयरी प्रभाग को 4,11,47,61,000 रुपए का बजट पेस हुआ। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग में कुल 45,87,66,24,000 रुपए की है।

जल जीवन मिशन घोटाला जनता के हक पर सीधा वार : सौमेन दत्ता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश प्रवक्ता सौमेन दत्ता ने जल जीवन योजना में हुए घोटाले का निंदा किया है। उन्होंने झामुमो सरकार से तत्काल जवाबदेही की मांग की है। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई थी जो भ्रष्टाचार का शिकार हो गई। अधिकारियों ने जनता की मुसीबतों को नजरअंदाज करते हुए अपनी जेबें भरी। प्रदेश प्रवक्ता सौमेन दत्ता ने कहा कि 1000 करोड़ रुपए का घोटाला झारखंड की जनता के साथ विश्वासघात है। इस सरकार ने जनता की भलाई के नाम पर सिर्फ अपने व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता दी।

आजसू पार्टी की बैठक में सांगठनिक मजबूती पर हुई चर्चा

रांची। आजसू पार्टी की बैठक खूंटी के एचएम गोल्डन पैलेस में हुई। बैठक खूंटी जिला अध्यक्ष जयकांत कुमार कश्यप की अध्यक्षता में हुई। जिसमें प्रभारी खूंटी अभिषेक राज हेरेंज एवं प्रभारी रमेश भगत के उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। बैठक में खूंटी जिला को सांगठनिक रूप से मजबूत बनाने को लेकर की गई। साथ ही खूंटी, अड़की, रनिया, तोरपा, मुहूरु व कर्रा में प्रभारी नियुक्त किए गए। साथ ही पंचायत एवं ग्राम स्तर पर प्रभारी का चयन किया जाएगा। सभी प्रखंड प्रभारियों का बैठक नौ मई को केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के साथ होगी। बैठक में वरीय उपाध्यक्ष दिनेश कुमार महतो, ललिंद्र महतो, दिलीप कुमार गंजू, महादेव लोहार, धनीराम, दीपक कुमार राम, कुलदीप कुमार, वीरेंद्र कुमार गंजू, शेखर गुप्ता, विनोद महतो, बजरंग साहू, केशव चंद्र महतो, नीतीश कुमार महतो, धीरज कुमार गोप, अमित कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

हेसाग में झामुमो ने चलाया सदस्यता अभियान

लोगों के बढ़ते विश्वास से लगातार मजबूत हो रही पार्टी : मुस्ताक आलम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली के तत्वावधान में गुरुवार को डॉन बॉस्को स्कूल, उरांव चौक के समीप हेसाग वार्ड 51 में शिविर लगाकर झामुमो का सदस्यता अभियान चलाया गया। सदस्यता अभियान कार्यक्रम के दौरान झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख, संयोजक मंडली सदस्यों झामुमो की सदस्यता लेने वालों मे मुख्य रूप से अमन गाड़ी के नेतृत्व मे मनीष कुजूर, बबलू कच्छप, आलोक बांडों, रोहित केरकेट्टा, प्रशांत मुंडा, हीरा बांडों, विशाल तिर्की, अमन तिर्की, अंकित तिर्की, रोहन केरकेट्टा, अर्जुन कच्छप, प्रकाश कच्छप, कर्मू लोहरा, प्रीतम टोप्पो, अंकित मुंडा, सुजीत खोया, अमन लकड़ा, विश्वासी एक्का, प्रमोद चंद्र एक्का, संजय भेंगरा एवं सूचिता टोप्पो के साथ अन्य सैकड़ों महिलाएं एवं लोग रहे। मौके पर झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा रांची जिला संयोजक मंडली द्वारा सदस्यता अभियान लगातार चलाया जा रहा है और पार्टी को मजबूत किया जा रहा है। आज हमलोग हेसाग मे सदस्या अभियान चला रहे हैं, और आप देख रहे है कि कितनी भारी संख्या में विशेष रूप से महिलाएं पार्टी की सदस्यता ले रहीं हैं। लोग राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित भी हो रहे हैं और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं। पार्टी द्वारा तय लक्ष्य से अधिक संख्या मे हम रांची जिला में नए सदस्य जोड़ने के लिए आश्वस्त हैं। सदस्यता अभियान कार्यक्रम मे मुख्य रूप से रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, बीरू तिर्की एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष कलाम आजाद, बीरू साहू, पूर्व महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंशु लकड़ा, पूर्व अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष परवेज आलम, कोषाध्यक्ष विलयम रिचर्ड लकड़ा, पूर्व किसान मोर्चा जिला सचिव सज्जाद अंसारी, वरिष्ठ नेता राजेश सिंह, विजय रविदास एवं अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

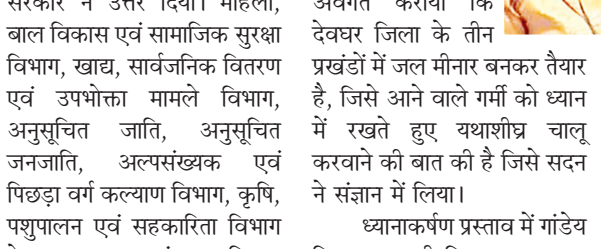

रेमडेसिविर दवा की कालाबाजारी पर सुनवाई 25 मार्च को

रांची। रेमडेसिविर दवा की कालाबाजारी मामले में मुख्य आरोपी राजीव कुमार सिंह एवं मनीष कुमार सिन्हा के खिलाफ आरोप गठन पर सुनवाई अब 25 मार्च को होगी। मामले में सुनवाई की तारीख को आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 25 मार्च निर्धारित की है। अदालत ने दोनों की डिस्चार्ज याचिका बीते 6 अप्रैल को खारिज कर चुकी है। मामले की सुनवाई साइबर क्राइम एंड ड्रग कॉस्मेटिक मामले के विशेष न्यायाधीश मनीष रंजन की अदालत मे हो रही है। कालाबाजारी को लेकर कोतवाली थाना में कांड संख्या 107/2021 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राजीव कुमार सिंह जेल जाने के बाद वर्तमान में जमानत पर चल रहा है।

आदि चित्रा व आदि बाजार का हुआ शुभारंभ

मेले में विभिन्न प्रदेशों ने हस्तशिल्प का प्रदर्शनी सह विक्रय के लिए लगाया स्टॉल

- *जनजातीय समाज की परंपरागत विरासत को बरकरार रखने के लिए कार्यक्रम का किया गया है आयोजन*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आड्रे हाउस में आदि चित्रा व आदि बाजार का शुभारंभ पूर्व सांसद राज्यसभा समीर उरांव ने किया। इस अवसर पर ट्राईफेड झारखंड एवं बिहार के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेंद्र कुमार राजू व अन्य लोग उपस्थित थे। शैलेंद्र कुमार राजू के नेतृत्व में इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह मेला 6 से 12 मार्च तक आदिवासी जनजातीय क्षेत्र, नॉर्थ ईस्ट, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के जनजातीय आर्टिजन की उपस्थिति में ट्राईफेड क्षेत्रीय कार्यालय झारखंड एवं बिहार द्वारा प्रायोजित किया गया।

मेले में विभिन्न प्रदेशों के हस्तशिल्प का प्रदर्शनी सह विक्रय के लिए स्टॉल लगाया गया। मेला का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज को वित्तीय स्थिति को मजबूत करना है। उनके द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादकों देश के कोने-कोने एवं विदेश तक पहुंचना है। जनजातीय समाज के परंपरागत विरासत को कायम रखना है। आदि चित्रा द्वारा विभिन्न प्रदेशों के पेंटिंग जैसे सोहराय, कोहबर, सोरा, पेंटिंग और वर्ली पेंटिंग का भी प्रदर्शनी एवं विक्रय किया गया। जिसमें स्थानीय कलाकार दिलेश्वर लोहरा एवं विभिन्न प्रदेश से आए जनजातीय पेंटिंग्स कलाकार भाग ले रहे हैं।

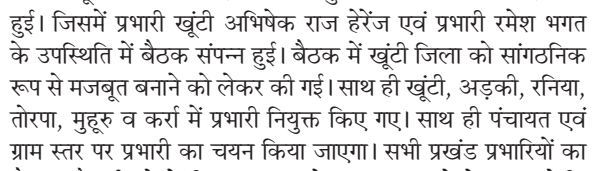

पृष्ठ एक के शेष

यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ का अध्ययन...

दिव्यांगजनों को केंद्र और राज्य सरकार 500-500 रु देती है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार से जून तक की राशि मिली है। लेकिन राज्य सरकार ने रिवॉल्विंग फंड से दिसंबर तक का भुगतान कर दिया है। राज्य सरकार फरवरी तक का हिस्सा दे चुकी है। इसी बीच बाबूलाल मरांडी ने प्रश्न किया कि दिव्यांग को इतनी कम राशि क्यों। उन्होंने कहा कि बोकारो की एक दिव्यांग ने मैसेज भेजा है कि चार माह से पेंशन नहीं मिला है। इसपर संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि केंद्र और राज्य अपने संसाधनों के अनुसार योजना बनाती है। हम दिखवा लेंगे कि यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ में किस तरह की व्यवस्था है। तब इस पर विचार होगा। इस पर नीरा यादव के साथ-साथ नवीन जायसवाल ने कहा कि सिर्फ हां या ना में जवाब दें कि दिव्यांगजनों को मंईयां के समतुल्य पैसा मिलेगा या नहीं। संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि अफसोस इस बात का है कि राष्ट्रीय विधवा, दिव्यांग पेंशन की राशि 1 अरब 41 करोड़ तो दिलवा दीजिए। इसपर आपत्ति जताते हुए भाजपा के विधायक सदन से वॉक आउट कर गये।

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी का पक्ष : इसपर भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि किसी भी स्वास्थ्य सहिया को 2000 रु। प्रतिमाह के अलावा कोई राशि नहीं मिल रही है। मंत्री गलत बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों को मीड डे मिल का संचालन करने वाली महिलाओं को रसोईया के रुप में सिर्फ 3,000 रु का मानदेय मिल रहा है।

झारखंड विधानसभा में गूंजा सहारा इंडिया में निवेशकों के पैसे वापसी का मुद्दा

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को विधायक प्रदीप यादव ने सहारा इंडिया में फंसे राज्य के निवेशकों के पैसे की वापसी का मामला उठाया। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या निवेशकों को उनका पैसा लौटाने के लिए सरकार कोई पोर्टल बनाने की योजना बना रही है, जिससे निवेशक अपने निवेश और उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकें। विधायक ने सरकार को याद दिलाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपने घोषणापत्र में निवेशकों के पैसे वापसी का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने जवाब देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निवेशकों के हित में एक महत्वपूर्ण फैसला दिया था। इसके बाद झारखंड सरकार ने कई बार (16 दिसंबर 2022, 17 अप्रैल 2023, 22 जून 2023, 22 दिसंबर 2023, 2 फरवरी 2024 और 23 फरवरी 2025 को) केंद्रीय रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटी को पत्र लिखा, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। वित्त मंत्री ने कहा कि अब सरकार कुछ अधिकारियों को जवाबदेही सौंपेगी, ताकि वे विस्तृत जानकारी जुटा सकें और निवेशकों को राहत मिल सके।

रसोईया की बकाया राशि होली से...

रसोईया की बकाया राशि होली से पहले मिल जाएगी। इसी दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि मंईयां को मदद मिलने से आर्थिक असमानता कम हो रही है। हर घर में पैसे पहुंच रहे हैं। लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि काम के बावजूद सहिया को सिर्फ 2000 रु. क्यों। सरकार को इसपर विचार करना चाहिए। बहस बढ़ने पर संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि केंद्र के सहयोग से चलने वाली कई पेंशन स्कीम मद की राशि कई माह से नहीं मिली है।

अफीम तस्करी का...

दोनों ने कबूल किया कि वे इसे ऊंचे दामों पर बेचने के लिए खुंटी से मंगवाकर चौपारण में सप्लाई करते हैं। आरोपियों ने यह भी बताया कि अफीम उनके साले सावन टुटी (25 वर्ष, पिता महादेव मुंडा, ग्राम बेहरा) ने उन्हें दी थी। इसके बाद पुलिस ने सावन टुटी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह लंबे समय से अफीम तस्करी में लिप्त है, लेकिन पहले कभी पकड़ा नहीं गया। एसडीपीओ ने बताया कि इस तस्करी में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में एसडीपीओ प्रदीप प्रणव, अंचलाधिकारी उदल राम, थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी, एसआई अरविंद रविदास सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

रेहला पुलिस ने 11.29 किलोग्राम...

जिला पलामू बताया। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो ट्रॉली बैग के अंदर ब्राउन प्लास्टिक में लिपटा गांजे का एक बड़ा पैकेट मिला। जब इसका वजन किया गया, तो कुल 11.29 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। महिला से गांजा के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाई। पुलिस ने गांजा को जब्त कर सीलबंद किया और महिला को गिरफ्तार कर लिया। इस छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आलोक कुमार टुटी, रेहला थाना प्रभारी संतोष कुमार, कुशेश्वर सिंह, बुधू उरांव, अमित कुमार पांडेय, अजय प्रजापति, गुलमोहन उरांव और बिरेन्द्र कुमार मेहता शामिल थे। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और महिला के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

भाजपा विधायक दल के नेता...

और प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय सहित सभी साथी विधायकों का आभार जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं, पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों के साथ जनता की आवाज बनकर गरीब, दलित, शोषित, आदिवासी समाज के अधिकारों और उनकी समस्याओं को उठाने के लिए पूर्ण निष्ठा और क्षमता के साथ कार्य करूंगा। मरांडी ने कहा कि विधानसभा के पिछले कार्यकाल में भी पार्टी के विधायकों ने उन्हें नेता चुना था, लेकिन स्पीकर ने दुर्भावना से ग्रस्त होकर चार साल तक मामले को लटकाकर रखा। इसके बावजूद पार्टी के हम सभी विधायकों ने जनता के मुद्दों पर लड़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी। राज्य की सरकार के गलत कार्यों का जमकर विरोध किया।

भाजपा ने स्पीकर को सौंपा पत्र, बाबूलाल को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग

रांची। प्रदेश भाजपा ने गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर बाबूलाल मरांडी को नेता विधायक दल चुने जाने की विधिवत सूचना दी। पत्र में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें शीघ्र मान्यता प्रदान करने का आग्रह किया गया है। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक सत्येंद्र तिवारी ने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ। रविंद्र कुमार राय और केंद्रीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव एवं डॉ। के लक्ष्मण के हस्ताक्षरित पत्र स्पीकर को सौंपा। पार्टी की ओर से इस निर्णय को विधिवत रूप से विधानसभा अध्यक्ष के संज्ञान में लाया गया। भाजपा ने उम्मीद जताई है कि बाबूलाल मरांडी को शीघ्र ही नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान की जाएगी, जिससे विधानसभा में पार्टी की भूमिका और अधिक प्रभावशाली होगी।

रिश्वत मामले में जेल में बंद दरोगा ने दाखिल की जमानत याचिका

सुनवाई के दौरान केस डायरी की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रिश्वत लेने के आरोप में जेल में बंद कोतवाली थाने में तैनात दारोगा ऋषिकांत की ओर से उनके अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह महाराणा ने जमानत याचिका दाखिल की है। दाखिल जमानत याचिका पर 6 मार्च को रांची सिविल कोर्ट के एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केस डायरी की मांग की है। साथ ही अगली सुनवाई 21 मार्च निर्धारित की है। इससे पूर्व याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह महाराणा ने बहस की। कहा कि मामले में वह निर्दोष है। उसे फंसाया गया है। वहीं एसीबी के अधिवक्ता ने इसका विरोध किया।

बता दें कि सब-इंस्पेक्टर ऋषिकांत पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति से मोबाइल छोड़ने के एवज में 5000 रुपये की मांग की थी। जबरन रिश्वत वसूलने की इस हरकत पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके ही थाने से गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के बाद थाना परिसर में हड़कंप मच गया था। शिकायतकर्ता ओम शंकर गुप्ता के मुताबिक, दारोगा ने रिश्वत देने के लिए दबाव बनाया और पैसे न देने पर उन्हें मोबाइल वापस न करने की धमकी दी। इस पर गुप्ता ने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद सत्यापन के दौरान दारोगा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। मामले को लेकर निगरानी थाना कांड संख्या 2/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पद्मश्री शोभना नारायण के लिए 'स्त्री-पुरुष सब बराबर, असल नारीवाद मूल्यों पर डटे रहना'

एजेंसी। नई दिल्ली

छह दशक से ज्यादा का समय कथक को देने वालीं पद्म श्री शोभना नारायण अब भी थकी नहीं हैं। उत्साह और जोश अब भी कायम है। नृत्यांगना ही नहीं, बल्कि सधी हुई लेखिका भी हैं। नौकरशाह भी रही हैं। 'इंटरनेशनल वीमेन्स डे' पर भला नारीवाद और जेंडर इक्वालिटी के सही मायने बताने वाला इनसे बेहतर कौन होगा? न्यूज एजेंसी आईएएनएस से विशेष बातचीत में सुविख्यात नृत्यांगना ने अपने जीवन के कुछ अनमोल पल और सबक साझा किए।

नारीवाद को लेकर शोभना जी की सोच अलग है। स्त्री-पुरुष के भेद को नहीं मानतीं, इनके लिए सब मनुष्य हैं क्योंकि संघर्ष, चुनौती किसी एक के हिस्से नहीं, सबके हिस्से आती है। ऐसी ही एक चुनौती 1977 में फेस की। बताती हैं- "मुझे अब भी याद है वो 1977 का साल था। राजस्थान में बड़ा ट्रेन एक्सिडेंट हुआ, मैं 26 साल की थी, अलवर गई, पिता के शव की पहचान की, दिल्ली लेकर आई और मुखाग्नि दी। उस दौर में बेटी का मुखाग्नि देना बड़ी बात थी, फिर भी मैंने किया। मैं यहीं नहीं रुकी। वहीं से मथुरा गई और कथक प्रस्तुति दी। दिल रो रहा था लेकिन उस चुनौती का भी सामना किया। 'पद्मश्री' मानती हैं कि नारीवाद का मतलब डर के माहौल में अपने मूल्यों को न भूलकर आगे बढ़ना है। डर और खौफ को झटक कर दूर करना है। मेरा मानना है खौफ भी एक मेंटल स्टेट है। आगे कहती हैं, "मुझे इस बात पर 1990 का वो दौर भी याद आता है जब मैंने राजस्थान के एक सुदूर छोर पर नृत्य कार्यक्रम दिया। टैक्सी से ट्रैवल कर भोपाल पहुंची। आप सोचें, वो चंबल का इलाका था। मैंने अकेले ही दूरी तय की। तो कहने का मतलब सिर्फ इतना कि डर या खौफ मेंटल स्टेट है, हिम्मत है तो सब कुछ है। मां दुर्गा को देखिए। किसको नहीं परास्त किया, कौन नहीं पूजता उन्हें...हमारी प्रेरणा तो वो हैं और डरना एक मेंटल स्टेट है। हम जैसा सोचते हैं, वैसा ही हमारे व्यवहार में परिलक्षित होता है।

शोभना के लिए फीमेल लीडरशिप जैसी कोई चीज मायने नहीं रखती। महिला नेतृत्व के सवाल पर बोलीं, "अपने अनुभव के आधार पर कहूं तो मैंने जेंडर इनक्वैलिटी या फिर फीमेल लीडरशिप की जरूरत को कभी महसूस नहीं किया। मेरी परवरिश भी ऐसे माहौल में हुई जहां ऐसा कुछ था नहीं। यही वजह है कि मैं सोचती हूं कि इस पर बहस इतनी क्यों? क्या सेफ्टी सिक्योरिटी की जरूरत पुरुषों को नहीं होती? ये तो दोनों के लिए आवश्यक है न। अगर हम ये सोच लें कि रास्ते में चलते वक्त टांग टूट जाएगी, इसलिए चले न तो ऐसा नहीं होता। डर के माहौल में अपने मूल्यों को न भूलना असल नारीवाद है।" कथक में जो अपना नाम कमाना चाहते हैं, इस कला में खुद को मांझना चाहते हैं, उनके लिए बहुमुखी प्रतिभा संपन्न शोभना का सबक क्या है। हंसते हुए कहती हैं, "बस ये कि जैसे मैंने चुनौतियों का सामना किया, उतार-चढ़ाव

महिला दिवस स्पेशल

मेरे जीवन में भी आए लेकिन मैंने उनसे हार नहीं मानी, बल्कि संघर्ष किया और छोटी-मोटी समस्याओं को दरकिनार कर दिया। एक बात और (खिलखिलाते हुए कहती हैं) मेरे पास जो आता है, वो मेरी तरह हो जाता है, इसलिए कोई सबक नहीं, बस जिंदगी को जिंदगी की तरह जिएं।

महाकुंभ में बड़ी घटना करने की तैयारी में थे आतंकी : डीजीपी

एजेंसी। लखनऊ

- कौशाम्बी से हुई गिरफ्तारी, पुर्तगाल जाने की था तैयारी में

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुंभ में बब्बर खालसा का संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह बड़ी घटना करने की तैयारी में था। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान लाजर ने बताया कि वह पाकिस्तान में बैठे तीन आईएसआई एजेंटों के सम्पर्क था। घटना करने के बाद संदिग्ध आतंकी लाजर की पुर्तगाल जाने की तैयारी थी। इसके कुछ साथी पुर्तगाल में रहते है। कौशाम्बी में गिरफ्तारी से पहले वह लखनऊ और कानपुर में छुपकर रहा था। पुलिस महानिदेशक ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टालरेंस पर कार्य हो रहा है। महाकुंभ के पहले देश विदेश में बैठे खास लोगों से गड़बड़ी की सूचना यूपी पुलिस को मिली थी। इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण सफलता उत्तर प्रदेश एफटीएफ को बीती रात में मिली है। यह कार्यवाही यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त आपरेशन में की गयी। गाजियाबाद से फर्जी आधार कार्ड बनवाने वाले लाजर के बारें में पंजाब पुलिस की ओर से जानकारी मिली थी। प्रशांत कुमार ने बताया कि हीरोइन की तस्करी में आतंकी लाजर पंजाब की जेल में गया था। जेल में मारपीट में घायल होने के बाद आतंकी अस्पताल में भर्ती था। वहीं से यह 24 सितम्बर 2024 को फरार हो गया था। 23 अक्टूबर 2024 बब्बर खालसा के सम्पर्क में आने के बाद इसने एक हत्या की थी और इसके बाद से यह छुपकर रह रहा था। महाकुम्भ में दौरान यूपी पुलिस की चप्पे-चप्पे में पुलिसकर्मियों की तैनाती के कारण आतंकी लाजर बड़ी घटना करने की अपनी मंशा में सफल नहीं हो सका।

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक

2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर...

इस्लामाबाद (हि.स.) । वैश्विक आतंकवाद सूचकांक-2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) ने बुधवार को पिछले 17 वर्ष की घटनाओं के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। इसमें 163 देशों को शामिल किया गया है। पाकिस्तान में यह लगातार पांचवां वर्ष है, जब आतंकवाद से संबंधित मौतों में वृद्धि दर्ज की गई है। पाकिस्तान के लिए पिछले दशक में साल-दर-साल यह सबसे बड़ी वृद्धि है। डान समाचार पत्र की खबर के अनुसार रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में पिछले वर्ष आतंकवादी हमलों में मरने वालों की संख्या 45 प्रतिशत बढ़कर 1,081 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार 45 देशों की स्थिति बेहद खराब हो रही है और 34 देशों की स्थिति में कुछ सुधार हो रहा है। चार सबसे घातक आतंकवादी समूहों ने 2024 में अपनी हिंसा तेज की।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर, नाक की नली से दी जा रही ऑक्सीजन

वेटिकन सिटी (हि.स.)। पिछले महीन से अस्वस्थ पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है। पिछले तीन हफ्ते से 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस का इलाज रोम के जेमेली अस्पताल में चल रहा है। डबल निमोनिया (गंभीर श्वसन संक्रमण) से पीड़ित फ्रांसिस ने रात अच्छी नींद ली। होली सी प्रेस कार्यालय ने गुरुवार सुबह पत्रकारों को यह सूचना देते हुए कहा कि पोप अभी भी आराम कर रहे हैं। वेटिकिन न्यूज के अनुसार, बुधवार शाम होली सी प्रेस कार्यालय ने कहा कि पोप फ्रांसिस की हालत आज भी स्थिर रही। रात को वो नॉन-इनवेसिव मैकेनिकल मास्क पहनकर सोये। उन्हें दिन में नाक की नली से ऑक्सीजन दी गई है। उन्होंने दिन अपनी आराम कुर्सी पर बिताया।

द. कोरिया चिकित्सा सुरक्षा बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए उठाएगा कदम

सियोल (आईएएनएस)। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि सरकार चिकित्सा सुरक्षा को बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए कदम उठाएगी। इसमें सरकार की तरफ से ज्यादा मुआवजा देने की जिम्मेदारी भी शामिल है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संसदीय नीति मंच में एक योजना पेश की गई है। इसके अनुसार, जरूरी इलाज के दौरान अगर किसी की मौत हो जाती है, तो 'इच्छा के विरुद्ध कोई सजा नहीं' का नियम लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इलाज के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं के लिए बीमा कवरेज भी बढ़ाया जाएगा। योजना के तहत, सरकार सोच रही है कि अगर जरूरी इलाज के दौरान किसी मरीज की मौत हो जाती है, और परिवार वाले सहमत हैं।

ट्रंप ने हमास को दी 'अंतिम चेतावनी' कहा-

रिहा करे बंधक, वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें

- ट्रंप ने गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने के लिए हमास को दी चेतावनी

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने के लिए हमास को "अंतिम चेतावनी" दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक हैंडल पर 'शालोम' का मतलब बताते हुए हमास को दो विकल्प दिए।

ट्रंप ने बुधवार को ट्रुथ सोशल पोस्ट में लिखा, "शालोम हमास" का मतलब नमस्ते और अलविदा है- आप चुन सकते हैं। सभी बंधकों को अभी रिहा करें, बाद में नहीं, और जिन लोगों की आपने हत्या की है, उनके शवों को तुरंत लौटा दें, अन्यथा आपके लिए सब खत्म हो जाएगा। केवल बीमार और विकृत लोग ही शवों को रखते हैं, और आप बीमार और विकृत हैं!

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, "मैं इजरायल को वह सब कुछ भेज रहा हूं जो उसे काम पूरा करने के लिए चाहिए, अगर आप मेरी बात नहीं मानेंगे तो हमास का एक भी सदस्य सुरक्षित नहीं रहेगा। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ये चेतावनी व्हाइट हाउस की बंधकों के मामले में हमास संग सीधी बातचीत की पुष्टि किए जाने के कुछ ही घंटों बाद दी गई। वाशिंगटन ने अब तक समूह के साथ सीधे संपर्क से परहेज किया है, और अमेरिका की एक पुरानी नीति है कि वह उन संस्थाओं के साथ सीधे संपर्क न करे जिन्हें वह आतंकवादी संगठनों के रूप में सूचीबद्ध करता है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो "बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी", हालांकि उन्होंने इजरायल को भेजी जा रही सहायता की प्रकृति के बारे में कुछ नहीं बताया।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- अमेरिकी लोगों के लिए सही काम करने का एक अच्छा प्रयास

उन्होंने नागरिकों को भी धमकाया: "साथ ही, गाजा के लोगों के लिए: एक सुंदर भविष्य आपका इंतजार कर रहा है, लेकिन अगर तुम बंधकों को पकड़ोगे तो नहीं। अगर तुम ऐसा करोगे, तो तुम मर जाओगे! यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने हमास को धमकी दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर में उन्होंने कहा था कि अगर उनके पदभार ग्रहण करने तक बंधकों को रिहा नहीं किया गया, तो उन्हें "बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह पोस्ट ट्रंप द्वारा व्हाइट हाउस में बंधकों के एक समूह से मुलाकात के बाद आई थी, जिन्हें हाल ही में युद्धविराम के तहत रिहा किया गया था। इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की कि बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका सीधे हमास के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि बातचीत से पहले इजरायल से परामर्श किया गया था। लेविट ने संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प अमेरिकी लोगों के सर्वोत्तम हित में काम करने में विश्वास करते हैं।

भाजपा की तेलंगाना एमएलसी की तीन में से दो सीट पर जीत

प्रधानमंत्री और नड्डा ने दी बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना विधान परिषद (एमएलसी) की तीन सीट में से दो पर जीत दर्ज की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने जीते उम्मीदवारों को बधाई दी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में एमएलसी चुनाव 27 फरवरी को हुए थे और मतों की गिनती तीन मार्च को शुरू हुई। मेडक-करीमनगर-आदिलाबाद-निजामाबाद (शिक्षक) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के मलका कोमारैया विजयी हुए। करीमनगर-निजामाबाद-आदिलाबाद-मेडक (स्नातक) निर्वाचन क्षेत्र से चिन्नामेल अंजी रेड्डी ने जीत हासिल की। वारंगल-खम्मम-नलगोंडा शिक्षक एमएलसी चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार श्रीपाल रेड्डी पिंगिली ने जीत हासिल की। प्रधानमंत्री मोदी ने

भाजपा का समर्थन करने के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया है। साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार जताया है।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "मैं तेलंगाना के लोगों को एमएलसी चुनावों में भाजपा के अभूतपूर्व समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।

डेनमार्क ने ट्रंप को दिया दो टूक जवाब, बोला 'ग्रीनलैंड कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा'

ओस्लो (आईएएनएस)

डेनमार्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने के लिए किए गए नए प्रयासों को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि उनका प्रशासन ग्रीनलैंड के लोगों के अपने भविष्य को निर्धारित करने के अधिकार का "पुरजोर समर्थन" करेगा। उन्होंने कहा, "और यदि आप चाहें, तो हम आपका संयुक्त राज्य अमेरिका में स्वागत करते हैं।" डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने ट्रंप के बयान को लेकर डेनमार्क की स्थिति को स्पष्ट किया और कहा कि ग्रीनलैंड का भविष्य केवल वहां के लोगों का फैसला होगा। उन्होंने कहा, "ग्रीनलैंड ग्रीनलैंड के लोगों का है। यह एक ऐसा रुख है जिसका हम डेनिश सरकार की ओर से बहुत दृढ़ता से समर्थन करते हैं। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने भी ट्रंप के दावे को पूरी तरह खारिज किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ग्रीनलैंड के लोग अमेरिका का हिस्सा बनने की इच्छा नहीं रखते हैं। डेनमार्क के रक्षा मंत्री ट्रॉल्स लुंड पॉल्सन ने भी इस बात को दोहराया और कहा, "ग्रीनलैंड कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा।"

2024 में द. कोरियाई लोगों में चिंता और अवसाद में हुई वृद्धि...

सोल (आईएएनएस)

दक्षिण कोरियाई लोगों पर किए गए एक हालिया सर्वे से यह पता चला है कि 2024 में दक्षिण कोरिया के लोगों में चिंता और अवसाद में वृद्धि हुई है। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, जिन लोगों ने कहा कि उन्हें चिंता महसूस हुई, उनकी संख्या 2023 की तुलना में बढ़ी है। पिछले साल यह 10 में से 4.1 अंक थी, जबकि 2023 में यह 3.4 अंक थी। इसी तरह, अवसाद के मामले में भी यह संख्या 2.8 अंक से बढ़कर 3.5 अंक हो गई। पिछले साल अगस्त से सितंबर तक 8,251 लोगों पर एक सर्वे किया गया था। इस सर्वे में यह पता लगाया गया कि लोग समाज में कितने घुले-मिले हैं और उनकी

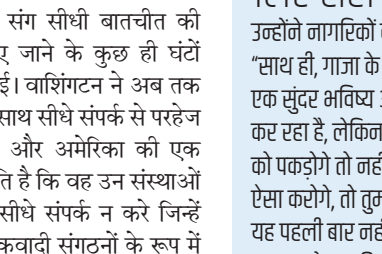

राय क्या है। लोगों ने अपनी खुशी का औसत 6.8 बताया, जो पिछले साल से 0.1 ज्यादा है। जिनकी मासिक आय 1 मिलियन वॉन ($693) से कम थी, उन्होंने पिछले वर्ष के मुकाबले 0.1 अंक कम खुशी महसूस की, जो 6.0 अंक थी।

दोस्त की हल्दी समारोह में कैटरीना कैफ ने थिरकाई कमर

अभिनेत्री कैटरीना कैफ अपने पति-अभिनेता विक्की कौशल के साथ एक दोस्त के हल्दी समारोह में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने फिल्म दिल्ली 6 के लोकप्रिय ट्रैक 'ससुराल गेंदा फूल' पर डांस किया। इसके अलावा अभिनेत्री ने अपनी फिल्म के गाने 'सूरज की बाहों में' पर भी कमर थिरकाई। अभिनेत्री कैटरीना कैफ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो में अभिनेत्री अपनी एक दोस्त की हल्दी सेरेमनी का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। कैटरीना के इस मनमोहक वीडियो को लाखों लोग देख चुके हैं।

फिल्ममेकर ने क्यों लिया मुंबई छोड़ने का फैसला

अभिनेत्री अपने पति-अभिनेता विक्की कौशल के साथ एक दोस्त के हल्दी समारोह में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने फिल्म दिल्ली 6 के लोकप्रिय ट्रैक 'ससुराल गेंदा फूल' पर डांस किया। इसके अलावा अभिनेत्री ने अपनी फिल्म के गाने 'सूरज की बाहों में' पर भी कमर थिरकाई। अभिनेत्री का वीडियो ऑनलाइन धूम मचा रहा है। लुक की बात करें तो कैटरीना ने शानदार आइसी ब्लू शिमरी लहंगा पहना था, जिसमें वह आकर्षक लग रही थीं। मुलायम लहराते बाल, लंबे झुमके और लाइट मेकअप ने अभिनेत्री की नेचुरल खूबसूरती को और बढ़ा दिया। फैंस अभिनेत्री को 'खूबसूरत, खूबसूरत' कह रहे हैं।

कहानी फिल्म जगत की